आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
21.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.51
सूर्यास्त 06.36

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष दशमी 01:17 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2083
रविवार, 12 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 137, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ भाजपा यूसीसी लागू करेगी, बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी : मोदी
- 11

■ डीजल पर 55.5 और एटीएफ पर 42 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क
- 12

■ भारत-अमेरिका परमाणु ऊर्जा और एलपीजी निर्यात में सहयोग बढ़ाएंगे
- 13

■ आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के फाइनल में
- 14

थारू समाज के मुकदमे होंगे वापस मिट्टी में मिलेगा माफिया : योगी

मुख्यमंत्री ने लखीमपुर खीरी में दो बड़ी जनसभाओं में कई अहम घोषणाएं कीं

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी में राजनीतिक विरोधियों पर तीखा हमला बोलते हुए बड़ा एलान किया कि थारू समाज के लोगों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे। योगी ने फिर चेताया कि माफिया बनने का प्रयास करने वाले मिट्टी में मिलने की तैयारी भी कर लें। सरकार किसी माफिया को पनपने, गरीबों का हक छीनने व नौजवानों की नौकरी पर डकैती नहीं डालने देगी।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को चंदन चौकी (पलिया) में आयोजित कार्यक्रम में नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश के 2350 परिवारों व थारू जनजाति के 4356 परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन और पलिया, श्रीनगर, निघासन व गोला गोकर्णनाथ विधानसभा क्षेत्रों की 817 करोड़ रुपये की 314 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी कहा कि हर जिले में माफिया पालने वाली पेशेवर अपराधियों की सरकार महाराणा प्रताप व महाराणा सांगा के वंशजों पर अत्याचार और झूठे मुकदमे दर्ज करती थी। संघर्ष करने वाले थारू समाज के जिन लोगों पर सपा सरकार ने मुकदमे दर्ज किए थे, हमारी सरकार उन सारे मुकदमों को वापस लेगी। अब कोई अत्याचार नहीं कर पाएगा, क्योंकि डबल इंजन सरकार साथ खड़ी है और आपके संघर्ष को सम्मान दे रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में माफिया पोषित व्यवस्था थी, जहां निर्दोषों को प्रताड़ित किया गया और परिवारवाद को बढ़ावा मिला।

पलिया के चंदनचौकी में परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करते सीएम योगी। साथ में मौजूद प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक रोमी साहनी व अन्य।

गांव में एक भी मियां नहीं, फिर भी नाम मियांपुर अब रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम से जाना जाएगा

सीएम योगी ने कहा कि पापी पाकिस्तान ने पहले भारत का विभाजन किया, फिर पाकिस्तान भी टुकड़े हुए। पाकिस्तान अभी और टुकड़ों में बंटने वाला है। पाकिस्तान के पाप की सजा वहां रह रहे हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी लोगों को मिली है। क्योंकि वहां किसी और जाति के लिए कोई जगह नहीं है। कहा कि कांग्रेस का पाप देखा। आपका अधिकार लिया और वोट लेते रहे। आपकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम भी मियांपुर रख दिया। एक भी मियां, नाम मियांपुर। अब ये मियांपुर नाम नहीं रहेगा। गांव का नाम रविंद्र नगर होगा। गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम पर यह गांव जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा- लखीमपुर खीरी का वास्तविक नाम था लक्ष्मीपुर

सीएम ने कहा कि लखीमपुर खीरी का वास्तविक नाम लक्ष्मीपुर था। पिछली सरकारों ने हर जिले में माफिया-गुंडे पैदा किए, लेकिन नया उप्र दंगा, माफिया, कर्फ्यू मुक्त है। यहां की पहचान अब दुधवा नेशनल पार्क, पलिया एयरपोर्ट, चंदन चौकी, बाबा गोला गोकर्णनाथ, श्रीनगर में स्थापित मेडिकल कॉलेज से है। अब वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया नहीं, बल्कि वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज है। अब एक जिला, एक व्यंजन की भी ब्रांडिंग कर इसे वैश्विक मान्यता दिलाएंगे। यहां कुछ ऐसा करके दिखाइए कि यहां का व्यंजन पूरे देश में महके।

वार्ता से शांति की तलाश

इस्लामाबाद में चार घंटे तक चली पहले दौर की बैठक | ईरान ने कहा- लेबनान पर हमले तुरंत बंद किए जाएं

- अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद के अध्यक्ष गालिबफ हैं मुख्य वार्ताकार
- देर रात तक चलती रही दूसरे दौर की वार्ता, 47 साल बाद ईरान-अमेरिका के बीच आमने-सामने की बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी

इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका के बीच जारी संघर्षविराम वार्ता का पहला राउंड चार घंटे तक चला। इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत इजराइली हमले रोकने की मांग की है। इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया। दोनों देशों के बीच अब दूसरे दौर की वार्ता शनिवार देर रात शुरू हुई।

47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की। इस्लामाबाद के सेरेना होटल में त्रिपक्षीय वार्ता से पहले, वेंस के नेतृत्व वाली अमेरिकी टीम और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ के नेतृत्व वाले ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। ईरान ने बैठक से पहले कहा था कि इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी। इस वार्ता का उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक स्थायी शांति समझौते पर पहुंचना है।

इस युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को पंगु बना दिया है और व्यापक पैमाने पर आर्थिक व्यवधान पैदा किए हैं। तेहरान ने दावा किया कि हमले ने युद्धविराम समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है, वहीं अमेरिका ने कहा कि लेबनान इस समझौते का हिस्सा नहीं था। शनिवार तड़के इस्लामाबाद पहुंचने के बाद गालिबफ ने कहा, हमारे मन में सद्भावना तो है, लेकिन अमेरिकियों पर हमें भरोसा नहीं है। अगर अमेरिकी पक्ष वास्तविक समझौते के लिए तैयार है, तो वह तेहरान की तत्परता देखेगा।

इस्लामाबाद : शांति वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ से बात करते हुए। दांए : पाकिस्तान पहुंचे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस।

अमेरिका ने होर्मुज को खोलना शुरू किया : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ईरान की सेना तबाह हो चुकी है और अमेरिका होर्मुज को खोलना शुरू कर रहा है। हम अब चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी और कई अन्य देशों समेत दुनियाभर के देशों के हित में होर्मुज को खोलने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। हैरानी की बात है कि उनमें यह काम खुद करने का साहस नहीं है।

ईरान के खिलाफ अभियान खत्म नहीं हुआ है : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करने का दावा करते हुए एक वीडियो संदेश में कहा कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है, और इजराइल ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को नाकाम कर दिया है। हमें अभी और काम करना है। लेकिन अब भी यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, दिल्ली की धरती पर उतरी अयोध्या व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

अब डिजिटल माध्यम से ही होगा टोल संग्रह

नई दिल्ली। देशभर के राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर शनिवार से सभी शुल्क भुगतान विशेष रूप से फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों से ही लिए जा रहे हैं। यह कदम टोल संग्रह में दक्षता और पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान में कहा गया कि तमिलनाडु, केरल, असम और पश्चिम बंगाल के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में यह बदलाव अभी लागू नहीं किया गया है।

चलती कार बनी आग का गोला, कम्युनिटी हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जलीं

संवाददाता, उसहैत (बदायूं)

- लखीमपुर से लौटते समय उसहैत क्षेत्र के गांव रौते में कार में लगी आग से पति भी झुलसा

अमृत विचार : चलती कार अचानक आग का गोला बनने से उसमें सवार कम्युनिटी हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जल गईं जबकि वह भी गंभीर रूप से झुलस गए। महिला का तीन दिन पहले लखीमपुर में पित्ताशय में पथरी का ऑपरेशन हुआ था। पत्नी को अस्पताल से छुट्टी कराकर वह दोनों कार से घर लौट रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

पति को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। थाना उसहैत क्षेत्र के वार्ड छह निवासी अर्पित भारद्वाज विकास क्षेत्र कादरचौक में कम्युनिटी हेल्थ अफसर हैं। तीन दिन पहले उनकी पत्नी प्रिया (25) का जिला लखीमपुर के पलिया स्थित अस्पताल में पित्ताशय की थैली में पथरी का ऑपरेशन हुआ था। वह दोनों शुक्रवार को कार से वापस घर लौट रहे थे। ऑपरेशन की वजह से प्रिया बैठ नहीं पा रहीं थी तो वह कार की पीछे की सीट पर लेट गईं। अर्पित कार चला रहे थे। रात दो बजे उसहैत क्षेत्र के गांव रौता के पास चलती कार के इंजन में आग लग गई। इसी दौरान कार के दरवाजे लॉक हो गए। अर्पित तो किसी तरह कार से बाहर आ गए, लेकिन प्रिया नहीं निकल पाईं। अर्पित ने उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन आग की वजह से असफल रहे।

प्रिया की जिंदा जलकर मौत हो गई। सूचना पर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह और ग्रामीण पहुंचे। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक प्रिया पूरी तरह से जल चुकी थीं। अर्पित गंभीर रूप से झुलसे थे।

संघर्ष विराम के बीच जग विक्रम ने पार किया होर्मुज

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी संघर्ष विराम के बाद 'जग विक्रम' नामक भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज ने होर्मुज पार कर लिया है। अस्थायी संघर्ष विराम की घोषणा के बाद इस मार्ग से गुजरने वाला यह पहला भारतीय जहाज है। जहाज शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरा और शनिवार दोपहर को पूर्व की ओर बढ़ते हुए, जलडमरूमध्य के पूर्व में ओमान की खाड़ी में स्थित था।

मिर्जापुर में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या

मिर्जापुर। मिर्जापुर के कटरा क्षेत्र शनिवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले एक अधिवक्ता की बाइक सवार बदमाश ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हत्या का कारण चुनावी रंजिश बताया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अर्पणा कौशिक ने बताया कि विंध्याचल थाना क्षेत्र के देवरी गांव निवासी राजीव उर्फ रिंकू सिंह ग्राम प्रधान पति थे। उनकी पत्नी वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं। शनिवार सुबह सात बजे दो हमलावरों ने रिंकू सिंह को नजदीक से गोली मार दी।

manasiivf
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
निसंतानता रोग निवारण अब आपके शहर बरेली में।
पहला परामर्श निःशुल्क
जर्मनी के K-System Benchtop Incubator से सुसज्जित

मानसी आई.वी.एफ
10,000+ सफल आई.वी.एफ उपचार
27+ वर्षों का अनुभव
अत्याधुनिक तकनीक एवं विशेषज्ञ टीम
अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध
डॉ. माला सक्सेना
Chief Medical Director
समय: सुबह 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक।
परामर्श के लिए कॉल करें:
+91 8755552292 | 7455002852 | 7455002854
उपचार उपलब्ध:
फर्टिलिटी जांच | आईयूआई | आई.वी.एफ | आईसीएसआई |
ब्लास्टोसिस्ट लैप्रोस्कोपी | हिस्टेरोस्कोपी | डोनर सेवाएं | लेजर हैचिंग
35-A-7A, रामपुर गार्डन, प्रभा थिएटर के सामने, सिविल लाइंस, बरेली

आर्टेमिस-2 ' मिशन | 50 वर्षों बाद चंद्रमा तक पहली मानव उड़ान, अब चांद पर उतरने की तैयारी में नासा

चंद्रमा का चक्कर लगाकर लौटे चार एस्ट्रोनॉट

वाशिंगटन, एजेंसी

तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह के बीच नासा के 'आर्टेमिस-2' मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक चंद्र यात्रा पूरी करने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतर गए। यह 50 वर्षों से अधिक समय बाद चंद्रमा तक पहली मानव उड़ान है।

नासा के भारतीय मूल के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने सैन डिएगो तट के पास शुक्रवार को (पूर्वी समयानुसार 8:07 बजे) पृथ्वी पर वापसी के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, चंद्रमा तक जाने का रास्ता खुल गया है, लेकिन आगे का काम पीछे किए गए काम से कहीं अधिक बड़ा है। इस मिशन में शामिल कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन ने दिसंबर 1972 में हुए अपोलो 17 मिशन के बाद पहली बार चंद्रमा की यात्रा की। उड़ान निदेशक रिक हेनफ्लिंग ने कहा कि आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री खुश और स्वस्थ हैं तथा ह्यूस्टन लौटने के लिए तैयार हैं। आर्टेमिस-2 पहला मानवयुक्त मिशन था जिसमें नासा के अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली रॉकेट और ओरियन क्रू मॉड्यूल का उपयोग किया गया, जिससे यह साबित हुआ कि एजेंसी का उपकरण यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर भेजकर सुरक्षित वापस ला सकता है।

(संबंधित देश दुनिया पर)

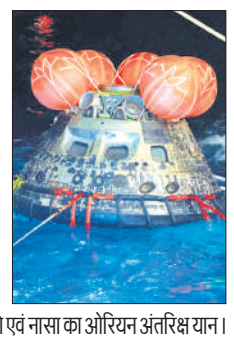

अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच सैन डिएगो एवं नासा का ओरियन अंतरिक्ष यान।

सूर्यग्रहण का अवलोकन

यह चारों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए शानदार यात्रा रही, जिसमें चंद्रमा के उस हिस्से को भी देखा गया जिसे पहले कभी मानव ने नहीं देखा था। इसके साथ ही पूर्ण सूर्यग्रहण का भी अवलोकन किया गया। प्रशांत महासागर में उतरने के बाद ओरियन कैप्सूल खुलते ही टीम ने राहत की सांस ली। जैसे ही कैप्सूल खुला, उनकी टीम ने राहत की सांस ली।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,12 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

भड़काऊ पोस्ट साझा करने के आरोप में मुफ्ती गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी : आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक सामग्री साझा करने तथा पाकिस्तान में कुछ लोगों के संपर्क में रहने के आरोप में सहारनपुर जिले के देवबंद क्षेत्र से एक मुफ्ती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एटीएस देवबंद के प्रभारी निरीक्षक सुधीर उज्ज्वल ने देवबंद थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर टीम ने देवबंद के मिल वाला फाटक क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी मुफ्ती (मुस्लिम धर्मगुरु) जाकिर को गिरफ्तार किया।

नकली सोना गिरवी रखकर ऋण लिया, 16 के खिलाफ रिपोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी : प्रयागराज में सिविल लाइंस स्थित केनरा बैंक में नकली सोना गिरवी रखकर लाखों रुपये का ऋण लेने के आरोप में पुलिस ने दो स्वर्ण परीक्षकों समेत 16 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। सिविल लाइंस थाना के प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख एवं महाप्रबंधक पंकज वर्मा की तहरीर पर शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार, बैंक के पैनल में शामिल स्वर्ण परीक्षक विष्णु वर्मा ने गोल्ड लोन के लिए गिरवी रखे गए सोने की जांच कर उसे शुद्ध बताया, जिसके आधार पर 16 लोगों को ऋण प्रदान किया गया।

मां और बेटी पर तेजाब फेंकने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर, एजेंसी : जिले के रामकोला थाना क्षेत्र में एक युवती और उसकी मां के ऊपर तेजाब फेंकने की घटना के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक जिले के रामकोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोरवन के टोला इमिलिया में गुरुवार की रात अज्ञात हमलावर ने घर में घुसकर, सो रही मां-बेटी पर तेजाब फेंक दिया था जिससे युवती की मौत हो गई जबकि उसकी मां गंभीर रूप से झुलस गई थी। अभियुक्त छोटू कुशवाहा व अभिमन्यु को नामजद किया गया था। घटना में शामिल अभियुक्त छोटेलाल खरवार और अनुज कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पहले एक साथ दिखते थे 25-30, अब 100-200 के झुंड में दिख रहे बारहसिंघा

बारहसिंघा के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन रहा पीटीआर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: किसी भी वन क्षेत्र की समृद्धता का असली पैमाना वहां की फलती-फूलती वन्यजीव आबादी होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व इस कसौटी पर न केवल खरा उतरा है, बल्कि नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहा है। कभी बाघों की संख्या दोगुनी कर अंतरराष्ट्रीय टीएक्सटू अवार्ड जीतने वाला यह जंगल अब संकटग्रस्त बारहसिंघा के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

ज्वैल ऑफ तराई कहे जाने वाला पीलीभीत टाइगर रिजर्व 73 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है। बाघ संरक्षण परियोजना ने जंगल को संजीवनी दी तो परिणाम यह हुआ है कि यहां बाघ समेत वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ।

बढ़ती जैव विविधता का ही परिणाम है कि अब पीलीभीत टाइगर रिजर्व बाघ-तेंदुआ ही नहीं बल्कि शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या में खासी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। तीन वर्ष पूर्व की गई तृणभोजी (शाकाहारी) वन्यजीवों की गणना की तुलना में वर्तमान आंकड़े उत्साहजनक हैं।

अनुकूल पर्यावास और सुरक्षा के चलते शाकाहारी वन्यजीवों के कुनबे में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बारहसिंघा का झुंड। ● अमृत विचार

इन्हीं शाकाहारी वन्यजीवों में हिरण प्रजाति का बारहसिंघा भी शुमार है। बाहरसिंघा उत्तरप्रदेश का राजकीय पशु भी है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बारहसिंघों की बात करें तो जंगल से जुड़े जानकारों के मुताबिक यहां के जंगलों में बारहसिंघों की मौजूदगी उस दौरान भी थी, मगर ये 25-30 के झुंड में दिखते थे। मगर, अब इनकी संख्या में खासी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह के मुताबिक टाइगर रिजर्व की माला नदी के इलाकों में 100 से लेकर 200 की संख्या में बारहसिंघों के झुंड कुलाचें भरते देखे जा रहे हैं। बारहसिंघा विशेष रूप से दलदली घास के मैदानों में रहने के लिए अनुकूलित है। नर बारहसिंगा के सींगों में 10 से 14 (कभी-कभी 20 तक) शाखाएं होती हैं। बारहसिंघा के अलावा टाइगर रिजर्व में हिरण प्रजाति के चीतल, सांभर, बार्किंग डियर, हॉग डियर की संख्या में खासी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है।

मुजफ्फरनगर में 200 कंपनियां देंगी 25 हजार से अधिक नौकरियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। 13 अप्रैल को मुजफ्फरनगर के नुमाइश ग्राउंड में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

इस रोजगार मेले की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी करेंगे, जबकि राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन उप्र. स्किल डवलपमेंट मिशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। मेले में 200 से अधिक कंपनियां हिस्सा लेंगी, जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। इस दौरान 25 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी-आईटीईएस, बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, हेल्थकेयर और परिधान उद्योग से जुड़ी कंपनियां शामिल होंगी।

मथुरा: नाव हादसे में अब तक 11 शव मिले, 5 की तलाश जारी

रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी रहेगा : कमिश्नर

मथुरा, एजेंसी

जिले के वृंदावन क्षेत्र में यमुना नदी में हुए नाव हादसे के दूसरे दिन शनिवार को रेस्क्यू टीमों ने नदी से एक और श्रद्धालु का शव बरामद किया गया। हालांकि, अभी भी 5 श्रद्धालु लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें यमुना की लहरों को खंगाल रही हैं। जिला प्रशासन ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए नाव और पीपा पुल ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया है।

आगरा मंडल के कमिश्नर नगेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि लापता लोगों की संख्या को लेकर शुरू में कुछ भ्रम की स्थिति थी। पहले 5 लोगों के लापता होने की जानकारी मिली थी, लेकिन जब देर रात श्रद्धालुओं के पूरे दल का मिलान किया गया, तो यह संख्या 6 निकली। शनिवार सुबह मिले शव के बाद अब लापता लोगों की संख्या 5 रह गई है। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि जब तक आखिरी व्यक्ति का पता नहीं चल जाता, रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी रहेगा। डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि प्राथमिक जांच में नाव और पीपा पुल ऑपरेटर की गंभीर लापरवाही सामने आई है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण ही यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ। इसी को आधार बनाकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और दो लोगों को हिरासत में ले लिया।

डीआईजी ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता लापता लोगों को सुरक्षित या उनके शवों को ढूंढना है, जिसके बाद घटना के हर पहलू की विस्तृत समीक्षा कर जवाबदेही तय की जाएगी।" इस हादसे ने यमुना के घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। कमिश्नर ने संकेत दिया है कि रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने के बाद विश्राम घाट और केसी घाट जैसे संवेदनशील स्थलों पर नाव संचालन के नियम पूरी तरह बदल दिए जाएंगे। अब नावों की क्षमता और सुरक्षा उपकरणों की फिटनेस रिपोर्ट के बिना संचालन की अनुमति नहीं मिलेगी। सोशल मीडिया पर ओवरलोडिंग के वायरल वीडियो को भी प्रशासन ने संज्ञान में लिया है, जो जांच का मुख्य हिस्सा बनेंगे।

यमुना में डूबे लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चलाती एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें।

● जांच में नाव, पीपा पुल ऑपरेटर की लापरवाही सामने आई

बाथरूम में मिला इंस्पेक्टर का शव

पुवायां, अमृत विचार: कोतवाली में इंस्पेक्टर क्राइम के पद पर तैनात 1997 बैच के राजेश सिंह पुत्र रामस्वरूप का शव बाथरूम में मिला। जिससे साथियों में अफरा तफरी मच गई।

शनिवार सुबह लगभग 10 बजे कई फोन करने के बाद भी जब वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो पुलिसकर्मी कमरे पर पहुंचे तो बाथरूम का दरवाजा बंद था। दरवाजा तोड़ने पर राजेश सिंह अर्धनग्न अवस्था में फर्श पर पड़े थे। आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। खबर सुनते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी परवीन मलिक ने अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर परिजनों को सूचित किया, साथ ही उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

राजेश सिंह।

जानकारी के अनुसार राजेश सिंह जनपद उन्नाव के थाना बारा सगवर पोस्ट कोडरा बखलखेड़ा के गांव हिस्थमपुर निवासी थे। 1997 में पुलिस फोर्स में आए थे। अगस्त 2025 माह में उनका तबादला बंडा से पुवायां किया गया था।

गंगा में नौका विहार

शनिवार की शाम वाराणसी में गंगा नदी में नौका विहार करते पर्यटक। ● एजेंसी

कई जगहों पर अगले सप्ताह 40 डिग्री के पार जा सकता है तापमान

लखनऊ, एजेंसी : प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जिसके चलते राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि दर्ज की गई है, हालांकि अभी भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही तेज पछुआ हवाएं, जो कभी-कभी 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच जाती हैं, 12 अप्रैल के बाद कमजोर पड़ने की संभावना है। इसके बाद राज्य में कोई सक्रिय मौसम प्रणाली नहीं बनने के कारण मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में धीरे-धीरे चार से छह डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पूर्वानुमान के अनुसार, लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में दिन के समय आसमान साफ रहेगा और तेज हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान के 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों जैसे प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर और आगरा में भी मौसम शुष्क रहा और कहीं वर्षा दर्ज नहीं की गई।

अंधेरे में भी दिव्य दिखाई देगा राम मंदिर

● मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन हुआ मंथन

● हैवल्सको फसाड लाइटिंग की जिम्मेदारी : गोपाल जी

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : राम मंदिर की दिव्यता और भव्यता रात के अंधेरे में भी दिखाई देगी। इसके लिए पूरे मंदिर को आकर्षक फसाद लाइटिंग का कार्य किया जा रहा हैं। मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन शनिवार को परिसर में लगाई जा रही लाइट की व्यवस्था पर मंथन किया गया। इसके अलावा मंदिर परिसर में लैंड स्केपिंग से 70 परिसर में विकसित की गई हरियाली व निर्माणाधीन बाउंड्रीवाल, ट्रस्ट भवन, अतिथि गृह और ऑडिटोरियम के निर्माण पर विस्तार पूर्वक मंथन किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि मंदिर निर्माण समिति ने प्रसिद्ध कंपनी हैवल्स को फसाड लाइटिंग की जिम्मेदारी दी है। मंदिर की लोवर प्लिंथ, दीवार, मंडप के शिखर समेत अन्य स्थान पर लाइटिंग का कार्य किया गया है। जिसका ट्रायल किया गया है। वहीं कहा कि अभी यह कार्य छह माह और चलेगा।

नकली सर्टिफिकेट बेचने वाले गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

प्रयागराज, एजेंसी : प्रदेश में प्रयागराज के सिविल लाइंस क्षेत्र से पुलिस ने उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की फर्जी वेबसाइट बनाकर नकली सर्टिफिकेट बेचने वाले गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अनंत सत्यम निगम नामक आरोपी के पास से 88 फर्जी अंकपत्र, डिप्लोमा व प्रमाणपत्र, 14 पासबुक, 21 चेकबुक, पांच एटीएम कार्ड, चार मोबाइल फोन तथा पांच सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

जांच में सामने आया है कि निगम गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो ग्राहकों की तलाश कर फर्जी सर्टिफिकेट उपलब्ध कराता था और प्रति सर्टिफिकेट करीब 20 हजार रुपये कमीशन प्राप्त करता था। साइबर पुलिस के मुताबिक, गिरोह ने यूपी बोर्ड सहित कई राज्यों के विश्वविद्यालयों की फर्जी वेबसाइटें तैयार कर अब तक 2000 से अधिक नकली डिग्री, मार्कशीट, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र बेच दिए थे।

राम मंदिर के 14 उपमंदिरों में जल्द शुरू होंगे दर्शन

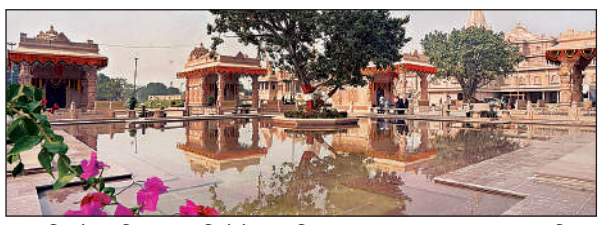

राम मंदिर में स्थापित सप्त ऋषियों के उप मंदिर। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम जन्मभूमि परिसर में बने संपूर्ण उप मंदिरों को दर्शनार्थियों के लिए खोले जाने का इंतजार समाप्त होने जा रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक इसी माह से दर्शन की नई प्रणाली लागू होगी। आज शुक्रवार से शुरू हो रही मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में मार्ग को खोले जाने और दर्शन व्यवस्था की नई प्रणाली लागू किए जाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हालांकि इसके पहले राम नवमी से दर्शन प्रारंभ होने थे, लेकिन सुरक्षा एजेंसी के द्वारा एनओसी नहीं दी गई थी।

श्री राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भूतल में विराजमान रामलला, प्रथम तल पर राम दरबार में दर्शन होने के बाद परकोटा कॉरिडोर और उसमें स्थापित भगवान गणेश, हनुमानजी, भगवान सूर्य, माता भगवती, मां अन्नपूर्णा देवी, भगवान शिव के दर्शन प्राप्त के बाद परकोटा के बाहर शेषावतार मंदिर, महर्षि अगस्त्य, महर्षि बाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि वशिष्ठ, शबरी, निषादराज व अहिल्या देवी के बाद अंत में कुबेर टीला पर कुबेश्वर महादेव, जटायु और अंगद टीला पर गिलहरी की प्रतिमा को देखने का अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट विशेष सॉफ्टवेयर को तैयार किया है। जिसके तहत भक्तों सुरक्षा कोड युक्त पास जारी किया जाएगा। प्रारंभ में यह संख्या सीमित रखी जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के मुताबिक इसके लिए सिर्फ ट्रस्ट ही नहीं बल्कि सीआरपीएफ, एसपी सुरक्षा और मजिस्ट्रेट की भी सहमति चाहिए। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि इसी महीने में ही दर्शन व्यवस्था लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

300 मीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण पूरा

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर परिसर के 3 .5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके पहले चरण में मंदिर के उत्तरी दिशा में लगभग 300 मीटर लंबी दीवार का कार्य पूर्ण कर लिया गया हैं। जहां एक वाच टॉवर भी तैयार कर लिया गया हैं। राम मंदिर परिसर के 70 एकड़ के बाउंड्री वॉल को सुरक्षा के लिए 14 फिट ऊंची और लगभग 3 .5 किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है। जो हाईटेक सुरक्षा से लैस होगी। जिसमे बुलेट प्रूफ मोर्चा और गश्त करते हुए सुरक्षाकर्मी भी दिखाई देंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस दीवार निर्माण की जिम्मेदारी भारत सरकार की रक्षा मंत्रालय के उपक्रम इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड को सौंपी है। निर्माण परियोजना प्रबंधक दुर्गेश वर्मा के मुताबिक सेंसर युक्त आधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस करीब 3 .5 किलोमीटर दीवार का निर्माण प्रस्तावित है। जिसमें करीब 300 मीटर दीवार का निर्माण पूरा हो गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि राम जन्मभूमि के पूरे परिसर में अभी तक लोहे की फेंसिंग की बाउंड्री लगी है। भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है तो उसके बाउंड्री वॉल का भी निर्माण आवश्यक है।

अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मामले में रिपोर्ट दर्ज

वाराणसी, एजेंसी: ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी देने के मामले में वाराणसी के भेलुपुर थाने में शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि इस संबंध में लिखित शिकायत और सबूतों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि धमकी भरा संदेश जिस नंबर से आया था उसका पता लगाया जा रहा है। दोषी व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने बुधवार को बताया कि ज्योतिर्मठ के आधिकारिक नंबर पर एक अप्रैल को एक संदिग्ध व्यक्ति द्वारा कई आपत्तिजनक और धमकी भरे संदेश भेजे गए थे। उस नंबर को ब्लॉक करने के बाद छह अप्रैल को वॉइस मेल के माध्यम से दो बार धमकी भरे ऑडियो संदेश प्राप्त हुए।

स्मृति जीवंत

ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर कांग्रेस का प्रदेश स्तरीय अधिवक्ता सम्मेलन आयोजित

संविधान के आदर्शों को कुचला जा रहा : मनु सिंघवी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आज हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां संविधान और बाबा साहब के आदर्शों को केवल नजरअंदाज ही नहीं किया जा रहा, बल्कि उन आदर्शों को कुचला जा रहा। उन्होंने कहा कि संविधान कोई प्रशासनिक मार्गदर्शिका नहीं, यह लोकतंत्र का स्पंदित (धड़कता हुआ) हृदय है।

कांग्रेस नेता मनु सिंघवी शनिवार को इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ज्योतिबा फुले की 200 वीं जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय अधिवक्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि हमारा संविधान करोड़ों वंचितों की आशाओं का घोषणा पत्र है, अब जांच एजेंसियां प्रतिशोध का प्रवर्तक बन गई हैं, कुछ अपवादों को छोड़कर जब न्यायपालिका को गर्जना चाहिए, तब अक्सर फुसफुसाती नजर आती है, शक्ति का संतुलन एक अथाह खाई में झुक गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने फुले के विचारों, समाज सुधार के कार्यों एवं समाज में भेदभाव और छुआछूत को लेकर उनके द्वारा किए गए सामाजिक जागरण और शिक्षा को लेकर विशेष तौर से उनके प्रयासों को याद किया।

लखनऊ : कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सलमान खुर्शीद, अभिषेक मनु सिंघवी व अन्य पार्टी नेता।

न्यूज ब्रीफ

आंबेडकर जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे सीएम योगी

अमृत विचार, लखनऊ : आगामी आंबेडकर जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में व्यापक आयोजन की तैयारी की जा रही है। राजधानी लखनऊ स्थित डॉ. अंबेडकर महासभा परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को अपराह्न 2 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई मंत्री और गणमान्य लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को पूरा प्रदेश 'आंबेडकरमय' नजर आएगा, जहां विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को याद किया जाएगा।

तीन आईपीएस अफसरों के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने शनिवार देर शाम को तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिये। जारी आदेश के अनुसार, देवरिया के एसपी संजीव सुमन को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं, 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ की सेनानायक प्राची सिंह को एसपी अंबेडकरनगर और अंबेडकरनगर में तैनात अभिजीत आर शंकर को देवरिया का एसपी बनाया गया है।

ज्योतिबा फूले जयंती पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के अवसर पर उन्हें देश में सामाजिक परिवर्तन का पितामह बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज में अति-पिछड़े वर्ग में जन्मे फूले ने समाज सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया। बसपा प्रमुख ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में विशेष रूप से सावित्रीबाई फूले और ज्योतिबा फुले की जोड़ी को नारी शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रणेता बताया। उन्होंने कहा कि फुले के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

ज्योतिबा फुले का योगदान अविस्मरणीय : केशव

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही कहा कि उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, भेदभाव और असमानताओं के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। विशेष रूप से स्त्री शिक्षा और समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। राजधानी स्थित सरकारी आवास पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार एवं कार्य आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं।

रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी जिले में तड़के 5 बजे लगे भूकंप के झटके

देहरादून। रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिले में शनिवार तड़के करीब 5:02 बजे भूकंप के मध्यम झटके करीब 10 से 15 सेकंड तक महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.06 मापी गयी। भूकंप का केंद्र रुद्रप्रयाग से करीब 10 किमी पूर्व में व गहराई सतह से लगभग 10 किमी नीचे दर्ज की गई। हालांकि जनहानि की कोई सूचना नहीं है। पर्वतीय राज्य में एक सप्ताह में दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए।

घर-घर पहुंचेगी बिजली टीम सात दिन चलेगा विशेष अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्मार्ट मीटर की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को बड़ा कदम

अमृत विचार: प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच योगी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 7 दिन का विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

इस अभियान के तहत विद्युत विभाग के अधिकारी घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से सीधे संवाद करेंगे और उनकी शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करेंगे। स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं, बिलिंग विवाद और कनेक्शन संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने शक्ति भवन में उच्चस्तरीय बैठक कर सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों का रोजाना निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम स्तर पर कंट्रोल रूम और मॉनिटरिंग सेल सक्रिय रहकर लगातार समीक्षा करें। अभियान के तहत प्रत्येक अधिकारी को 10 से 20 या उससे अधिक उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

लखनऊ छावनी स्थित स्मृतिका युद्ध स्मारक में लेजर लाइट शो का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

स्मृतिका युद्ध स्मारक में लेजर-लाइट शो की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ छावनी स्थित स्मृतिका युद्ध स्मारक में शनिवार को अत्याधुनिक लेज़र, लाइट और साउंड शो की शुरुआत हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया। करीब 30 मिनट का यह हिंदी मल्टीमीडिया शो आधुनिक प्रोजेक्शन, साउंड और लाइटिंग तकनीक के जरिए भारतीय सेना के इतिहास, उसकी प्रमुख सैन्य उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें 1947-48, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के साथ 'ऑपरेशन मेघदूत' और 'ऑपरेशन विजय' जैसी अहम सैन्य कार्रवाइयों को प्रमुखता से दिखाया गया है।

प्रदेश में भाजपा संगठन व मंत्रिमंडल विस्तार की उल्टी गिनती शुरू

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी से की मुलाकात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी स्तर पर लगातार बैठकों और दौरों का सिलसिला शुरू
- आज विनोद तावड़े का लखनऊ दौरा, फिर दिल्ली में भी बैठकों की तैयारी

अमृत विचार: प्रदेश में भाजपा संगठन और संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मंथन तेज हो गया है। पार्टी स्तर पर लगातार बैठकों और दौरों का सिलसिला शुरू हो गया है, जिससे आने वाले दिनों में बड़े फैसलों के संकेत मिल रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी शनिवार शाम करीब 4 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में संगठन और सरकार के बीच समन्वय, साथ ही संभावित फेरबदल पर चर्चा होने की संभावना है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े रविवार को लखनऊ दौरे पर आएंगे। अपने दौरे के दौरान वे प्रदेश नेतृत्व के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। इसमें संगठन महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी इसके बाद दिल्ली भी जाएंगे, जहां केंद्रीय नेतृत्व के साथ मुलाकात कर संगठन की नई टीम और मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अंतिम रूप देने पर बातचीत हो सकती है। राजनीतिक हलकों में इसे संगठनात्मक बदलाव और सरकार में संभावित विस्तार की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और सरकार दोनों स्तर पर सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन साधने की रणनीति तैयार की जा रही है। मंत्रिमंडल विस्तार में एक ब्राह्मण और एक अनुसूचित जाति के चेहरे को शामिल किए जाने की संभावना है, जबकि संगठन में ओबीसी और दलित वर्ग के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने पर जोर रहेगा।

पिछले महीने 2802 सभासदों के मनोनयन के बाद अब पार्टी कार्यकर्ताओं को और साधने की तैयारी में है। निगम, आयोग और बोर्डों में नियुक्तियों के जरिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर चुनावी मोड में लाने की रणनीति पर काम हो रहा है। इसके साथ ही प्रदेश संगठन की नई टीम के गठन पर भी तेजी से काम चल रहा है। करीब 45 सदस्यीय टीम, छह क्षेत्रीय अध्यक्ष और युवा मोर्चा अध्यक्ष के चयन में जातीय, क्षेत्रीय और महिला प्रतिनिधित्व का संतुलन साधा जाएगा। राजनीतिक हलकों में इसे चुनाव से पहले भाजपा के बड़े संगठनात्मक और राजनीतिक पुनर्गठन के रूप में देखा जा रहा है।

मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव

- एक ब्राह्मण और एक अनुसूचित जाति का चेहरा शामिल होने के संकेत
- नए चेहरों से क्षेत्रीय व जातीय संतुलन साधने की तैयारी
- पुराने मंत्रियों में सीमित फेरबदल की संभावना

संगठन में नया क्या

- 45 सदस्यीय नई प्रदेश टीम का गठन
- छह क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्ति
- युवा मोर्चा अध्यक्ष के चयन पर मंथन
- महिला और ओबीसी प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर

एसएनए-स्पर्श प्रणाली में नई बिलिंग प्रक्रिया मई से होगी लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग का शासनादेश जारी फेल ट्रांजैक्शन का भुगतान 30 अप्रैल तक

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने एसएनए-स्पर्श प्रणाली के क्रियान्वयन को लेकर अहम निर्णय लिया है। वित्त विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार वर्तमान व्यवस्था को 30 अप्रैल 2026 तक यथावत रखा जाएगा, जबकि पहली मई 2026 से नई संशोधित प्रणाली लागू कर दी जाएगी।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि एसएनए-स्पर्श मॉड्यूल में संशोधन का कार्य अंतिम चरण में है। ऐसे में नई व्यवस्था लागू होने तक मौजूदा प्रक्रिया जारी रखी जाएगी। शासनादेश के अनुसार, एक मई से बिल प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होगा। अब कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए बिल पहले जनपदीय स्तर के एडमिन के माध्यम से कोषागार भेजे जाएंगे, जहां से उन्हें साइबर ट्रेजरी को अग्रसारित किया जाएगा। बिलों का समेकन भी साइबर ट्रेजरी स्तर पर किया जाएगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिन मामलों में भुगतान फेल हुआ है, उनका निस्तारण 30 अप्रैल 2026 तक किया जा सकता है। इसके लिए वर्तमान प्रणाली को जारी रखना आवश्यक माना गया है।

एक मई के बाद शेष राशि को नए मॉड्यूल के तहत पुनः आवंटित कर भुगतान की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। सरकार का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने से भुगतान प्रणाली अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और तकनीकी रूप से सुदृढ़ होगी, जिससे लाभार्थियों तक धनराशि समय पर पहुंच सकेगी।

पीएम-एसवाईएस में कई जिलों ने बनाया रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा देने वाली प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएस) में प्रदेश में तेज प्रगति दर्ज की जा रही है। विशेष अभियान और वार्षिक प्रदर्शन के चलते योजना की पहुंच तेजी से बढ़ी है और कई जिलों ने रिकॉर्ड नामांकन कर नए मानक स्थापित किए हैं।

15 जनवरी से 15 मार्च 2026 तक चले विशेष अभियान में फिरोजाबाद ने 349 नामांकन के साथ पहला स्थान हासिल किया। गाजियाबाद (262) और बस्ती (238) भी अग्रणी जिलों में रहे। इसके अलावा बांदा, बरेली, अंबेडकर नगर, हापुड़ और बिजनौर ने भी उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 के समग्र प्रदर्शन में हरदोई 929 नामांकन के साथ पहले स्थान पर रहा। आजमगढ़ (597) और गाजियाबाद (547) ने भी निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए खुद को मॉडल जिलों के रूप में स्थापित किया। प्रतापगढ़, बलिया, मेरठ और वाराणसी की सक्रियता भी उल्लेखनीय रही।

राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाएं युवा : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि युवा केवल रोजगार तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार, शोध और सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया। राज्यपाल शनिवार को प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) यूनिवर्सिटी, प्रयागराज में नवनिर्मित शैक्षिक सुविधाओं का लोकार्पण करने के बाद छात्र व शिक्षकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया।

पाल समाज की बेटी के साथ हुई घटना में सपा के लोगों की भूमिका : पूजा पाल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा की बागी विधायक पूजा पाल ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं, योगी सरकार की तारीफ की। उन्होंने सपा पर आरोप लगाया कि कौशांबी में पाल समाज की एक बेटी के साथ हुई घटना में सपा से जुड़े तत्वों की भूमिका सामने आई है। कौशांबी विधायक ने कहा कि जैसे-जैसे 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सपा समर्थित गुंडों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आरोप लगाया कि प्रदेश में सपा समर्थक अपराधियों द्वारा लोगों को धमकाया जा रहा है और खासकर ओबीसी समाज को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया जा रहा है। यह स्थिति चिंताजनक है। पूजा पाल ने कहा कि उप्र. का सौभाग्य है कि राज्य में मजबूत नेतृत्व वाली सरकार है, जिससे ऐसे तत्वों पर नियंत्रण संभव हो पा रहा है। उन्होंने दो टूक कहा कि वह पहले भी ऐसे लोगों के सामने नहीं झुकीं और आगे भी नहीं झुकेंगी।

प्रदेश में एसआईआर के आंकड़े अस्पष्ट : माकपा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के उ.प्र. राज्य सचिव मंडल ने राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर आंकड़ों पर असंतोष जताते हुए उन्हें अधूरा और भ्रमित करने वाला बताया है। कहा गया कि आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि 2003 की मतदाता सूची से मिलान न होने वाले करीब 1.4 करोड़ और तार्किक विसंगतियों के आधार पर चिन्हित 2.22 करोड़ मतदाताओं को दिए गए नोटिस के बाद कितने नाम काटे गए।

सचिव मंडल के अनुसार 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल 12,55,56,025 मतदाता थे, जबकि अंतिम सूची में 13,36,84,972 मतदाता दर्शाए गए हैं। इस दौरान 84,28,667 नए मतदाताओं की वृद्धि बताई गई, जिससे कुल संख्या 13,39,84,972 होनी चाहिए। ऐसे में सवाल उठता है कि नोटिस पाने वालों में से कितने नाम हटाए गए, इसका स्पष्ट विवरण क्यों नहीं दिया गया। पार्टी ने मांग की है कि एसआईआर से पहले और अंतिम सूची के बीच हटाए गए मतदाताओं की वास्तविक संख्या सार्वजनिक की जाए।

महिला आरक्षण का फैसला ऐतिहासिक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से संवाद करतीं मंत्री बेबी रानी मौर्य। अमृत विचार

- मंत्री बेबी रानी मौर्य ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सराहा

अमृत विचार: प्रदेश सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्य ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का ऐतिहासिक और युगांतरकारी निर्णय बताया है। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में सशक्त भागीदार बनाएगा।

भाजपा के राज्य मुख्यालय मे पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया यह कानून देश की करोड़ों महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का प्रतीक है। संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण से लोकतंत्र अधिक समावेशी और प्रभावी बनेगा। उन्होंने बताया कि वैश्विक अनुभव बताते हैं कि महिला नेतृत्व से शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों में बेहतर परिणाम मिलते हैं।

उन्होंने पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्ज्वला, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बढ़ा निवेशकों का रुझान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 13 प्रस्तावों को राज्य स्तरीय समिति को भेजने की संस्तुति

अमृत विचार: प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र तेजी से निवेश और रोजगार का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सेक्टर किसानों की आय बढ़ाने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और युवाओं को रोजगार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उप्र. फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री पॉलिसी -2023 के तहत दी जा रही सुविधाओं और अनुदानों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। अपर मुख्य सचिव बीएल मीना की अध्यक्षता में आयोजित अप्रेजल समिति की बैठक में 15 प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें से 13 को राज्य स्तरीय समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए संस्तुति दी गई। स्वीकृति हेतु प्रस्तावित इकाइयों में स्टार्च, पास्ता-नूडल्स, पोल्ट्री फीड, डेयरी उत्पाद, बेकरी, मॉरिंगा, तिलहन-दाल प्रसंस्करण और सोलर पावर प्लांट जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। समिति ने निर्देश दिए कि कच्चे माल की आपूर्ति स्थानीय किसानों से सुनिश्चित की जाए।

पिता की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या, पुत्र गिरफ्तार

- पिथौरागढ़ में दिल दहला देने वाली वारदात से मची सनसनी

पिथौरागढ़। मामूली विवाद में युवक ने अपने पिता पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर दिए। रात भर लहूलुहान हालत में तड़पते रहे पिता ने सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्यारोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

पुरान गांव निवासी बिशन राम (50) पुत्र चंद्र राम परिवार के साथ ऐंचोली में किराये पर रहते थे। उनका छोटा बेटा गौरव (30) पैतृक गांव में रहता है। बीते शुक्रवार बिशन राम अपने पोते के साथ पैतृक गांव गए थे। पोते को बगल में रहने वाले भतीजे सूरज कुमार के घर ठहराकर वे अपने घर आ गए थे। जहां उनका देर रात बेटे सूरज के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि बेटे ने आवेश में आकर हथौड़े से पिता के पैर और सीने पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। शनिवार सुबह पोता नाना के पास पहुंचा तो वे बुरी तरह से घायल मिले। सूचना पर परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां दोपहर दो बजे उनकी मौत हो गई। कोतवाल ललित मोहन जोशी ने बताया कि भतीजे सूरज की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ गोविंद ने बताया कि हत्यारोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आयोजन देहरादून में शुरू हुआ नॉर्थ जोन क्षेत्रीय सम्मेलन, देशभर के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एवं विधिक विशेषज्ञ ले रहे भाग

न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ और जनोन्मुख बनाने पर जोर

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, समावेशी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में अहम पहल के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के सहयोग से राजधानी में नॉर्थ जोन क्षेत्रीय सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित नॉर्थ ज़ोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस वर्ष सम्मेलन के केंद्रीय विषय "एनहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस" (न्याय तक पहुंच बढ़ाना) की थीम "जस्टिस बियॉन्ड बैरियर्सः राइट्स, रिहेबिलिटेशन एंड रिफॉर्म फॉर द मोस्ट वल्नेरेबल" (न्याय बाधाओं से परेः सबसे कमजोर लोगों के लिए अधिकार, पुनर्वास और सुधार) है।

इस गरिमामय अवसर पर उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी, एन. कोटेश्वर सिंह एवं संदीप मेहता के साथ ही उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज कुमार तिवारी, उत्तराखंड लीगल सर्विसेज कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा तथा उत्तर भारत के विभिन्न उच्च न्यायालयों से पधारे न्यायमूर्तिगण भी उपस्थित रहे।

देहरादून में नॉर्थ जोन क्षेत्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते वरिष्ठ न्यायमूर्तिगण।

सम्मेलन में उत्तराखंड राज्य के समस्त जनपदों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के अध्यक्ष, सचिव एवं न्यायिक अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की। विभिन्न सत्रों के माध्यम से 'न्याय तक पहुंच' को सशक्त बनाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

शनिवार को आयोजित दो प्रमुख सत्रों में, प्रथम सत्र में वन समुदायों के अधिकारों एवं वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया, जिसमें वन गुज्जर समुदाय के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। द्वितीय सत्र में 'जेल सुधार' पर विशेष चर्चा करते हुए बंदियों के अधिकार, न्याय तक उनकी पहुंच तथा सुधारात्मक उपायों पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के देहरादून दौरे को लेकर हाई अलर्ट

देहरादून, अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 14 अप्रैल को प्रस्तावित देहरादून आगमन को देखते हुए पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी करते हुए कड़ी चौकसी बरती जा रही है। राजधानी से देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए युवक की एसटीएफ और स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तारी करने के बाद सुरक्षा व्यवस्था और चेकिंग अभियान को और सख्त व प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

हाइटेंशन लाइन से निकली चिंगारी, 3 बीघा गेहूं फसल हुई राख

भोजीपुरा, अमृत विचार : गांव पचदौरा दोहरिया में बिजली की लाइन से निकली एक चिंगारी ने किसान की फसल को राख कर दिया। आग में करीब 3 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। भोजीपुरा के गांव पचदौरा दोहरिया निवासी नत्थू लाल का खेत दोहरिया प्लाईवुड फैक्ट्री के पीछे है। खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली की लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे निकली चिंगारियां नीचे सूखी खड़ी गेहूं की फसल पर जा गिरीं। जब तक ग्रामीण और किसान मौके पर पहुँचते, तब तक आग पूरे खेत में फैल गई। लेखपाल ने मौके पर पहुँचकर नुकसान का जायजा लिया है।

हाफिजगंज में दो पक्ष भिड़े, कई घायल

नवाबगंज,अमृत विचार : हाफिजगंज कस्बे में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हुए हमले में कई लोग घायल हो गए। एक पक्ष के इल्यास ने आरोप लगाया कि मामूली कहासुनी के बाद विपक्षी घर में घुस आए और हमला कर दिया। दूसरे पक्ष के अकील अहमद ने भी अपने बेटे पर खेत में हमला करने और घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अल्टीनेटर चोरी करने वाला गिरफ्तार

आंवला। उपनिरीक्षक नितिन शर्मा ने दबिश देकर दुर्वेश निवासी कनगांव को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर अल्टीनेटर कवर (कॉपर कॉइल सहित), चार वायरिंग केबल और चोरी में प्रयुक्त उपकरण (पाना, नट-बोल्ट खोलने की बोटी व प्लास) बरामद किए गए हैं।

शादी के 16 दिन बाद गृह क्लेश, युवक ने दी जान

आंवला में नौ दिन से गायब था युवक, पेड़ पर लगाया फंदा

संवाददाता, आंवला

मृतक सत्यवीर

मौके पर मौजूद पुलिस और ग्रामीण । ● अमृत विचार

अमृत विचार ,ग्राम पनवड़िया और आसपास के इलाकों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब 22 वर्षीय सत्यवीर का शव शीशम के पेड़ से चुन्नी के सहारे लटका मिला। खेतों में गेहूं काट रहे किसानों की नजर जैसे ही पेड़ पर पड़ी, पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि नौ दिन पहले इसी क्षेत्र के एक भट्टे पर काम करने वाले युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। शक के आधार पर पुलिस ने परिजनों को मौके पर बुलाया, जिन्होंने कपड़ों से शव की पहचान सत्यवीर के रूप में कर ली।

परिजनों के अनुसार, सत्यवीर ग्राम सिकरोड़ी थाना विनावर का निवासी था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़े भाई आसाराम की पहले ही मौत हो चुकी थी।

परिवार की सहमति से करीब 16 दिन पहले ही सत्यवीर की शादी अपने दिवंगत भाई की पत्नी राजकुमारी से कराई गई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सत्यवीर अपने परिवार के साथ पनवड़िया स्थित भट्टे पर मिट्टी पताई का काम करता था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रभारी निरीक्षक बीनू चौधरी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी लगाकर आत्महत्या की पुष्टि हुई है। हालांकि परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है और प्रारंभिक जांच में घरेलू कलह को वजह माना जा रहा है, लेकिन हालात कई अनुत्तरित सवाल भी छोड़ गए हैं।

पत्नी-बच्चों को दिल्ली में छोड़ा भीख मांगकर पेट पाला

कैंट,अमृत विचार : बिथरी चैनपुर के उड़ला जागीर निवासी यूनुस खां की बेटी कमरुल निशा की शादी आठ वर्ष पहले कैंट थाना क्षेत्र के मोहनपुर वार्ड नंबर एक निवासी अजर रजा खां से हुई थी। शादी के बाद से ही पति अजर, सास परजाना उर्फ मुन्नी, ससुर तफज्जुल खां, ननद रुखसाना और देवर अतर व कमर उर्फ बाबू दहेज से संतुष्ट नहीं थे और डेढ़ लाख रुपये व मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते रहे।

महिला ने परिवार बचाने के लिए अत्याचार सहा, आरोप है कि बेटियों के जन्म पर ससुरालियों ने तकिये से मुंह दबाकर उसे मारने की कोशिश की और मारपीट कर उसका हाथ भी तोड़ दिया। पति उसे धोखे से बच्चों सहित दिल्ली ले गया और किराए की झोपड़ी में छोड़कर फरार हो गया। महिला ने दो महीने तक भीख मांगकर बच्चों का पेट भरा। संयोग से बहन बहनोई ने वहां भीख मांगते देखा तो अपने साथ घर ले आए।

माता-पिता जब उसे ससुराल छोड़ने पहुंचे, तो भगा दिया। पीड़िता ने एसएसपी अनुराग आर्य से गुहार लगाई, जिसके आदेश पर कैंट पुलिस ने पति समेत छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

छात्रा ने बहादुरी दिखाई दुष्कर्म का प्रयास फेल

,संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार: स्कूल से लौट रही छात्रा को शुक्रवार को शोहदे ने पकड़ा और सड़क किनारे खाई में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया तो छात्रा शोहदे से भिड़कर शोर मचाते हुए भागी और अपने को बचा लिया। परिजन को सूचना दी तो वह उसे मौके से ले गये। शनिवार को शोहदे ने फिर वही हरकत की। इस बार फिर छात्रा ने हिम्मत करके शोहदे को पकड़ लिया तभी घात लगाए बैठे परिजन ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया है।

शुक्रवार को भोजीपुरा के एक गांव निवासी छात्रा इंटर कालेज में कक्षा 10 की छात्रा है। स्कूल से लौटते समय धौंराटांडा अटामांडा मार्ग पर पीछे बाइक लेकर आए एक शोहदे ने छात्रा को पकड़ लिया और झाड़ियों के पास खाई में ले गया। शोहदा छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। तभी छात्रा शोहदे से भिड़ गई और धक्का देकर शोर मचाती हुई सड़क पर आ गई और बारात घर के पास मौजूद लोगों को आपबीती बताई। यह देखकर शोहदा बाइक लेकर भाग गया। छात्रा ने बारात घर पर मौजूद एक व्यक्ति के मोबाइल से काल करके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और छात्रा को घर ले गए

शनिवार को छात्रा के परिजन घात लगाकर बैठे गए। तभी वही शोहदा फिर बाइक से आ गया। छात्रा को पकड़कर छेड़खानी करने लगा। तभी छात्रा ने उसे पकड़ लिया इसी दौरान परिजन भी आ गए।

परिजनों ने शोहदे को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। बताया जाता है कि भागते समय शोहदा सड़क पर गिर गया जिससे उसके सिर में चोट लग गई।

पुलिस ने छात्रा के पिता की तहरीर पर अजय कश्यप निवासी धौंराटांडा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जरेली बवाल मामले में तीन हिरासत में

नवाबगंज,अमृत विचार: जरेली गांव में चुनावी रंजिश को लेकर हुए खूनी विवाद के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस ने दबिश देकर तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

शुक्रवार को प्रधान मुनाजिर अली और पूर्व प्रधान कमर अली के समर्थकों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों ओर से लाठी-डंडे चले। कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला बैठक सम्पन्न

आंवला अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद (एएचपी) व राष्ट्रीय बजरंग दल (आरबीडी) की जिला बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को सदस्यता दिलाई गई तथा संगठन विस्तार पर जोर दिया गया। बैठक में प्रान्त व जिला स्तर के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। इस दौरान नगर, तहसील व ग्राम स्तर पर कई कार्यकर्ताओं को नए दायित्व सौंपे ।

शिवानी प्रथम अर्चना को दूसरा स्थान

मीरगंज, अमृत विचार: : बाल विवाह उन्मूलन के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान में आर पी सिंह डिग्री कालेज की छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही कक्षा में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई,पोस्टर प्रतियोगिता में बी.ए.द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा शिवानी को प्रथम स्थान व अर्चना को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर के माध्यम से समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने एवं सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया।

नवाबगंज में खेत से रहस्यमय ढंग से मासूम लापता, तलाश जारी

संवाददाता, नवाबगंज

- अधकटा नजराना में गेहूं की खंदाई के समय हुई वारदात
- पता चलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, रात तक तलाशते रहे

लापता तौसीबा

अमृत विचार: नवाबगंज क्षेत्र के अधकटा नजराना गांव में गेहूं की खंदाई के दौरान खेत से ढाई साल की मासूम रहस्यमय ढंग से लापता हो गई । घटना के बाद परिजन और ग्रामीण देर रात तक बच्ची की तलाश में जुटे रहे।

बताया गया कि मुस्तफा अपने परिवार के साथ खेत में थ्रेसर से गेहूं की खंदाई करा रहे थे। इसी दौरान उनकी पत्नी नईमा बानो ने ढाई वर्षीय तौसीबा को पास ही सुला दिया। रात करीब 11 बजे जब मां ने बच्ची को देखा तो वह गायब थी।

परिजनों ने तुरंत खेत और आसपास के इलाकों में तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और खोजबीन में जुट गए। लेकिन बालिका का कहीं पता नहीं चल पाया था। मामले की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और सर्च अभियान चलाया। देर रात तक पुलिस और ग्रामीण बच्ची की तलाश में लगे रहे।

पेड़ चोरी की रिपोर्ट दर्ज

क्योलड़िया , अमृत विचार : खेत की मेड़ पर लगे शीशम के पेड़ को काट ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जगदीश 200 बीघा जमीन के बटाईदार हैं। उन्होंने तहरीर में कहा कि वह मुख्य गेट पर ताला लगाकर रखते हैं फिर भी शीशम का सूखा पेड़ काट ले गये हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर जांच कर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरु कर दी है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव

आंवला अमृत विचार , ग्राम मुतलक पुर में शुक्रबार को सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायत को लेकर राजस्व टीम नायब तहसीलदार दीप्ति पाल लेखपाल वैभव कृष्ण त्रिपाठी के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो अतिक्रमण कर रहे वीरेंद्र व रामपाल अपने परिवारी जनो के साथ वहां रखें पुआल मे आग लगा दी और दीवार गिरा रही। जेसीबी पर पत्थर फेंकने लगे और जेसीबी के आगे आकर लेट गये। यह देखकर राजस्व टीम गांव से वापस लौट गई। शनिवार को लेखपाल ने सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने पर वीरेन्द्र व रामपाल परिवार के सदस्य महिलाएं पर मुकदमा दर्ज कराया है।

विद्यालय में प्रवेशोत्सव में मेधावी सम्मानित

रिठौरा में विभिन्न् प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ● अमृत विचार

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर बंजरिया में शनिवार को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एसआरजी लक्ष्मी शुक्ला मुख्य अतिथि रही।

इस दौरान छात्र -छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्र देव मौर्य को स्टार वॉय,प्रिंयाशी को क्राउन गर्ल चुना गया। इस दौरान नवीन पुस्तकालय,ईको गार्डन, सिद्धार्थ उपवन का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवानी मनोचा ने किया।

कार्यक्रम में अफसरों ने शिक्षकों से नए सत्र में बच्चों के ज्यादा से ज्यादा नामांकन कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ विनय कुमार, एआरपी सौरभ शुक्ला, राममोहन तिवारी, भगवानदास,शीला गंगवार, डॉ आराधना, कृष्ण अवतार सक्सेना, सुदक्षिणा आर्य,महेश गंगवार, कालिंदी,,दीपमाला,नीतू गुप्ता, सुरजेश कुमार,अमनप्रीत कौर,अंशु श्रीवास्तव, सहित तमाम स्टाफ एवं अभिभावक मौजूद रहे।

शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार :स्नेहलता

बेहड़ी अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केन्द्र रिछा (दमखोदा) पर सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत स्कूल चलो अभियान की ब्लॉक स्तरीय रैली निकाली गई। ब्लॉक प्रमुख स्नेह लता गंगवार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस मौके पर आयोजित संगोष्ठी में ब्लॉक प्रमुख स्नेहलता गंगवार ने शिक्षा को बच्चों का मौलिक अधिकार बताया। उन्होंने लोगों से बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा ही अच्छाई और बुराई का अंतर बताती है। उन्होंने बच्चों से नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने को प्रेरित किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी जगदीश कुमार ने अभिभावकों एवं अध्यापकों से अधिकाधिक नामांकन की अपील की। इस मौके पर शिक्षक संघ के मंत्री बलवीर सिंह हरीश कुमार,योगेन्द्र कुमार, रिजवान अहमद, मोहम्मद आकिल, उवैस खान, आसीम, जुनैद, सायमा खान, लेखाकार मोहम्मद इमरान खान, अनुज गंगवार, अतीकुर्रहमान, अफसार अहमद, , साजिद आदि लोग उपस्थित रहे।

योगी सरकार में अपराधियों की टूटी कमर: धर्मपाल

सिरौली, अमृत विचार: । पशुधन एवं दुग्ध विकास कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने ''गांव चलो अभियान'' के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव शिवपुरी, लिलौर और खुर्द नबाबपुरा में जनसभाओं राज्य सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के नौ साल हर क्षेत्र में बेमिसाल रहे हैं। कानून व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में कानून का राज है। प्रदेश की योगी सरकार में बड़े से बड़े अपराधी पर शिकंजा कसते हुए उनकी कमर तोड़ी गई है। अपराधियों में योगी सरकार की दहशत है और वह अपनी जमानत नहीं करा रहे हैं।

आंवला विधानसभा क्षेत्र में सभी प्रमुख सड़कों का नवीनीकरण कराया गया है। छोटे-बड़े पुलों का निर्माण कराया गया है क्षेत्र में बड़ी फैक्ट्रियां लग रही हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा सिरौली मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रदीप गुप्ता, सभासद संदीप गौड़, पप्पू मौर्य प्रधान शिवपुरी,मनोज शर्मा,डॉक्टर केपी सिंह,सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

सेवा भारती ने लगाया नि:शुल्क होम्योपैथी शिविर

बहेड़ी, अमृत विचार : सेवा भारती ने हैनीमैन की जयंती पर सरस्वती शिशु मंदिर में नि :शुल्क होम्योपैथिक शिविर का आयोजन किया । इस अवसर पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ . रति सारस्वत एवं उनकी टीम ने दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक अपनी सेवाएँ दीं। शिविर में आए तमाम क्षेत्रीय नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें नि :शुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। डॉ . सारस्वत ने लोगों को होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लाभ और इसके सरल उपचार के बारे में भी जागरूक किया। विभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने डॉक्टर रति सारस्वत को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान चौ . प्रेमवीर सिंह, सेवा राम, अतुल अग्रवाल, सुनील गंगवार, मास्टर हरदयाल, सुश्री पुष्पा सिंह, हरवंश गुप्ता और वीरपाल (एडवोकेट) सहित अतुल प्रजापति, सुरेश, लाल अग्रवाल, दिनेश शर्मा, चिंतामणि राठौर, आदि रहे।

धूमधाम से कर्मों का फल तो सबको भोगना ही पड़ता है

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव खिरका जगतपुर में संगीतमय साप्ताहिक श्रीरामकथा के छठे दिन नैमिष धाम से आए कथाव्यास आचार्य अवध किशोर शास्त्री ''सरस'' ने कहा कि कर्मों से मुक्ति असंभव है। व्यक्ति को अपने द्वारा किए गए अच्छे-बुरे कर्मो का फल भुगतना ही पड़ता है। पुत्र विछोह में दशरथ का मरण भी उनके पूर्व कर्मो का ही फल था। इसलिए सद्गति चाहते हो तो सत्कर्म करते रहना चाहिए। भरत गुरु और माताओं के राज सिंहासन स्वीकार कर लेने के आग्रह को विनयपूर्वक ठुकरा देते हैं और स्पष्ट उद्घोषणा करते हैं मोहि राजु हठि देइहहु जबहीं रसा रसातल जाइहि तबहीं । ।श्रीरामकथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन सूबेदार मेजर वीरेंद्र पाल सिंह के संयोजकत्व, पूर्व प्रधान कृष्णपाल गंगवार, कोटेदार अरविन्द गंगवार के सहयोग तथा नत्थूलाल गंगवार पुजेरी के मुख्य यजमानत्व में कराया जा रहा है।

समिति ने बांटे प्रशस्ति पत्र

आंवला अमृत विचार : नगर में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभयात्रा पर नगर के कई समाज सेवियो व मुख्य अतिथि निहाल सिंह ने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सुंदर झांकिया निकाली । जिला महामंत्री जयदीप पाराशरी ने बताया कि कार्यक्रम में जिन्होंने यात्रा की व्यवस्था एवं जलपान, स्वागत किया । इस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी ने संगठन के पदाधिकारीयों को कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए प्रशस्ति पत्र व जलपान कराने की पेशकश की । जिसे संगठन के पदाधिकारीयों ने सहर्ष स्वीकार किया । उसी क्रम में शनिवार को पुरैना मन्दिर में मुख्य अतिथि निहाल सिंह ने सम्मानित अथितियो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेंद्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286 , 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
NABH PRE ACCREDITED
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2019 अनुक्रमांक 0800542 का प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **सचिन पुत्र मुन्ना लाल निवासी ग्राम ढकनी रजपुरी जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र शिवम सिंह पुन्डीर व पुत्रवधु नेहा कुमारी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **राजकुमार पुत्र नेपाल सिंह निवासी नई बस्ती नकासे के पास लाईनपार मठिया फरीदपुर जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड इलाहाबाद से निर्गत हाई स्कूल का मूल प्रमाण -पत्र सह अंक पत्र अनुक्रमांक 0975459 वर्ष 2019 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद भी नहीं मिला है। **प्रांची राना (PRANCHI RANA) पुत्री सरजू प्रसाद निवासी ग्राम व पोस्ट ढकिया, थाना गौरीफंटा, तहसील पलियाकलां , जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना

मेरा एक बैनामा विक्रेता श्री नन्हू लाल उर्फ नन्हे पुत्र पूरन लाल उर्फ पुरनी, क्रेता-बन्दी पुत्र झंडूलाल, उसकी रजिस्ट्री नंबर 6669 दिनांक 24.05.2021 बही नं. 1 जिल्द नंबर 12620 पेज नं. 245 से 260 जिसके पूर्व-प्लॉट, पश्चिम-रास्ता 16 फीट चौड़ा, उत्तर-वकिया प्लॉट विक्रेता, दक्षिण-प्लॉट पंडित जी है वास्तव में कहीं खो गया है। **कल्लू सिंह पुत्र राम किशोर निवासी ग्राम नगला गुर्जर, बसेला बदायूँ।**

आवश्यकता है

बाबा रामदास पी.जी. कॉलेज
सैदपुर कनी, भोलापुर, बरेली को निम्न विषयों में **प्रवक्ताओं** की आवश्यकता है
(Ph.D. एवं Net)
For M.A. :
Political Science, Home Science
For M.Sc. :
Physics, Chemistry, Zoology, Botany
इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय कार्यालय एवं email : principalbrdcbholapur @gmail.com पर समस्त प्रपत्र/फोटो सहित अपना Biodata भेजें।
आर.डी. गुप्ता-प्रबन्धक
मो. 6396249614

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 12 अप्रैल 2026 www.amritvichar.com

दिल्ली की धरती पर उतरी अयोध्या

तीन अप्रैल की सुबह नई दिल्ली के जनपथ स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के प्रांगण में श्रीरामचरित मानस की पावन ध्वनियां गूंजने के साथ लगा मानो दिल्ली की धरती पर अयोध्या उतर आई हो। यह केवल किसी कार्यक्रम का उद्घाटन नहीं था, यह उस चिरंतन भाव की पुनर्प्रतिष्ठा लगती थी, जो युगों-युगों से इस देश की आत्मा में जीवंत रहा है। राजधानी की महानगरीय व्यस्तताओं के बीच यह परिसर तीन दिनों के लिए एक जीवंत सांस्कृतिक तीर्थ में रूपांतरित हो गया, जिसने अयोध्या, उत्तर प्रदेश से गुजरात, महाराष्ट्र से असम और मध्य प्रदेश से दिल्ली तक को समाहित कर लिया। इस सांस्कृतिक महायज्ञ से संदेश गूंजने लगे।

-प्रस्तुति- राजेंद्र कुमार पांडेय व विमल कुमार सिंह।

श्री अयोध्या न्यास के मुख्य आयोजन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र एवं प्रज्ञा के सह-आयोजकत्व में इस ऐतिहासिक परिसर में तीन दिनों तक जो घटित हुआ, वह किसी एक कार्यक्रम की परिभाषा में नहीं समाता। यह एक महायज्ञ था, जिसमें विचार की आहुति, कला की ऊर्जा, साहित्य का सौंदर्य उसके केंद्र में था। अयोध्या का वह अदृश्य तेज जो समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोता है। इस पर्व ने वह प्रश्न भी उठाया और उसका उत्तर भी खोजा क्या आधुनिकता की तीव्र गति में अयोध्या अपनी आत्मा को सुरक्षित रख पाएगी? अयोध्या पर्व 2026 न तो किसी एक वर्ग का उत्सव था, न किसी एक विचारधारा का मंच। विद्वान, कलाकार, साधु-संत, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार, युवा, विद्यार्थी, गृहिणियां समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी ने इसे वास्तविक अर्थों में जनपर्व बनाया और इस सबके केंद्र में था, एक विश्वास कि राम केवल किसी एक वर्ग के नहीं हैं, राम सबके हैं।

साहित्य का सृजन पुस्तकों का लोकार्पण

तीन दिनों के दौरान प्रभात प्रकाशन की पांच महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। 'अहो अयोध्या', 'मिली राम मोदियाई', 'संतों में ध्रुव तारे', 'आकाश पुष्प' और 'चौरासी कोस की अयोध्या'- ये पांचों कृतियां इस पर्व की बौद्धिक और साहित्यिक संपदा के रूप में सामने आईं। प्रत्येक पुस्तक अयोध्या और रामतत्व के किसी न किसी पक्ष को उजागर करती है। 'चौरासी कोस की अयोध्या' उन पाठकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अयोध्या की भूगोल, उसके तीर्थों और उसकी सांस्कृतिक परिधि को समग्रता में समझना चाहते हैं। 'अहो अयोध्या' अयोध्या के प्रति उस विस्मय-भाव को भाषा देती है, जो हर भारतीय के मन में इस नगरी को लेकर स्वाभाविक रूप से उपस्थित रहता है। इसी दौरान अयोध्या पर्व 2026 की स्मारिका का भी लोकार्पण हुआ, जो अपने आप में एक संग्रहणीय प्रकाशन है।

अयोध्या पर्व के मंच से पुस्तकों का लोकार्पण केवल एक औपचारिकता नहीं थी। यह उस विश्वास की सार्वजनिक घोषणा थी कि विचार और ज्ञान की यात्रा किसी एक आयोजन के साथ समाप्त नहीं होती। ये पुस्तकें उन हाथों तक पहुंचेंगी जो इन्हें पढ़ेंगे और फिर अयोध्या के बारे में एक नई, गहरी और अधिक समृद्ध दृष्टि के साथ सोचेंगे।

सीता रसोई और अवध का स्वाद : संस्कृति का स्पर्शनीय अनुभव

किसी भी संस्कृति को समझने का एक अत्यंत सहज और प्रत्यक्ष मार्ग है-उसके भोजन का स्वाद लेना। 'अयोध्या पर्व 2026' के आयोजकों ने यह बात भलीभांति समझी थी। 'सीता रसोई' के नाम से आयोजित अवधी भोजन उत्सव में फरा, विशेष चाट और पारंपरिक मिठाइयों ने आगंतुकों को अवध की सोंधी माटी के स्वाद से जोड़ दिया। यह अनुभव केवल रसनातृप्ति का नहीं था, यह एक सभ्यता के भोजन-संस्कार का साक्षात्कार था। अवध क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री ने इस पर्व को एक लघु अयोध्या का स्वरूप दे दिया था। राम प्रसाद, पूजा सामग्री, कलाचित्र और कुटीर उद्योगों के उत्पाद, ये सब मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते थे, जिसमें दिल्ली की व्यस्त दिनचर्या से थकी आत्माएं क्षणभर के लिए अयोध्या में पहुंच जाती थीं। यह श्रद्धा और स्वावलंबन का एक साथ उत्सव था।

तीनों दिन परिसर में अखंड रामायण पाठ की ध्वनि निरंतर गूंजती रही। यह इस पर्व का आध्यात्मिक हृदय था, जहां शब्द, स्वर और श्रद्धा एकाकार हो गए थे। वैचारिक मंथन, कलात्मक अभिव्यक्ति और लौकिक आनंद के समानांतर यह आध्यात्मिक धारा अनवरत प्रवाहित रही और इसी ने इस आयोजन को एक सच्चे यज्ञ का स्वरूप प्रदान किया।

उद्घाटन : गरिमा और भाव का संगम

तीन अप्रैल की अपराह्न 'अयोध्या पर्व' का आधिकारिक उद्घाटन हुआ। उपस्थित विभूतियों की सूची ही इस आयोजन की ऊंचाई का प्रमाण थी। अयोध्या के श्री मणिरामदास छावनी के पूज्य महंत कमल नयन दास जी महाराज की उपस्थिति ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश भैय्याजी जोशी ने अपने उद्बोधन में अयोध्या को केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केन्द्र-बिन्दु बताया। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि अयोध्या के प्रति हम सबका दायित्व केवल श्रद्धा तक सीमित नहीं है, उसका विकास हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है। उन्होंने अगला अयोध्या पर्व जयपुर में आयोजित करने का न्यौता भी दिया। देश के उत्तराखंड राज्य और मॉरीशस देश में अयोध्या पर्व के आयोजन का न्यौता पहले से मिल चुका है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अयोध्या को समूचे भारतवर्ष की एकता का प्रतीक निरूपित किया। राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई के काव्यात्मक उद्गारों ने समारोह को एक विशेष रंग दिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष पदम विभूषण राम बहादुर राय ने इस आयोजन को भारत की सांस्कृतिक पुनर्जागरण यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। इन सबके पहले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने संस्थान की ओर से स्वागत उद्बोधन दिया गया। उद्घाटन से पूर्व प्रातः 'भविष्य की अयोध्या, नगर योजना' विषय पर पहला वैचारिक सत्र आयोजित हुआ। इस सत्र में यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश सिंह, गौड़ संस इंडिया के संस्थापक बीएल गौड़ और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. शैलेश शुक्ला ने अयोध्या के भावी नगर नियोजन पर विस्तृत विचार रखे। एक भव्य तीर्थनगरी के रूप में अयोध्या को किस प्रकार विकसित किया जाए कि वह अपनी प्राचीन आत्मा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक आवश्यकताओं की भी पूर्ति कर सके, इस प्रश्न ने श्रोताओं को गहरे मंथन में उतार दिया।

आयोजन का केंद्रीय विचार : परंपरा और प्रगति का द्वंद्व

अयोध्या पर्व 2026 का केन्द्रीय विचार अत्यंत महत्वपूर्ण था 'अयोध्या का विकास हो, पर उसका वैशिष्ट्य न खो जाए।' यह प्रश्न आज के भारत के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना अयोध्या के लिए। नए मंदिर के निर्माण के साथ-साथ जिस गति से अयोध्या का आधारभूत ढांचा बदल रहा है, उससे एक सूक्ष्म चिंता जन्म लेती है कि कहीं आधुनिकता की इस आपाधापी में उस पुरातन नगरी की आध्यात्मिक सुगंध और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य ओझल तो नहीं हो जाएगा? यही चिंता इस पर्व के प्रत्येक सत्र में, प्रत्येक वक्ता के शब्दों में अलग-अलग अभिव्यक्ति के साथ प्रकट हुई, लेकिन इस चिंता के साथ-साथ एक अटूट विश्वास भी था। जिस धरती पर स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम ने जन्म लिया हो, उस मिट्टी में एक ऐसी शक्ति है, जो विकृति को स्वयं ही दूर करती रही है। यह विश्वास कोरी भावना नहीं था, यह उस इतिहास से उपजा था, जिसमें अयोध्या ने बाबर से लेकर आधुनिक शहरीकरण तक की चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी आत्मा को सुरक्षित रखा है। 'अयोध्या पर्व 2026' इसी विश्वास की सार्वजनिक घोषणा भी था। तीन दिनों में कुल छह वैचारिक सत्रों का आयोजन हुआ, जिनमें नगर योजना से लेकर सामाजिक समरसता तक, रामराज्य की अवधारणा से लेकर शासन और समाज के पारस्परिक दायित्वों तक, अयोध्या के भौतिक और आध्यात्मिक उत्कर्ष के प्रत्येक आयाम पर गहन मंथन हुआ।

शासन, समाज और समापन का महायज्ञ

पांच अप्रैल के प्रात: कालीन सत्र का विषय था- 'भविष्य की अयोध्या : शासन और समाज।' आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण, आचार्य ज्ञानेश गौड़ और डॉ. चंद्रशेखर प्राण ने इस बात पर विशेष बल दिया कि अयोध्या के भविष्य का निर्माण केवल सरकार और उद्योग जगत का दायित्व नहीं है। समाज की सक्रिय और जागरूक भागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा ही रहेगा। इस अवसर पर अयोध्या के प्रतिनिधि के रूप में आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने अपने सारगर्भित और ओजस्वी वक्तव्य में सरकारी मशीनरी और उसकी कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल उठाए।

समापन समारोह इस पर्व का सबसे भावपूर्ण क्षण था। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने राम मंदिर के निर्माण की यात्रा और अयोध्या के भविष्य पर ऐसा उद्बोधन दिया, जिसने श्रोताओं की आंखें नम कर दीं। कहा कि यह मंदिर केवल पत्थरों की इमारत नहीं है, यह करोड़ों भारतवासियों के संघर्ष, साधना और बलिदान का मूर्त स्वरूप है। सांस्कृतिक राजदूत के रूप में अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह और वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र पांडेय के वक्तव्यों ने इस महायज्ञ को और अधिक अर्थपूर्ण बनाया। राम बहादुर राय के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ इस महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई।

समानांतर सत्रों की शृंखला

तीन दिनों में छह मुख्य सत्रों के अतिरिक्त तीन समानांतर सत्र भी आयोजित हुए। भारतीय भाषा आंदोलन के समर्पित अधिवक्ताओं ने अपने सत्र में यह संकल्प दोहराया कि न्यायालयों में भारतीय भाषाओं की स्थापना का संघर्ष एक व्यापक जनांदोलन का रूप लेगा, जिसके तट पर पितरों के तर्पण और भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त कराने वाली निरंजना-फल्गू रीवर रीचार्ज मिशन के संयोजक संजय सज्जन सिंह के नेतृत्व में हुए सत्र ने पर्यावरण चेतना और नदी संस्कृति के पुनरुद्धार का मार्ग प्रशस्त किया। काव्य गोष्ठी में प्रख्यात कवि बालस्वरूप राही सहित 21 कवियों ने राम के आदर्शों को समकालीन संदर्भों में प्रस्तुत किया।

'अयोध्या पर्व 2026' ने यह सिद्ध किया कि राम केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक पुरुष नहीं हैं, वे भारतीय चेतना का वह केन्द्र-बिन्दु हैं, जिसके इर्द-गिर्द इस देश का सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन आज भी परिक्रमा करता है। जब शबरी की भक्ति और रामकिंकर के दर्शन एक मंच पर जीवित होते हैं, तो अयोध्या केवल एक नगर नहीं रहती-वह एक जीवंत सभ्यता बन जाती है।

सांस्कृतिक संध्याएं: सुरों और भावों में बसे राघव

वैचारिक सत्रों के साथ-साथ तीनों सायंकाल को कला के ऐसे अनुष्ठान हुए, जिन्होंने इस पर्व को एक संपूर्ण उत्सव बना दिया। तीन अप्रैल की संध्या को पंडित डॉ. अभय मानके ने 'गीत रामायण' प्रस्तुत की। मूलत: गोविंद दामोदर माडगुलकर से रचित और सुधीर फड़के से संगीतबद्ध इस विश्वविख्यात मराठी रचना का हिंदी रूपांतर जब मानके जी के स्वरों में गूंजा, तो लगा मानो भाषाओं की सीमाएं मिट गईं और केवल राम का भाव शेष रह गया। चार अप्रैल को माधवी मधुकर के भावपूर्ण गायन ने वातावरण को राममय कर दिया। संस्कृत श्लोकों के साथ हिंदी भजनों की उनकी प्रस्तुति ने माहौल को दैवीय आभा से भर दिया। इसके बाग 'शबरी के राम' नाटक का मंचन हुआ, जिसे प्रेरणा अग्रवाल ने लिखा और नवीन अग्रवाल ने निर्देशित किया। नाटक में शबरी की प्रतीक्षा, उनका प्रेम और राम के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा ने दर्शकों को इतनी गहराई से स्पर्श किया कि अनेक आंखें सजल हो उठीं। पांच अप्रैल की संध्या शुभम, अनुज और मनीष के बांसुरी वादन से आरंभ हुई। उसके बाद सत्रिया केन्द्र गुवाहाटी की नाट्य प्रस्तुति 'श्री राम बिजय' ने पूर्वोत्तर भारत की भक्ति परंपरा के वैभव को दिल्ली के श्रोताओं के समक्ष जीवंत कर दिया। इसे संगीत नाटक अकादमी और संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से प्रस्तुत किया गया था।

प्रदर्शनियां: दृश्यात्मक स्मृतियों का संसार

परिसर में दो विशिष्ट प्रदर्शनियां दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं। चित्रांजलि सोसाइटी जबलपुर से आयोजित प्रदर्शनी में 250 से अधिक चित्रों के माध्यम से अयोध्या की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षणों और भारतीय पर्वों की झलक प्रस्तुत की गई। यह केवल चित्रों का संग्रह नहीं था, यह भारतीय संस्कृति और उसकी उत्सवधर्मिता का एक दृश्यात्मक आख्यान था, जिसे देखते-देखते दर्शकों के मन में अयोध्या का वह अलौकिक क्षण जीवंत हो उठता था, जब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी।

दूसरी प्रदर्शनी पंडित रामकिंकर उपाध्याय के जीवन और साधना को समर्पित थी। यह प्रदर्शनी उन दर्शकों के लिए तो विशेष रूप से बहुमूल्य थी, जो रामकिंकर जी के विचारों से परिचित नहीं थे। उनकी जीवन यात्रा के चित्र, उनके अनमोल पत्र और उनकी डायरी के पन्ने-इन सबको एक साथ प्रस्तुत करने का यह प्रयास किसी एक विद्वान की जीवनी से आगे बढ़कर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की एक पुरातन धारा का स्मरण था।

शबरी के राम : समरसता का उद्घोष

चार अप्रैल को 'शबरी के राम' विषय पर जो सत्र हुआ, वह इस पूरे आयोजन की आत्मा था। यह वह विषय था, जो यह स्मरण कराता है कि भगवान राम का प्रेम किसी जाति, वर्ग अथवा सामाजिक स्थिति की परिधि में नहीं बंधता। एक वनवासी कन्या के जूठे बेर प्रेमपूर्वक स्वीकार करने वाले राम, यही भारतीय समरसता का सबसे उज्ज्वल प्रतिमान है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने इस प्रसंग को वनवासी समाज के आत्मगौरव से जोड़ते हुए कहा कि शबरी की भक्ति यह बताती है कि राम का राज्य वास्तव में सबका राज्य था, वह राज्य जहां न कोई हेय था, न कोई वंचित। इस सत्र में वरिष्ठ लेखक डॉ. विनोद तिवारी, प्रो. कौशल पंवार, डॉ. राजेश पासवान, डॉ. राजीव कुमार वर्मा और डॉ. गुरु प्रकाश पासवान ने भी अपने-अपने दृष्टिकोण से इस विषय को समृद्ध किया। समरसता का यह विमर्श शास्त्रीय नहीं, व्यावहारिक था, यह समाज को तोड़ने वाली जातीय दीवारों को तोड़ने का विनम्र, लेकिन दृढ़ आह्वान था। शबरी और राम के बीच का संबंध केवल भक्त और भगवान का नहीं, बल्कि समाज के हाशिये पर खड़े व्यक्ति और मर्यादा पुरुषोत्तम के बीच उस प्रेम का भी है, जो सारे भेदों को मिटा देता है। इसी दिन सायंकाल 'पं. रामकिंकर उपाध्याय की दृष्टि में रामराज्य' विषय पर एक महत्वपूर्ण सत्र हुआ। पं. रामकिंकर जी इस युग के उन विरले विभूतियों में से थे, जिन्होंने श्रीराम के जीवन-दर्शन को न केवल शास्त्रीय विवेचन से, बल्कि अपनी साधना से भी जिया था। अयोध्या के जानकी जीवन मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष दीदी मां मंदाकिनी ने उनके जीवन और दृष्टि पर ऐसी बातें कहीं, जो उपस्थित सभी लोगों के हृदय को छू गईं। आचार्य कृष्णकांत, मनोज श्रीवास्तव (पूर्व मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश) तथा देवेन्द्र रावत के विचारों को भी दर्शकों ने बड़े ध्यान से सुना।

सेवा और समर्पण

इस विशाल आयोजन के पीछे जो अदृश्य ताना-बाना था, वह भी अपने आप में उल्लेखनीय है। श्री अयोध्या न्यास और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के इस साझा प्रयास को दिल्ली विश्वविद्यालय के सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अपनी नि:स्वार्थ सेवा से सींचा। यह पर्व सबका था और इसमें जो भी आया, उसके तीन समय के भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई।

यह सेवाभाव केवल आयोजन की सुविधाओं तक सीमित नहीं था। कार्यक्रमों की परिकल्पना में, वक्ताओं के चयन में, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की रूपरेखा में- हर स्तर पर एक सूक्ष्म संवेदनशीलता दिखाई दी। यह प्रयास था कि प्रत्येक दर्शक, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आया हो, इस पर्व में अपनेपन का अनुभव करे। यह प्रयास सफल रहा। मजदूर से लेकर उद्योगपति, बालक से लेकर वृद्ध, कलाकार से लेकर प्रशासनिक अधिकारी-समाज का प्रत्येक वर्ग इस पर्व में सम्मिलित हुआ। यह समावेशिता ही 'अयोध्या पर्व 2026' की सबसे बड़ी विशेषता और सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

उपसंहार : एक दीप जो जलता रहेगा

पांच अप्रैल की सायंकाल जब सत्रिया नृत्य की अंतिम प्रस्तुति के साथ 'अयोध्या पर्व 2026' का पट बंद हुआ, तो परिसर में एक अद्भुत मौन छा गया। यह खालीपन का मौन नहीं था, यह तृप्ति का, पूर्णता का मौन था। तीन दिनों तक दिल्ली के इस परिसर में जो ऊर्जा थी, जो भाव था, जो विचार था- वह किसी नियमित आयोजन की स्मृति नहीं बनेगा। वह प्रत्येक हृदय में एक बीज की तरह रोपित हो गया है।

परिसर में अखंड रामायण के पाठ की वह ध्वनि जो तीन दिनों तक अनवरत गूंजती रही, वह इस पर्व के समापन के साथ भले ही थम गई हो, लेकिन जिन हृदयों ने उसे सुना, उनमें वह सदा के लिए अंकित हो गई। 'अयोध्या पर्व 2026' इस बात का प्रमाण है कि अयोध्या केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है, जो राजधानी के मध्य में भी अपना तीर्थ स्थापित कर सकती है।

यह पर्व एक प्रश्न छोड़ जाता है और एक प्रेरणा भी, क्या हम आधुनिकता की दौड़ में अयोध्या की आत्मा को बचाए रख पाएंगे? शायद इसका उत्तर इसी आयोजन ने दे दिया कि जब तक भारत का मन ऐसे पर्वों के माध्यम से अयोध्या से जुड़ता रहेगा, यह नगरी अपना वैशिष्ट्य कभी नहीं खोएगी।

डॉ. मानसी

बी.ए.एम.एस., एम.एस.(जनरल सर्जरी) कंसल्टेंट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर शल्यतंत्र विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली, अनियमित खानपान, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता के कारण पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन्हीं में एक गंभीर और जटिल रोग है अल्सरेटिव कोलाइटिस, जिसे आयुर्वेद में ग्रहणी के एक प्रकार के रूप में समझा जाता है। यह बड़ी आंत की दीर्घकालिक सूजन संबंधी बीमारी है, जो धीरे-धीरे विकसित होकर रोगी के दैनिक जीवन, शारीरिक शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। प्रारंभ में सामान्य दस्त या पेट दर्द जैसा दिखने वाला यह रोग समय के साथ खून वाले दस्त, कमजोरी और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट का कारण बन जाता है।

बदलती जीवनशैली और बढ़ती आंतों की बीमारियां

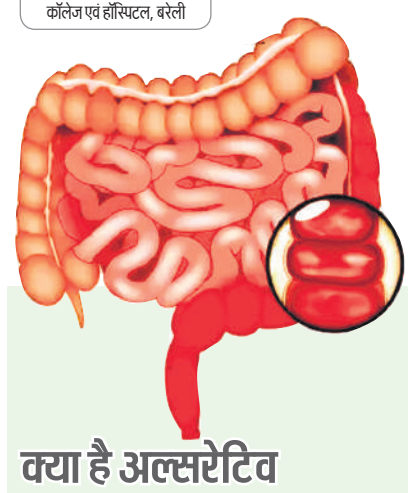

क्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस

अल्सरेटिव कोलाइटिस एक प्रकार की इंफ्लेमेटरी बावेल डिजीज (IBD) है, जिसमें बड़ी आंत और रेक्टम की भीतरी परत में सूजन तथा घाव (अल्सर) बन जाते हैं। इस कारण रोगी को बार-बार दस्त, मल में खून और म्यूकस आना, पेट में दर्द और ऐंठन, मल त्याग के बाद भी अधूरापन महसूस होना, भूख में कमी, वजन घटना, कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं होती हैं। यदि समय पर इसका उचित उपचार न किया जाए, तो यह रोग लंबे समय तक बना रह सकता है और कई जटिलताओं को जन्म दे सकता है।

आधुनिक चिकित्सा पद्धति में इस रोग के नियंत्रण के लिए एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाइयां, स्टेरॉयड्स तथा इम्यूनोसप्रेसेंट्स का उपयोग किया जाता है। ये दवाएं लक्षणों को कुछ समय तक नियंत्रित करने में मदद करती हैं, लेकिन लंबे समय तक इनके सेवन से दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कई बार दवा बंद करते ही रोग दोबारा उभर आता है, जिससे रोगी जीवनभर दवाओं पर निर्भर हो सकता है। यही कारण है कि बहुत से लोग स्थायी और समग्र समाधान के लिए आयुर्वेद की ओर रुख कर रहे हैं।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण: रोग की जड़ तक उपचार

आयुर्वेद में अल्सरेटिव कोलाइटिस को मुख्यतः पित्त-रक्तज अथवा पित्तज ग्रहणी विकार के अंतर्गत देखा जाता है। इस रोग का संबंध पित्त दोष के असंतुलन, रक्त धातु की दूषित अवस्था, अग्नि यानी पाचन शक्ति की कमजोरी तथा मानसिक तनाव से माना जाता है। जब पित्त दोष बढ़ जाता है, तो आंतों की श्लेष्मा परत में जलन, सूजन और घाव बनने लगते हैं, जिससे रक्तस्राव होने लगता है। आयुर्वेद केवल लक्षणों को दबाने का प्रयास नहीं करता, बल्कि दोष संतुलन, अग्नि सुधार, धातु पोषण और क्षतिग्रस्त आंतों की मरम्मत के माध्यम से रोग के जड़ तक उपचार करता है।

तैल तक्र बस्ती: आयुर्वेदिक उपचार का प्रभावी आधार

अल्सरेटिव कोलाइटिस के आयुर्वेदिक उपचार में तैल तक्र बस्ती एक अत्यंत प्रभावशाली पंचकर्म चिकित्सा है। इस प्रक्रिया में औषधीय छाछ (तक्र) और विशेष औषधीय तेल को मिलाकर बस्ती अर्थात एनिमा के रूप में बड़ी आंत में पहुंचाया जाता है। यह द्रव्य सीधे कोलन तक पहुंचकर सूजन वाली परत पर कार्य करता है, आंतों की भीतरी श्लेष्मा परत की मरम्मत को बढ़ावा देता है तथा वात और पित्त दोनों दोषों को संतुलित करता है। इससे सूजन कम होती है, रक्तस्राव नियंत्रित होता है, मल त्याग सामान्य होता है और आंतों को पोषण मिलता है। यह केवल लक्षणों को शांत नहीं करता, बल्कि वास्तविक हीलिंग और पुनर्स्थापन का कार्य करता है।

केस स्टडी: उपचार से मिला नया जीवन

एक 35 वर्षीय महिला रोगी, जो पिछले पांच वर्षों से अल्सरेटिव कोलाइटिस से पीड़ित थीं, उपचार हेतु संस्थान में आईं। उन्हें दिन में 6-8 बार खून वाले दस्त, लगातार पेट दर्द, अत्यधिक कमजोरी, वजन में कमी, मानसिक तनाव और चिंता की समस्या थी। पहले कई उपचार लेने के बावजूद उन्हें स्थायी राहत नहीं मिली। रोगी की प्रकृति, दोष स्थिति और रोग की अवस्था का मूल्यांकन करके तैल तक्र बस्ती, पाचन सुधारक औषधियां, सूजनरोधी हर्बल दवाएं तथा सख्त आहार-विहार निर्देश दिए गए। परिणामस्वरूप 15 दिनों में दस्त और रक्तस्राव में स्पष्ट कमी आई, एक महीने में 90-95 प्रतिशत सुधार हुआ और तीन महीने में रोग लगभग पूर्ण नियंत्रण में आ गया। फॉलोअप में पुनरावृत्ति भी नहीं हुई।

सहायक औषधियां और घरेलू उपाय

तैल तक्र बस्ती के साथ कुछ आयुर्वेदिक औषधियां उपचार को और अधिक प्रभावी बनाती हैं। इसबगोल को ताजी छाछ के साथ लेने से आंतों की सुरक्षा होती है और मल स्थिर रहता है। कच्चा बेल दस्त और सूजन में लाभकारी है। गिलोय तथा शतावरी पित्त संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। मुलेठी और नारियल पानी शीतलता प्रदान करते हैं तथा आंतों की क्षति भरने में मदद करते हैं। नागकेसर रक्तस्राव रोकने में उपयोगी माना जाता है।

आहार और जीवनशैली की भूमिका

इस रोग में केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। यदि जीवनशैली में सुधार न किया जाए, तो रोग दोबारा उभर सकता है। रोगी को हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे मूंग दाल, खिचड़ी और छाछ लेना चाहिए। पर्याप्त नींद, नियमित दिनचर्या, योग, ध्यान और प्राणायाम मानसिक तनाव कम करने में मदद करते हैं। दूसरी ओर मसालेदार, तला, खट्टा भोजन, चाय, कॉफी, फास्ट फूड, देर रात जागना और अनियमित भोजन से बचना चाहिए। कई रोगियों को दूध एवं कुछ डेयरी उत्पादों से भी परहेज करना लाभकारी रहता है।

आयुर्वेद क्यों देता है दीर्घकालिक राहत

आयुर्वेद का दृष्टिकोण समग्र है। यह केवल रोग के लक्षणों को नहीं देखता, बल्कि पूरे शरीर, पाचन शक्ति, मानसिक स्थिति और जीवनशैली को संतुलित करने का प्रयास करता है। जब सूजन जड़ से नियंत्रित होती है, आंतों की परत पुनः स्वस्थ होती है और पाचन शक्ति मजबूत होती है, तब रोग की पुनरावृत्ति की संभावना कम हो जाती है। यही कारण है कि आयुर्वेद कई रोगियों को दीर्घकालिक राहत देने में सक्षम सिद्ध होता है।

अल्सरेटिव कोलाइटिस केवल पाचन तंत्र का रोग नहीं, बल्कि शरीर, मन और जीवनशैली से जुड़ा एक जटिल विकार है। तैल तक्र बस्ती इस रोग के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह सीधे रोग स्थान पर कार्य करती है, सूजन और रक्तस्राव को नियंत्रित करती है, आंतों को पुनर्जीवित करती है और लंबे समय तक राहत प्रदान करती है। सही समय पर निदान, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, संतुलित आहार, अनुशासित जीवनशैली और उचित आयुर्वेदिक उपचार के माध्यम से इस रोग को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे रोगी स्वस्थ और सामान्य जीवन जी सकता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल अल्सरेटिव कोलाइटिस (रक्तातिसार) जैसे जटिल पाचन तंत्र संबंधी रोगों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान में आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित समग्र चिकित्सा पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें रोग के केवल लक्षणों को नियंत्रित करने के बजाय उसके मूल कारणों तक पहुंचकर उपचार किया जाता है। अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगी की प्रकृति, दोष स्थिति, पाचन शक्ति तथा रोग की गंभीरता का विस्तृत मूल्यांकन कर व्यक्तिगत उपचार योजना बनाई जाती है।

संस्थान में पंचकर्म चिकित्सा, विशेष रूप से तैल तक्र बस्ती जैसी उन्नत आयुर्वेदिक प्रक्रियाओं का सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से संचालन किया जाता है, जिससे अल्सरेटिव कोलाइटिस जैसे रोगों में प्रभावी परिणाम प्राप्त होते हैं। इसके साथ ही पाचन सुधारक औषधियां, सूजनरोधी हर्बल उपचार, आहार परामर्श तथा जीवनशैली प्रबंधन भी रोगी की आवश्यकतानुसार दिया जाता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि जनजागरूकता बढ़ाने में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। स्वास्थ्य शिविरों, परामर्श कार्यक्रमों, लेखों तथा जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को पाचन स्वास्थ्य, संतुलित आहार, तनाव प्रबंधन और आयुर्वेदिक जीवनशैली के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त संस्थान शोध एवं क्लीनिकल अनुभवों के माध्यम से यह प्रमाणित करने का प्रयास कर रहा है कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति दीर्घकालिक रोगों में प्रभावी, सुरक्षित और जीवन की गुणवत्ता सुधारने वाली हो सकती है। इस प्रकार रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रोगियों को न केवल उपचार प्रदान कर रहा है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में मार्गदर्शन देकर समाज के स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कद्दू के बीज: छोटे दाने बड़े स्वास्थ्य लाभ

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में लोग ऐसे आहार की तलाश में रहते हैं, जो कम मात्रा में अधिक पोषण दे सके। ऐसे में कद्दू के बीज एक सुपरफूड के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आकार में छोटे, लेकिन गुणों में अत्यंत समृद्ध ये बीज शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। आधुनिक पोषण विज्ञान भी मानता है कि संतुलित आहार में बीजों और नट्स का समावेश स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। कद्दू के बीज न केवल शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखने में सहायक होते हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए यह एक प्राकृतिक और सरल पोषण स्रोत है, जिसे दैनिक आहार में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

अनामिका शुक्ला

लेखिका

कद्दू के बीज का सेवन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, फाइबर, आयरन, जिंक और विटामिन-ई जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। नियमित सेवन से न केवल शरीर सक्रिय रहता है, बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचाव होता है।

इम्यूनिटी के लिए लाभप्रद

कद्दू के बीज रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होते हैं। इनमें मौजूद विटामिन ई और जिंक शरीर को बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की शक्ति देते हैं। इसके नियमित सेवन से शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली मजबूत होती है।

जोड़ों के दर्द में राहत

इन बीजों में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इससे जोड़ों के दर्द और अन्य सूजन से संबंधित समस्याओं में राहत मिल सकती है।

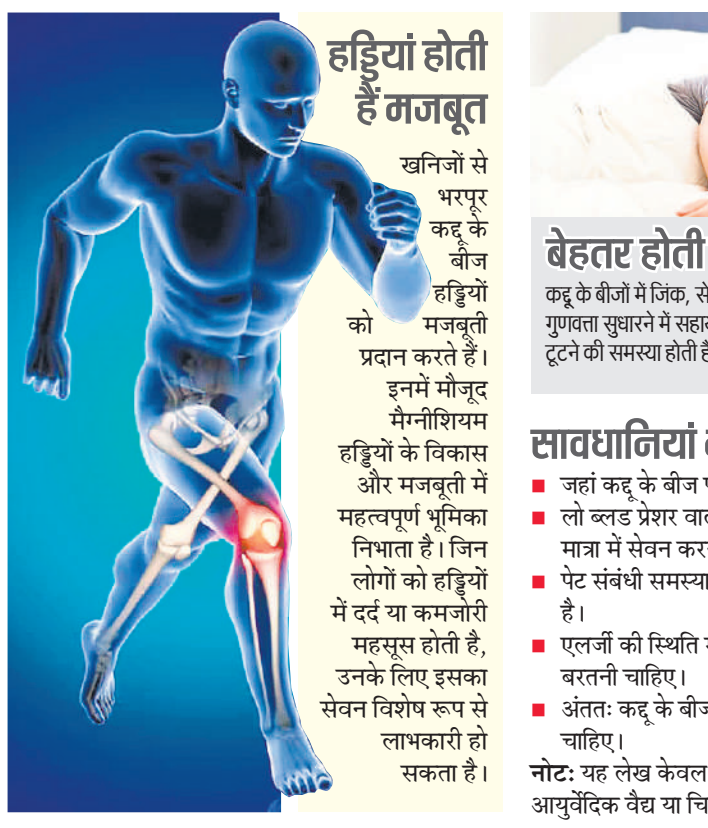

हड्डियां होती हैं मजबूत

खनिजों से भरपूर कद्दू के बीज हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों के विकास और मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिन लोगों को हड्डियों में दर्द या कमजोरी महसूस होती है, उनके लिए इसका सेवन विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है।

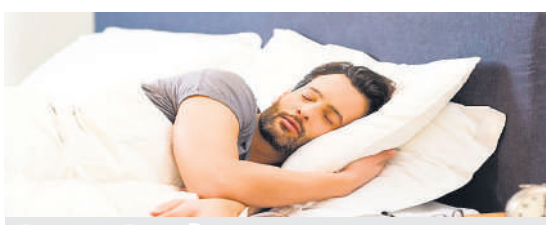

बेहतर होती है नींद

कद्दू के बीजों में जिंक, सेलेनियम और कॉपर जैसे तत्व होते हैं, जो नींद की गुणवत्ता सुधारने में सहायक होते हैं। जिन लोगों को अनिद्रा या बार-बार नींद टूटने की समस्या होती है, उनके लिए यह फायदेमंद हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए लाभकारी

मैग्नीशियम से भरपूर होने के कारण यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है।

सावधानियां भी जरूरी

- जहां कद्दू के बीज फायदेमंद हैं, वहीं कुछ स्थितियों में सावधानी जरूरी है।
- लो ब्लड प्रेशर वाले लोग: यह बीज ब्लड प्रेशर को कम कर सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों को सीमित मात्रा में सेवन करना चाहिए।
- पेट संबंधी समस्याएं: अधिक मात्रा में सेवन करने से गैस, अपच और पेट फूलने की समस्या हो सकती है।
- एलर्जी की स्थिति में: यदि किसी को एलर्जी की समस्या है, तो इसका सेवन करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।
- अंततः कद्दू के बीज स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, लेकिन इनका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

नोट: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से है। कद्दू के बीज का नियमित सेवन करने से पहले आयुर्वेदिक वैद्य या चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष

यह सप्ताह भी शुभता और सौभाग्य लिए रहने वाला है, लेकिन अच्छे कार्यों को अधिक से अधिक हासिल करने के लिए आपको जोश में आकर होश खोने से बचना चाहिए। आपको अपने काम बेहतर तरीके से करने का प्रयास करना चाहिए।

वृष

इस सप्ताह करियर और कारोबार में आगे बढ़ने के बड़े अवसर हाथ लग सकते हैं। आपको मेहनत और प्रयास का पूरा फल प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से किसी विषय को लेकर बड़ा निर्णय लेने को सोच रहे थे, तो अब समय आ गया है कि अपने कदम आगे बढ़ा दीजिए क्योंकि परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

मिथुन

इस सप्ताह आपको दूसरों पर आंख मूंदकर विश्वास करने से बचना चाहिए अन्यथा आर्थिक नुकसान और अपमान झेलना पड़ सकता है। सप्ताह में अचानक से कुछ बड़ी जिम्मेदारी सिर पर आ सकती है, जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा।

कर्क

इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किस्मत का साथ मिलने पर आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे, जिससे आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा देखने को मिलेगी।

सिंह

यह सप्ताह विदेश से जुड़े काम करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सेहत, संबंध और कामकाज की दृष्टि से शुभ रहने वाला है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार हैं, तो इस सप्ताह आपको मनचाहा काम मिल सकता है। आप जीवन में आने वाले शुभ अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे।

कन्या

इस सप्ताह आप अपने कामकाज आदि को लेकर अधिक सक्रिय और उर्जावान बने रहेंगे। इस दौरान आपका पूरा फोकस अपने करियर-कारोबार को आगे बढ़ाने पर रहेगा। साझेदारी में व्यवसाय करने वालों के लिए समय शुभ है। उनके लिए सकारात्मक बदलाव की संभावना बन रही है।

तुला

यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह सावधानी हटी, दुर्घटना घटी स्लोगन हर समय याद रखना होगा। शुरुआत में आवेश में आकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। आपको दूसरों के भरोसे रहने के बजाय स्वयं अपनी चीजों को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए।

वृश्चिक

इस सप्ताह नया नौ दिन, पुराना सौ दिन कहावत याद रखनी चाहिए, क्योंकि यदि आपने नए लोगों के चक्कर में पुराने संबंधों को इग्नोर करने की कोशिश की तो आप दोनों से हाथ धो बैठेंगे। आपकी महत्वाकांक्षा काफी बढ़ी रहेगी। कामकाज के सिलसिले में आप जोड़-तोड़ या फिर कहें तिकड़म का सहारा ले सकते हैं।

धनु

यह सप्ताह लंबे समय से चली आ रही किसी बड़ी समस्या के समाधान का कारण बनेगा। इस सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपके लिए यह सप्ताह कोई बड़ी खुशखबरी लेकर आ सकता है।

मकर

यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। इस सप्ताह जातकों को किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। यदि आप व्यवसायी हैं, तो धन का लेनदेन बेहद सावधानी के साथ करें। सप्ताह की शुरुआत में कारोबार में लाभ होगा, लेकिन उसके मुकाबले व्यय की अधिकता रहेगी। आप जीवन में आने वाले शुभ अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे।

कुंभ

इस सप्ताह की शुरुआत में समय आपके पक्ष में रहने वाला है। इस दौरान आपको कामकाज में अनुकूलता बनी रहेगी। रोजी-रोजगार के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर अधिक धन खर्च होगा। भूमि-भवन और वाहन आदि का सुख मिल सकता है।

मीन

इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप बेरोजगार हैं, तो आपको मनचाहा रोजगार मिल सकता है। सप्ताह का पूर्वार्ध उत्तरार्ध के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभता और लाभ लिए रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने करियर-कारोबार से जुड़े फैसले इसी दौरान लेने का प्रयास करना चाहिए।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 54

	16	17	14			6	4
23	9			16	8 3		
42					5		
			4 6				
		7					
	17	13 5			4	6	8
29				1			
16				6			

काकुरो 53 का हल

	17	22	24			
24	8	7	9	16		
29	9	5	8	7	23	
	28 3	4	7	9	8	10
3	1	2		14	5	9
5	2	3	5	9 3	2	1
	10	1	3	2	4	3
		10	2	4	3	1
			6	3	1	2

कहानी

चौथा कर्मी

प्रेमशंकर के पड़ोसी थे-उग्रकुमार। दो-के-दोनों अपने नाम के बिल्कुल विपरीत स्वभाव वाले। प्रेमशंकर बेहद झगड़ालू, हथछुट एवं संस्कारहीन, वहीं उग्रकुमार शिष्ट, सीधे एवं मृदुभाषी। हुआ यह कि एक दिन आंधी का एक तेज झोंका आया और कॉलोनी में बिजली की सप्लाई बाधित हो गई। मौसम ठीक हुआ तो विद्युत-सेवा तो बहाल हुई, लेकिन इन दोनों के यहां बिजली नहीं आई। जुलाई की कष्टकारी चिपचिपी गरमी वाले महीने में बिना बिजली के रिहाइश होती भी कैसे! उग्रकुमार बाकायदा पावर-हाउस जाकर शिकायत दर्ज करा आए थे, लेकिन दो घंटे के बीत जाने तक कोई प्रगति नहीं थी। फोन करने पर बताया गया कि कर्मचारी कम हैं, समय लगेगा। प्रेमशंकर घर पर थे नहीं। जैसे ही आए, पता चला बिजली नहीं है। उन्होंने तुरंत पावर-हाउस को फोन मिलाया। आंधी के बाद पावर-हाउस को एक बार में फोन लग जाए, यह नामुकिन ही होता है। प्रेमशंकर का भी फोन नहीं लगा। जद्-बद् दो-चार गालियां बकते हुए दुबारा फोन किया। कॉल उधर से रिसीव हुई। क्रोध में आर्डर देते हुए बोले- "सुनो! जानकीनगर कॉलोनी में पोल नंबर सात से मेरा कनेक्शन है। पोल से आधे मुझे फॉल्ट है। तत्काल ठीक करवाओ। घंटे बाद तक काम नहीं हुआ, तो वहीं आकर तुम्हें ठीक करना पड़ेगा, समझे?"

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

उधर से आवाज आई- "जी, तुरंत ठीक करवाता हूं।" दस मिनट में ही सीढ़ी लिए लाइनमैन और बिजली विभाग के लोग आ गए। कनेक्शन-फॉल्ट ठीक करके प्रेमशंकर के गेट पर कॉल-बेल बजाकर कर्मचारी ने पूछा, "साहब! लाइट आ गई?" अंदर से आवाज आई थी- "हां।" उनके घर से कोई बाहर झांकने भी नहीं आया था।

इधर उग्रकुमार, जब से बिजली वाले आए थे, तब से वहीं लगे रहे। अपने घर से पेठा और ठंडा पानी भी लाकर दिए। और-तो-और चलते समय लाइनमैन को दो सौ रुपये भी यह कहते हुए दिए कि उनकी ओर से वे चाय पी लेवें।

लगभग तीन महीने बाद एक दिन शाम को उग्रकुमार के यहां की बिजली फिर गुल थी। इस बार न आंधी आई थी, न हवा का झोंका। उस समय उनके बेटे की बोर्ड की परीक्षा हो रही थी। उग्रकुमार भागकर पावर-हाउस गए थे। शिकायत दर्ज कर बेटे की परीक्षा का हवाला देकर आए थे, बिजली वाले ठीक तीन घंटे बाद आए थे। पोल से ही तार में कार्बन के कारण लाइन बाधित थी। इस बार उग्र ने उन्हें कोल्डड्रिंक पिलाई थी और चलते समय वाला शिष्टाचार तो किया ही। बिजलीकर्मी उनसे बहुत प्रसन्न रहते थे।

साल बीतते-बीतते एक बार फिर उग्र जी के यहां की बिजली बाधित हुई। पूरी कॉलोनी जगमग, उनके घर घुप्प अंधेरा। फिर वही प्रक्रिया। उग्र जी ने मन-ही-मन ईश्वर से कहा- "भगवन! ऐसा क्यों है? बिजली महारानी पूरी कॉलोनी में सबसे अधिक मेरे ऊपर ही क्यों मेहरबान हैं?"

भले ही साल-भर के अंदर ही उनके यहां यह दुर्योग तीसरी बार था, लेकिन इस बार भी उन्होंने शिष्टाचार में कोई कोर-कसर नहीं रहने दी थी। मौसम ठंडी का था। अतः घर से ही बनवाकर स्पेशल चाय पिलायी थी उन्होंने। चाय का कप लेकर जब वे घर में जा रहे थे, तभी उन्हें लगा कि बिजलीकर्मी उनकी ही प्रशंसा में कुछ कह रहे थे। इसलिए वे अपने गेट की आड़ में रुककर उनकी बातें सुनने लगे।

सीढ़ी ढोने वाले एक कर्मी ने कहा-"साहब का स्वभाव बहुत अच्छा है।" इस पर दूसरे ने कहा- "स्वभाव तो अच्छा है, लेकिन इस कॉलोनी में परेशान भी सबसे ज्यादा यही हुए हैं।" यह सुनकर लाइनमैन बोला- "क्या चाहते हो इनके पड़ोसी की लाइट तीसरे महीने खराब हो, ताकि प्रसाद भी पा जाओ?" पहले ने जिज्ञासावश लाइनमैन से पूछा- "मतलब यह भी तुम्हारे हाथ में है?" लाइनमैन ने रहस्यमय मुस्कान के साथ अपने साथियों की ओर देखा और बोला- "और नहीं तो क्या! इनका पड़ोसी बहुत हथछुट है। सुनते हैं कि इंजीनियर साहब को भी एक बार मजा चखा चुका है। इसीलिए मैंने उसका कनेक्शन बहुत सावधानीपूर्वक किया था। दो-तीन साल की छुट्टी है।" इसी बीच दूसरे कर्मी ने पूछा- "और इनका?" लाइनमैन आगे बोला-" यह साहब बड़े नेकदिल हैं। इनका कनेक्शन प्यार से करता हूं, कसकर नहीं। ऐसे लोग समाज में कम हैं। चाय-पानी कौन कहे, लोग ढंग से बात भी तो करते नहीं!" ये बातें सुनकर चौथा कर्मी बोला-"क्या नेकदिल और शिष्टाचारी व्यक्ति का काम ठीक से नहीं किया जाना चाहिए? अगले कुछ मिनट कर्मीगण और उग्रकुमार अपने-अपने व्यवहार की समीक्षा में व्यस्त दिखे थे। सुधार के लिए समीक्षा आवश्यक है और समीक्षा के लिए चौथे कर्मी। चिंता है- समाज में यह 'चौथा कर्मी' विलुप्त हो रहा है।

काव्य

युद्ध

युद्ध सदा देता हमें,
गहरे त्रासद घाव।
शांति अथवा युद्ध में,
करिए उचित चुनाव।
आम नागरिक झेलते,
महायुद्ध का दंश।
होते सैनिक हताहत,
कई डूबते वंश।

महायुद्ध की आग में,
झुलस रहा संसार।
पर्यावरण विनाश से,
चहुंदिश हाहाकार।
सृजन, शांति, समृद्धि को,
युद्ध ले रहे लील।
मानवता के पक्षधर,
हों संवेदनशील।

हमें डराता युद्ध
भय, छीन ले रहा चैन।
पीड़ा के दु:स्वप्न ही,
सता रहे दिन-रैन।
ड्रोन, मिसाइल, बमों से,
चले युद्ध का खेल।
धनी, घमंडी देश के, डाले
कौन नकेल।

ऊर्जा संकट बढ़ गया,
महंगाई की मार।
महाशक्तियां युद्ध में,
करतीं नरसंहार।

टूटे घर, उजड़े शहर, बिखर
गए परिवार।
जीत-हार को स्वप्नवत,
युद्ध करे स्वीकार।

समझौता, संवाद से,
होते युद्ध समाप्त।
प्रेम-शांति संतुलन ही,
कण-कण में है व्याप्त।
दुष्टों के संहार हित,
आवश्यक है युद्ध।
संकट हो जब देश पर,
उचित न बनना बुद्ध।

हों न चिरस्थायी कभी,
परम शत्रु या मित्र।
अहंकार के नाम पर,
बदले चाल-चरित्र।
युद्ध समस्या का कभी,
होता नहीं निदान।
हार-जीत के चक्र में,
महाध्वंश प्रतिमान।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

तो हुए तरल

फिर आंखों में सपने सारे
हुए सजल,
पल भर में ही रिश्ते सारे, गए बदल।
नजरें नजरों से, कतराकर दूर हुईं, शंकाएं चेहरों पर, घिर मगरुर हुईं,
अवसादों में डूबे मन, तो हुए तरल।
बातों बातों में मन का सच,
निकल गया।
बहुत तेज चढ़ने में ही तो,
फिसल गया।
संवादों से गई मनों की
बर्फ पिघल, जीवन जीना भी
अजीब सा लगता है।

हर कोई अब मानों खुद को,
छलता है।
सोच रहा था कैसा होगा
जानें कल?

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

नया इतिहास बनाते हैं

धोखा मिला तो दिल टूटा
आंखों ने चुपचाप कहा बस
अब और नहीं
पर अंदर कहीं एक आवाज थी
ये अंत नहीं ये तो एक
शुरुआत है
पैसे के पीछे भागे लोग,
अपनों को जाने कब छोड़ गए
जो साथ निभाने की कसमें
खाई थीं
वो सब शब्दों में तोड़ गए
मैं गिरा जरूर था उस दिन
पर टूटा कभी बिल्कुल नहीं
धोखे ने मुझे सिखा दिया
भरोसा सब पर करना नहीं
अब मेहनत मेरी पहचान है
सच्चाई हमेशा मेरे साथ है
धीरे-धीरे ही सही मगर
अब खुद पर ही विश्वास है
पैसा आए तो सिर न झुके
जाए तो कभी दिल न रोए
जिसके पास आत्मसम्मान
हो
वो हर हाल में ख्वाब संजोए
धोखा देने वाले शायद
आज चैन से सो जाते हों
पर सच्चाई की राह चलने
वाले ही
एक दिन नया इतिहास
बनाते हैं।

वर्षा वार्ष्णेय
कवयित्री, अलीगढ़

लघुकथा

अपना-अपना हिस्सा

यह बात बहुत पुरानी है। एक गरीब किसान खेती-बारी करके अपना गुजर-बसर करता था। उसके खेत की मिट्टी बहुत उर्वर थी। उसमें सब कुछ उगाया जा सकता था। खेत में हरी-भरी फसल लहरा रही थी। किसान रोज खेत की रखवाली करता था। एक दिन अचानक पता नहीं कहां से एक दैत्य आ गया। वह पौधे उखाड़-उखाड़ कर फेंकने लगा। किसान चिल्लाता रहा, किंतु उसने कुछ न सुना। कुछ ही देर में पूरी फसल नष्ट कर दी। किसान ने पूछा, "तुम ऐसा क्यों कर रहे हो!" उसने कहा, "इस खेत की फसल में मुझे आधा हिस्सा चाहिए।" किसान ने कहा, "अगर आधा हिस्सा न दूंगा तो क्या करोगे?" दैत्य ने कहा, "मैं तुम्हारे खेत की फसल नष्ट कर दूंगा। भलाई इसी में है कि मुझे मेरा हिस्सा देते रहना, वरना।" उसने बड़ा-सा मुंह फैलाकर भयानक गर्जना की।

किसान डर गया। वह थोड़ी देर माथा पकड़कर बैठा रहा। दिल धुक-धुक कर रहा था। पर हिम्मत बांधकर पूछा, "तुम फसल का कौन-सा हिस्सा लोगे?" दैत्य ने कहा, "क्या? क्या मतलब ?" किसान बोला, " फसल के ऊपर का हिस्सा लोगे या जमीन के नीचे का।" दैत्य बोला, "मुझे ऊपर का हिस्सा चाहिए।" "अपनी बात से फिर बदलोगे तो नहीं।" किसान ने पूछा। "जुबान पलटने का काम इंसान करते हैं। मैं अपनी बात पर सदैव कायम रहूंगा।" दैत्य ने कहा, "खेत की रखवाली भी करूंगा।" किसान ने कहा, "ठीक है। मैं तुम्हें फसल के ऊपर का हिस्सा दे दूंगा।" "ठीक है।" दैत्य इतना कहकर चला गया।

राम नरेश 'उज्ज्वल'
लखनऊ

किसान ने अपने घर में विचार करके खेत में आलू बोने का फैसला किया। पूरे परिवार ने मिलकर आलू बो दिया। फसल तैयार होने पर किसान ने जमीन के नीचे का हिस्सा खोदकर आलू निकाल लिया। आलू घर पर पहुंचा दिया। दैत्य आलू के पत्ते पाकर बहुत क्रोधित हुआ, किंतु उसे अपना वादा याद आ गया। उसने किसान से कहा, "इस बार मैं फसल के नीचे का हिस्सा लूंगा।" किसान ने कहा, "ठीक है। तुम जमीन के नीचे की फसल ले लेना। मैं ऊपर का हिस्सा ले लूंगा।"

अगली फसल किसान ने गेहूं की बो दी। फसल तैयार होने पर किसान ने जमीन के ऊपर की फसल काट ली। दैत्य से कहा, "तुम जमीन के नीचे की फसल ले लो।"

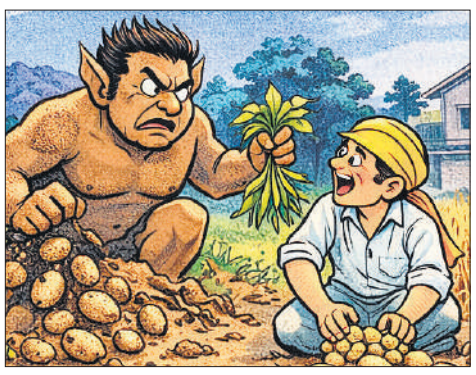

दैत्य ने जमीन खोदी। उसमें सिर्फ जड़ें निकलीं। वह क्रोधित होकर बोला, "सुन इस बार मैं जमीन के नीचे और ऊपर की दोनों फसलें लूंगा। अब तुम्हारी चालाकी नहीं चलेगी।" किसान ने कहा, "ठीक है, जमीन के ऊपर और नीचे की फसल तुम्हारी रहेगी। बीच का हिस्सा मैं ले लूंगा।"

दैत्य ने कहा, "ठीक है।" इस बार फिर किसान ने अपने बच्चों से विचार-विमर्श किया। बच्चों ने मक्का लगाने की सलाह दी। किसान ने मक्का बो दिया। जब मक्का तैयार हुआ, तब किसान ने पौधे के बीच के हिस्से से मक्का यानी भुट्टा तुड़वा लिया। दैत्य से कहा, "तुम नीचे और ऊपर का भाग ले जाओ। मैंने अपना हिस्सा ले लिया।"

दैत्य ने जमीन खोदा, पर उसमें जड़ के सिवा कुछ न निकला। मक्के के ऊपर के हिस्से से भी उसे कुछ न मिला। दैत्य ने किसान को तेज आवाज देकर बुलाया। "जी हां" किसान दैत्य के पास गया। दैत्य बहुत जोर से हंसने लगा, "हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा हा.." किसान सहम गया। वह डर से कांपने लगा। "हे ईश्वर रक्षा करो।" किसान ने मन ही मन भगवान से विनती की।

"तुम बहुत चालाक हो।" दैत्य ने कड़क आवाज़ में कहा। "जी, नहीं।" किसान ने कहा, "तुम्हें जो चाहिए, वो ले लो। मैं रोकूंगा नहीं।" दैत्य फिर डरावनी हंसी हंसने लगा। उसने किसान को हाथ से ऊपर टांग दिया। किसान ने सोचा, "लगता है आज यह मेरी जान ले लेगा।" दैत्य ने कहा, "बहुत अच्छे। बहुत तेज दिमाग है तुम्हारा।" किसान ने सहमकर कहा, "मुझे माफ कर दो। तुम मेरे घर से जो चाहो ले लो।" "मुझे कुछ नहीं चाहिए।" दैत्य बोला। किसान ने कहा, "तो क्या मेरी जान लोगे?" दैत्य ने किसान को नीचे उतार दिया। कहा, "मुझे तुम्हारी जान नहीं चाहिए। तुम एक निडर, साहसी एवं समझदार किसान हो। तुमने अपने बच्चों के पालन के लिए सही तरकीब लगाई। मैं तुमसे प्रसन्न हूं।" "क्या!" किसान के मुख से अनायास निकल गया। "हां, अब मैं यहां से जा रहा हूं। तुम आराम से अपनी खेती करो।" इतना कहकर दैत्य चला गया और किसान आश्चर्यचकित खड़ा रह गया।

व्यंग्य

शर्मा जी का अंडरवियर

शर्मा और शर्माइन की जुगलबंदी ऐसी थी कि तेरे संग रहा न जाए और तेरे बिन भी रहा न जाए। दिन भर एक दूसरे के ऊपर तुनकना, कोई रूठ जाए तो फिर मनाना और फिर एक हो जाना। उनकी गृहस्थी की गाड़ी कभी दो पहियों के सहारे तो कभी चार पहियों के सहारे खट्टी मीठी चल रही थी।

शर्मा जी ठहरे थोड़ा कंजूस प्रवृति के और शर्माइन ठहरी खुलकर खर्च करने वाली और यही वजह थी दोनों की आपसी नोक झोंक की। अक्सर शर्माइन राजधानी एक्सप्रेस की तरह दौड़ने के चक्कर में अपनी बालकनी में जब साड़ियां सूखने के लिए डालती थी, तो चिमटी लगाना भूल जाती थी इसी हड़बड़ी में कई बार साड़ी और दूसरे कपड़े नीचे वाले पड़ोसी की बालकनी मे गिर जाते थे, जिसे लेने के लिए शर्मा जी को अक्सर नीचे जाना पड़ता था।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

खैर वह भी कोई बात नहीं, परेशानी तो तब होती थी, जब शर्माइन के सूट या साड़ी का कोई जोड़ा आंधी में उड़कर दूर खंबे में लटक जाता था, जिसे पूरा मोहल्ला घूम-घूम कर निहारता था और पूछता था शर्मा जी तुम्हारी पत्नी के कपड़े पैदल चल चलकर कितनी दूरी तय कर लेते हैं।

शर्मा जी द्वारा कपड़े वापस लाने पर शर्माइन बोलती थी अरे यह मेरा नहीं है किसी काम वाली का होगा। शर्मा जी बोलते थे तुम्हारा ही है। वापस क्यों नहीं लेती हो। शर्माइन गुस्से में फट पड़ती कि जब कपड़ा आंधी में उड़कर चला ही गया तो उसे वापस लेने का कोई औचित्य नहीं है। शर्मा जी हम दूसरा ले लेंगे। शर्मा जी बोलते अरे भाग्यवान पैसे क्या पेड़ पर उगते हैं, तो शर्माइन बोली पैसे तो पेड़ पर फिर भी उग जाएंगे क्या इज्जत पेड़ पर उगती है। शर्मा जी शर्माइन के तर्कों के आगे बेबस हो जाते।

खैर एक दिन शर्माइन ने बालकनी में शर्मा जी का अंडरवियर सूखने के लिए डाला, जो चिमटी न लगाए जाने के कारण खो गया। खैर वो शर्मा जी का अंडरवियर ठहरा तो उसकी ढूंढ तो मचनी ही थी। शर्माइन ने कहा अरे दूसरा ले लो, शर्मा जी ने कहा नहीं उसे ही ढूंढना पड़ेगा, पैसे पेड़ पर नहीं उगते हैं। शर्मा जी नीचे पड़ोसन के घर गए और बोले आपकी बालकनी में मेरा अंडरवियर आया है क्या? पड़ोसन बोले शर्मा जी शर्म नहीं आती है आपको, एक तो गलती ऊपर से बेशर्मी। कम से कम मेरे पति के आने का ही इंतजार कर लेते। और आया होता तो मैं क्या दीवार पर नहीं टांग देती? कोई दूसरे का अंडरवियर अपने घर पर रखेगा क्या?

शर्मा जी का अंडरवियर खो चुका था। हद तो तब हो गई, जब एक दिन पड़ोस मे एक बंदर उनका अंडरवियर पहनकर अलग-अलग बिल्डिंग में कूद फांद करने लगा। मोहल्ले भर के लोगों को अब मुफ्त का तमाशा मिल गया, चलते फिरते लगे टोकते, अरे शर्मा जी आज तक तो आपकी पत्नी के कपड़े उड़कर केवल खंबे तक जाते थे और आज तो आपका अंडरवियर बंदर पहने घूम रहा है। ऐसा कीजिए आप इसे वापस ले लीजिए हम मदद करते है। शर्मा जी बोले क्या इसमें लिखा है यह मेरा अंडरवियर है।

शर्मा जी मुंह छुपाते-छुपाते घर तक आ गए और सारा वाक्या अपनी पत्नी को बताया तो पत्नी ने तंज कसा की वापस क्यों नहीं लेकर आए, अगर खंबे से मेरी साड़ी उतारकर ला सकते हैं तो ये क्यों नहीं? शर्मा जी बोले भाग्यवान कुछ तो शर्म करो इज्जत का फालूदा निकालोगी क्या? खैर यह तो एक वाक्या हुआ। एक दिन शर्मा जी रोजमर्रा की दुकान से जो अंडरवियर लाए वो साइज में दो नंबर कम था। शर्मा जी ने अंडरवियर पहन लिया और अंडरवियर मशीन में धुल गया। पहनने के बाद शर्मा जी को लगा यह तो टाइट है, तो उन्होंने उसे पुराने अंडरवियर से नापा जो 2 इंच छोटा था। शर्मा जी ने शर्माइन को बोला चलो इस अंडरवियर को वापस करने।

शर्माइन बोली शर्मा जी अंडरवियर कौन वापिस करता है, वह भी पहना हुआ। शर्मा जी ने बोला हम करेंगे ना वापस। शर्माइन बोली शर्म बाकी है मुझ में। आप चले जाओ मैं नहीं जाऊंगी।

शर्मा जी की दुकान में गए और बिफरते हुए बोले कि आप लोगों को बेवकूफ बनाते हो। अंडरवियर तो टाइट आया है, जो नंबर बोला था आपने उसे दो नंबर कम दिया है। दुकानदार ने समझदारी दिखाते हुए बिना कुछ कहे, उनको नया अंडरवियर दे दिया। खैर शर्मा की खुशी-खुशी घर वापस आ गए जैसे बहुत बड़ा किला फतह कर लिया हो। शर्माइन को बहुत गुस्सा आया। शर्मा इन बोली न वापस करने वाले को शर्म और न लेने वाले को शर्म। अब बच्चे शर्मा जी और शर्माइन की चिलमपो से बहुत परेशान हो चुके थे। बेटा बोला मम्मी तुम्हारी आदत भी गंदी है दौड़-भाग के चक्कर में कपड़ों में चिमटी नहीं लगती हो, जिससे पूरे मोहल्ले में जगहंसाही होती है और पापा आपकी कंजूसी और सामान वापस करने की आदत से हमारा बाहर जाना मुश्किल हो गया है। शर्मा और शर्माइन अब एक हो गए और बच्चों पर बरसते हुए बोले तुम्हें मालूम नहीं है कि तुम्हारी मां उत्तर भारतीय बिल्कुल बेफिक्र और मैं दक्षिण भारतीय सोच समझकर चलने वाला और तुम हाइब्रिड बच्चे हो तुम्हें भी हमारे रंग में रंग जाना चाहिए था। तुम उल्टा हमें ही सुना रहे हो। घोर कलयुग है। बच्चे मां-बाप को समझाने लग गए हैं। हम लड़ते नहीं हैं। हम यह तो घर के माहौल को हल्का-फुल्का बनाए रखने के लिए खट्टी-मीठी नोकझोंक है।

समीक्षा मानवीयता की पक्षधर लघुकथाएं

युवा साहित्यकार अतुल मिश्र की पहली कृति 'लज्जाबोध' लघुकथा संग्रह के रूप में हाल ही में प्रकाशित हुई है। अपने तेवर, उद्देश्यपरकता और प्रभावोत्पादकता के कारण इनमें से कई को सहज ही श्रेष्ठ लघुकथाओं की श्रेणी में रखा जा सकता है। संग्रह में कुल बीस लघुकथाएं हैं। पहली लघुकथा 'जीवन प्रमाण' से ही लेखक के सामाजिक सरोकारों का आभास हो जाता है। लघुकथा में दो स्थितियां हैं। एक पशु से संबंधित है, तो दूसरी मनुष्य से। दोनों ही स्थितियों में आश्चर्यजनक समानता है। स्वार्थी इंसान के लिए पशु और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। दोनों ही उसके लिए समान रूप से केवल 'आय' का साधन हैं। छोटी खुशी शक्तिशाली व्यक्ति के अन्याय के खिलाफ दुर्बल व्यक्ति द्वारा किए गए प्रतिरोध से उसके मन में उत्पन्न आनंद की अभिव्यक्ति है। 'सत्संग' में समाज में व्याप्त अंधविश्वासों का चित्रण है। लघुकथा के शिल्प के प्रति लेखक की सजगता प्रशंसनीय है। कथानक की बुनावट प्रभावशाली है। विशेषकर, संवाद लघुकथा की विश्वसनीयता में वृद्धि करते हैं। संग्रह की कुछ कहानियां कमजोर हैं। संग्रह की लघुकथाएं वर्तमान की घटनाओं से प्रेरित हैं, इसीलिए इनमें तेजी से बदलते आज के जीवन मूल्य अंकित हैं। इनमें व्यवस्थागत विद्रूपताओं सहित युगीन यथार्थ के चित्रण में एक बेहतर समाज के निर्माण का संदेश अंतर्निहित है। यह संग्रह साहित्य के क्षेत्र में अतुल मिश्र के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

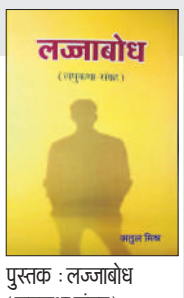

पुस्तक : लज्जाबोध
(लघुकथा संग्रह)
लेखक : अतुल मिश्र
प्रकाशक : आईसेक्ट पब्लिकेशन, भोपाल
वर्ष : 2025
समीक्षक : रणजीत पांचाले, बरेली

जीवन का प्रबंधन सिखाती कृति

आलेख किसी भी विषय पर तर्कसंगत तथ्यात्मक वर्णन होता है, जिसमें लेखक स्वयं के गहन अध्ययन एवं बुद्धिमता से अपने विचारों, तर्कों और अनुभवों को व्यवस्थित एवं सुसंगत ढंग से लिखते हैं। इस किताब में लेखक ने अपने अनुभव, अनुसंधान एवं तर्क द्वारा मनुष्य जीवन की कठिनाइयों, उपेक्षाओं एवं विफलताओं की सभी पहलुओं का उजागर किया है, साथ ही आत्मसंयम, आत्मविश्वास एवं आत्म प्रबंधन द्वारा इन चुनौतियों से जीतने का व्यावहारिक मार्ग भी प्रशस्त किया हैं। इस पुस्तक का प्रत्येक लेख पाठक के हृदय तक पहुंचता है और मन-मस्तिष्क को विचार करने को विवश करता है।

पुस्तक : आत्म प्रबंधन सफलता की सीढ़ी
लेखक : नृपेन्द्र अभिषेक "नृप"
प्रकाशन : समृद्धि पब्लिकेशन, दिल्ली
मूल्य : 225 रुपये
समीक्षक : अंबिका कुशवाहा 'अम्बी'

इसी तरह लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप अपने संग्रह में कई चुने हुए निबंधों के माध्यम से पाठकों को बताया है कि बिना आत्म-प्रबंधन के बाहरी सफलता अधूरी और क्षणिक होती है। प्रत्येक लेख सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और विषयों की गहनता पाठकों के हृदय को स्पर्श करती है। पुस्तक की भाषा सरल, सहज और बोलचाल की है, जिससे आम पाठक आसानी से जुड़ जाता है। लेखक ने रोजमर्रा के अनुभवों और व्यावहारिक उदाहरणों के जरिए गहरी बातों को सरल बना दिया है। यह कृति एक अलग प्रेरक साहित्य है। इस संग्रह के लेख केवल पढ़ने को ही नहीं, बल्कि पाठकों को अपने जीवन में आत्मसात करने को विवश करेंगे। लेखक का दृष्टिकोण दार्शनिक गहराई के साथ-साथ व्यावहारिक भी है।

आधी दुनिया

नारी भागीदारी

लोकतंत्र की मजबूती

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सौरभ वार्ष्णेय
पत्रकार

- **महिलाओं का सशक्तिकरण-** सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं। यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है, लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।
- **आधी आबादी, अधूरा प्रतिनिधित्व-** भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं, लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं-सामाजिक रुढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें "विनिंग कैंडिडेट" के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है। हालांकि हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा, बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा। फिर भी केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है, जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसके प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह एक मजबूत, संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने की कोशिश है।

खाना खजाना

ठंडी मलाईदार रसमलाई

रसमलाई एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जो अपने नरम, रस से भरे और मलाईदार स्वाद के लिए खास पहचान रखती है। खास मौकों, त्योहारों और मेहमानों के स्वागत में यह मिठाई हर किसी का दिल जीत लेती है। केसर, इलायची और मेवों से सजी ठंडी-ठंडी रसमलाई स्वाद के साथ-साथ खुशबू का भी अनोखा अनुभव देती है। घर पर बनी रसमलाई न केवल शुद्ध और ताजी होती है, बल्कि इसमें अपने स्वाद के अनुसार मिठास और फ्लेवर भी संतुलित किया जा सकता है। इस आसान विधि से आप बाजार जैसी मुलायम और स्वादिष्ट रसमलाई घर पर ही तैयार कर सकते हैं।

सामग्री

- 1 लीटर दूध (छैने के लिए)
- 2-3 चम्मच नींबू का रस
- 400 ग्राम चीनी
- 4 गिलास पानी

रबड़ी के लिए

- 850 मिलीलीटर दूध (रबड़ी के लिए)
- 2 चम्मच या स्वादानुसार चीनी
- आधा चम्मच इलायची पाउडर
- पिस्ता कतरन, गुलाब पंखुडियां

सनाज़ स्वाद
फूड ब्लॉगर

बनाने की विधि

सबसे पहले आप दूध उबालने वाले बर्तन में थोड़ा सा पानी डालें। उसमें दूध डालकर उबालें। ऐसा करने से दूध तली में लगता नहीं है। एक बाउल में नींबू का रस और थोडा पानी मिलाएं। जब दूध उबल जाए, गैस बंद कर दें और 2 मिनट बाद नींबू वाला पानी धीरे-धीरे दूध में डालें। 2 से 4 मिनट में पूरा दूध फट जाएगा। भगोने के ऊपर सूती कपड़ा रखें और उस पर फटा हुआ दूध डालकर छान लें। फिर उसे बहते पानी से अच्छे से धो लें ताकि खट्टापन निकल जाए। हल्के हाथों से दबाकर उसका पानी निकाल दें और 2-3 घंटे के लिए लटका दें।

रबड़ी के लिए :- एक भारी तली का बर्तन गैस पर चढ़ाएं और दूध उबालें। जब दूध में उबाल आए, तो आंच मीडियम कर दें और बीच-बीच में चलाते रहें। दूध गाढ़ा होने लगे, तो उसमें इलायची पाउडर, चीनी और मेवे कतरन डालें।

जब रबड़ी तैयार हो जाए, तो उसे 2-3 घंटे फ्रिज में रखकर ठंडा कर लें।

रसगुल्ले बनाने के लिए :- छैने को थाली में निकालें और हाथ से खूब मसलें।

जब पनीर चिकना हो जाए, तो उससे नींबू के आकार के बॉल्स बनाएं और पेड़े का शेप दें।

एक पैन में पानी और चीनी डालकर पतली चाशनी बनाएं।

चाशनी में पेड़े डालें, ढककर तेज आंच पर 15-20 मिनट तक पकाएं।

पकने के बाद पेड़े सॉफ्ट और बड़े गए जाएंगे। ठंडे होने पर, पेड़ों को चाशनी से निकालकर प्लेट में रखें। ठंडी रबड़ी में पेड़े डालें।

रसमलाई तैयार है, ठंडा-ठंडा परोसें।

गर्मियों में त्वचा की देखभाल के लिए गुलाब जल

गुलाब जल का उपयोग सुंदरता निखारने के लिए सदियों से किया जाता रहा है। स्किन केयर की बात आते ही सबसे पहले गुलाब का नाम लिया जाता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और इसकी हल्की सुगंध मन को तरोताजा रखती है, जिससे मूड भी बेहतर बना रहता है। गर्मियों के मौसम में गुलाब जल एक प्राकृतिक टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। इसे फेस मिस्ट, फेस पैक या मेकअप रिमूवर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित बनाए रखता है। टैनिंग, सनबर्न, मुहांसे और अतिरिक्त तेल को कम करने में भी यह बेहद प्रभावी है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

- **तैलीय त्वचा में पिंपल्स की समस्या-** तैलीय त्वचा में पिंपल्स की समस्या आम होती है। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें।
- **डार्क सर्कल कम करने में सहायक-** आंखों के आसपास के डार्क सर्कल कम करने में भी गुलाब जल सहायक है। कॉटन की मदद से इसे आंखों के नीचे लगाएं। बेहतर परिणाम के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को मिलाकर उपयोग करें और आधे घंटे बाद धो लें।

एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर

एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल त्वचा को तेज धूप के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। रूखी और बेजान त्वचा को ताजगी देने के लिए इसे फेस मिस्ट के रूप में उपयोग करें। एक स्प्रे बोतल में भरकर चेहरे पर छिड़कें और इसे त्वचा में स्वयं सोखने दें। यदि आप कील-मुहांसों और दाग-धब्बों से परेशान हैं, तो रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और रातभर लगा रहने दें। आप चाहें तो इसे सीधे स्प्रे भी कर सकते हैं या आइस ट्रे में जमाकर इसके क्यूब्स से चेहरे की हल्की मसाज करें। इससे ठंडक मिलेगी और त्वचा में प्राकृतिक ग्लो आएगा।

गुलाब जल और फेस पैक

- पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा गुलाब जल मिलाकर बनाया गया फेस पैक त्वचा को कोमल और मुलायम बनाता है। इसे कुछ देर लगाकर धो लें।
- गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम बनाने के लिए 2 चम्मच गुलाब तेल, 1 चम्मच जोजोबा ऑयल और 5 चम्मच गुलाब जल मिलाकर स्प्रे बोतल में भर लें। इसे बालों पर लगाने से बालों में सुगंध के साथ पोषण भी मिलता है।
- शुष्क त्वचा के लिए एक चम्मच ग्लिसरीन को 100 मिलीलीटर गुलाब जल में मिलाकर फ्रिज में रख लें। इस लोशन का नियमित उपयोग त्वचा की नमी बनाए रखता है।
- त्वचा को मुलायम बनाने के लिए शहद और एलोवेरा जेल का मिश्रण उपयोगी है। इसे 20 मिनट लगाकर धो लें। तैलीय या मिश्रित त्वचा के लिए दही, शहद और गुलाब जल का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें।

इसे सप्ताह में तीन बार किया जा सकता है।

हर बच्चा नंबरों से नहीं अपने हुनर से बनता है बड़ा

बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने वाले हैं। तारीख करीब आते ही हजारों घरों में बेचैनी बढ़ने लगती है। कहीं विद्यार्थी देर रात तक जागकर अपने अनुमान लगा रहा है, तो कहीं माता-पिता चुपचाप उसके चेहरे की चिंता पढ़ रहे हैं। किसी को अच्छे अंकों की उम्मीद है, किसी को डर कि मेहनत के बाद भी परिणाम मनचाहा न आए। परिणाम के दिन मोबाइल की घंटी, वेबसाइट का खुलना, रोल नंबर डालती कांपती उंगलियां-सब उस पल को और भारी कर देते हैं और जब स्क्रीन पर अंक उम्मीद से कम दिखें या असफलता सामने खड़ी मिले, तो लगता है मानो सब समाप्त हो गया। विद्यार्थी को भविष्य अंधेरा दिखने लगता है, अभिभावक चिंता और अपराधबोध से भर उठते हैं, लेकिन इसी क्षण सबसे जरूरी है यह याद रखना कि यह केवल एक परीक्षा है, पूरा जीवन नहीं। एक परिणाम आपके व्यक्तित्व, क्षमता और भविष्य का अंतिम निर्णय नहीं हो सकता।

कृति आरके जैन
लेखिका

सबसे पहले विद्यार्थी और अभिभावक, दोनों को अपनी भावनाएं दबाने के बजाय उन्हें स्वीकार करना चाहिए। निराशा, दुख, गुस्सा, आंसू या चुप्पी-ये सब स्वाभाविक हैं। विद्यार्थी यदि रोना चाहता है, तो उसे रो लेने दें, यदि कुछ देर अकेला रहना चाहता है, तो उसे समय दें। उसी तरह अभिभावक भी अपनी चिंता छिपाने के लिए कठोर न बनें। इस समय सबसे बड़ी जरूरत साथ की होती है। बच्चे के पास बैठकर केवल इतना कहना-"हम तुम्हारे साथ हैं, यह अंत नहीं है"-उसके टूटे मन को संभाल सकता है। कई बार लंबे भाषण नहीं, बल्कि एक शांत स्पर्श, एक गले लगाना और बिना निर्णय उसकी बात सुन लेना सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।

अभिभावकों को विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि वे तुलना और तानों से पूरी तरह बचें। "फलां के इतने अंक आए, तुम्हारे क्यों नहीं?" या "इतना खर्च किया, फिर भी क्या हुआ?" जैसे वाक्य बच्चे के मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। असफलता के बाद विद्यार्थी पहले ही अपराधबोध और शर्म से भरा होता है। यदि घर में भी उसे केवल आलोचना मिले, तो उसका आत्मविश्वास और टूट जाता है। इस समय बच्चे को यह महसूस होना चाहिए कि उसका महत्व केवल अंकों से नहीं है। वह एक इंसान है, जिसके भीतर योग्यताएं, भावनाएं, रुचियां और सपने हैं। घर का वातावरण शांत, भरोसे से भरा और सकारात्मक रखना ही इस कठिन समय में अभिभावक का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

असफलता का अर्थ अयोग्यता नहीं

विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि असफलता का अर्थ अयोग्यता नहीं होता। कई बार कम अंकों के पीछे अनेक कारण होते हैं-तनाव, समय प्रबंधन की कमी, सही रणनीति का अभाव, स्वास्थ्य की समस्या या किसी विषय में कमजोरी। इसलिए स्वयं को "मैं किसी काम का नहीं" कहकर दोषी ठहराने के बजाय अपनी तैयारी का ईमानदारी से विश्लेषण करें। सोचें, कमी कहां रह गई और अगली बार क्या बदला जा सकता है। यदि कोई विषय कठिन लगा, तो उसका अधिक अभ्यास करें। यदि समय कम पड़ा, तो समय बांटने की आदत डालें। यदि तनाव ने असर डाला, तो पढ़ाई के साथ विश्राम, व्यायाम और ध्यान को भी जीवन का हिस्सा बनाइए। हर गलती अगली सफलता का रास्ता दिखाती है।

असफल के बाद भी अनेक रास्ते

असफल परिणाम के बाद आगे बढ़ने के अनेक रास्ते होते हैं। यदि किसी विषय में कम अंक आए हैं, तो कंपार्टमेंट या सुधार परीक्षा दी जा सकती है। यदि पूरी परीक्षा में सफलता नहीं मिली, तो अगले वर्ष बेहतर तैयारी के साथ फिर प्रयास किया जा सकता है। आज शिक्षा की दुनिया पहले से कहीं अधिक खुली है। केवल एक धारा या एक करियर ही जीवन का अंतिम रास्ता नहीं है। विज्ञान, वाणिज्य और कला के अलावा भी अनेक विकल्प हैं-डिजिटल मार्केटिंग, डिजाइन, होटल प्रबंधन, एनीमेशन, खेल, संगीत, कंप्यूटर, फोटोग्राफी, फैशन, आईटीआई, डिप्लोमा, उद्यमिता और कई कौशल आधारित क्षेत्र। कई बार एक असफलता हमें उसी दिशा में मोड़ देती है, जहां हमारी वास्तविक प्रतिभा छिपी होती है।

असफलता का अर्थ यह नहीं कि आगे सफलता नहीं

जब सब कुछ बिखरा हुआ लगे, तब केवल एक बात याद रखिए-बोर्ड परीक्षा जीवन की पूरी कहानी नहीं, उसका केवल एक छोटा-सा अध्याय है। यदि आज असफलता मिली है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि कल सफलता नहीं मिलेगी। यह समय स्वयं को समाप्त मान लेने का नहीं, बल्कि नए ढंग से फिर शुरू करने का है। अभिभावक धैर्य रखें और विद्यार्थी हिम्मत बनाए रखे, तो यह कठिन दौर भी बीत जाएगा। आज का दुख कल की ताकत बन सकता है, आज की हार कल की सबसे बड़ी सीख। गिरना गलत नहीं है, गिरकर वहीं रुक जाना गलत है। इसलिए उठिए, स्वयं पर विश्वास रखिए और आगे बढ़िए, क्योंकि जीवन अब भी आपके सामने पूरी रोशनी के साथ खड़ा है।

बच्चों की रुचियों को समझे

अभिभावकों को चाहिए कि वे इस समय बच्चे की रुचियों को समझने की कोशिश करें। हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी अधिकारी बनने के लिए नहीं बना होता। कोई चित्रकला में अच्छा होता है, कोई खेल में, कोई लेखन में, तो कोई तकनीक या व्यवसाय में। यदि बच्चा किसी अलग क्षेत्र में रुचि दिखाता है, तो उसे कमजोरी नहीं, संभावना समझें। आवश्यकता हो तो करियर काउंसलर, शिक्षक या अनुभवी व्यक्ति की सहायता लें। कई लोग स्कूल या बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ला पाए, लेकिन बाद में अपनी लगन और कौशल के बल पर बड़ी सफलता तक पहुंचे। इसलिए बच्चे को यह महसूस कराइए कि उसका भविष्य अब भी सुरक्षित है और उसके सपनों के लिए घर का दरवाजा आज भी खुला है।

अकेलेपन से बचना बचें

विद्यार्थियों को इस समय अकेलेपन से बचना चाहिए। अक्सर असफलता के बाद वे मित्रों, रिश्तेदारों और दुनिया से दूर होने लगते हैं। उन्हें लगता है कि लोग उनका मजाक उड़ाएंगे या उन्हें कम समझेंगे, लेकिन सच यह है कि जो लोग सचमुच अपने होते हैं, वे साथ खड़े रहते हैं। अपने किसी भरोसेमंद मित्र, शिक्षक, भाई-बहन या माता-पिता से खुलकर बात कीजिए। मन का बोझ भीतर मत रखिए। साथ ही, सोशल मीडिया और दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कम मत आंकिए। हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है। कुछ लोग जल्दी सफल होते हैं, कुछ देर से, लेकिन आगे वही बढ़ते हैं, जो हार के बाद भी चलना नहीं छोड़ते।

न्यूज ब्रीफ

विवाहिता को पीटा मुकदमा दर्ज

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम पडेरा निवासी पीड़िता साहिबा पत्नी छोटे खां ने तहरीर में बताया कि उसके पति छोटे खां, जेठ शाहिद खां, इंतजार खां और रहीशन उर्फ मुन्नी बेगम लगातार उसे प्रताड़ित करते हैं। तीन बेटियां होने के कारण उसे अपमानित किया जाता है। पीड़िता के अनुसार आरोपी घरेलू खर्च के नाम पर करीब दो लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई।पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शौच को गई महिला से छेड़छाड़, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शौच के लिए जंगल में गई महिला के साथ एक युवक ने छेड़छाड़ कर दी।विरोध करने पर उसके साथ और मारपीट भी की।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी है।तहरीर के मुताबिक दो दिन पहले शाम करीब चार बजे पीड़िता जंगल में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान पीछे से गांव का विपिन पहुंचकर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने विरोध करते हुए अपना बचाव किया। पास में पड़ा डंडा उठाकर आरोपी को मारा।आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने डंडा छीनकर महिला के साथ मारपीट की।चीख पुकार सुनकर खेत पर काम कर रहे ग्रामीणों की आवाज पर वह भाग गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी विपिन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उसकी तलाशी शुरू कर दी है।

गाली देने का विरोध करने पर पीटा

मीरगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के बलपुरा गांव में मां को गाली देने का विरोध करने पर दो भाइयों पर चाकू से हमला किया गया।इस घटना में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम बलपुरा निवासी पुष्पेंद्र पुत्र धीर सिंह ने बताया कि गांव का ही सौरभ पुत्र तेजपाल उनकी मां को गालियां दे रहा था। जब पुष्पेंद्र ने इसका विरोध किया और सौरभ को समझाने का प्रयास किया, तो आरोपी उग्र हो गया और विवाद बढ़ गया।

जमीनों पर कब्जेदारी में फिर गरमा रही रामगंगा की कटरी

नदी किनारे की भूमि हथियाने को हो रहे विवाद, खादर में गैंगवार में मारे जा चुके हैं कई लोग, रंजिशें बढ़ने से टेंशन में पुलिस

संवाददाता, फरीदपुर।

अमृत विचार : जमीनों पर कब्जेदारों को लेकर कई बार खून-खराबे के दौर दे चुकी रामगंगा की कटरी फिर गरमा रही है। खादर क्षेत्र में खाली पड़ी जमीनों को हथियाने के चक्कर में रंजिशें बढ़ रही हैं। दो दिन पहले फरीदपुर क्षेत्र के गोवन्दिपुर गांव में रंजिश के चलते दो गुटों के बीच अंधाधुंध फायरिंग और पुलिस पर हमले ने प्रशासन की चिंताएं फिर बढ़ा दी हैं। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए गोलीबारी में इस्तेमाल लाईसेंसी हथियार जब्त कर कई लोगों को गिरफ्तार जरूर कर लिया है, लेकिन कटरी क्षेत्र में तनातनी ने भविष्य की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

● गोविंदपुर में खूनी संघर्ष से बढ़ी पुलिस की चिंता

रामगंगा की कटरी में खाली पड़ी जमीनों पर कब्जे का खेल नया नहीं है। 11 जनवरी 2023 को दबंग सपा नेता सुरेश पाल सिंह और सरदार परमजीत सिंह गुटों में जमीनों पर कब्जेदारी को लेकर खूनी संघर्ष किया था। इसमें कुछ लोग मारे गए थे और कई घायल होकर लंबे समय अस्पतालों में भर्ती नजर आए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि दबंगों के बीच जमीनें हथियाने की लड़ाई इसलिए भी कभी खत्म नहीं होती, क्योंकि फसल बोता कोई है और काटता कोई और।

चकबंदी प्रक्रिया में कमी से बढ़ रहे विवाद: दबंगों को

कुछ साल पहले कटरी में हुई गैंगवार में कई लोग मारे गए थे। (फाइल फोटो)

राजनैतिक संरक्षण का खेल रंजिशों को और हवा देता है, जिसकी वजह से पुलिस-प्रशासन लाख कवायद के बाद भी हर बार नया टकराव सामने आता रहता है। कटरी क्षेत्र में रहने वाले लोग बताते हैं कि चकबंदी प्रक्रिया में कई तरह की कमियां होने से विवाद बढ़ रहे हैं। चकबंदी सीओ श्याम नारायण अग्निहोत्री बताते हैं कि रायपुर हंस रायपुर तोमकन में चकबंदी चल रही है। हम आवंटन नही करते हैं। नदी की जो जमीन जलमग्न होती है, उसको चकबन्दी से पृथक रखा जाता है। प्रयास रहता है किसानों की जमीन सुरक्षित रह सके। जिनका विनिमय अनुपात नहीं होता, उनको चकबंदी में शामिल नहीं किया जाता।

डकैत कल्लू मारा गया मगर कटरी शांत नहीं हुई : बरेली नहीं नहीं, बल्कि शाहजहांपुर, बदायूं, एटा, फर्रुखाबाद सहित कई जिलों में लंबे समय आतंक का पर्याय बना रहा कलुआ डकैत भी रामगंगा के कटरी क्षेत्र में सक्रिय रहा था। कलुआ गैंग ने दर्जनों पुलिसकर्मियों की हत्या कर डाली थी और उसके नाम से लोग कांपते थे। कल्लू गैंग के नाम पर भी कटरी में जमीनों पर कब्जे का खेल चला था। 15 जनवरी सन् 2006 को थाना कटरी में तत्कालीन एसओजी प्रभारी विजय राणा और थाना फतेहगंज पूर्वी पुलिस के साथ मुठभेड़ में कल्लू उर्फ कलुआ डकैत मारा गया था। उसके बाद कल्लू गैंग के कई सदस्य अलग-अलग समय और स्थानों पर पुलिस के साथ मुठभेड़ों में ढेर होते रहे। कल्लू का दाहिना हाथ डकैत देवेन्द्र गुर्जर कोर्ट में सरेंडर कर गया था और अब तक जेल में बंद है। माना जा रहा था कि डकैत गिरोह के सफाए के बाद कटरी का माहौल शांत हो जाएगा मगर ऐसा हुआ नहीं। जमीनों पर कब्जे के खेल दबंग गुट आपस में बार-बार टकराते आ रहे हैं। सुरेश प्रधान और परमजीत सिंह गुटों के बीच गैंगवार भी उसी खेल का नतीजा थी। और अब 9 अप्रैल को गोविंदपुर गांव में दो गुटों के बीच संघर्ष ने पुलिस की टेंशन बढ़ाने का काम किया है।

रात में सोलर केबिल पार, सुबह खुला मामला

नवाबगंज, अमृत विचार: बहोरनगला गांव में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक परिसर से सोलर सिस्टम की केबिल चोरी हो गया चोरों ने रात में वारदात को अंजाम दिया और मौके से तार काटकर फरार हो गए।

यहां पानी आपूर्ति के लिए लगाए गए सोलर पैनलों से पंप संचालित किया जाता है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात अज्ञात लोग टैंक परिसर में पहुंचे और सोलर पैनल से जुड़ी केबिल काटकर ले गए। सुबह जब पंप ऑपरेटर मोहम्मद आरिफ ड्यूटी पर पहुंचे तो सोलर सिस्टम क्षतिग्रस्त मिला। जांच करने पर केबिल गायब पाई गई। उन्होंने बताया कि चोरी गई तार की कीमत करीब 15 हजार रुपये आंकी गई है। घटना की सूचना मिलते ही पंप ऑपरेटर ने थाना में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

उपनिषद की झलक लिए रंगों का संगम

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नवाबगंज स्थित गंगाशील महाविद्यालय, फैजुल्लापुर में चित्रकला विभाग द्वारा "उपनिषद्" विषय पर आधारित अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और कैटलॉग विमोचन के साथ किया।

प्रदर्शनी में देशभर के कलाकारों की 60 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। इनमें उपनिषदों की गूढ़ दार्शनिक अवधारणाओं को विभिन्न कला शैलियों के माध्यम से उकेरा गया। उत्तर प्रदेश, देहरादून, भोपाल, झारखंड और राजस्थान के कलाकारों की सहभागिता रही। चित्रों में अन्नमय कोष से आनंदमय कोष तक की

अतिथियों को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

● गंगाशील महाविद्यालय में अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन, कलाकार सम्मानित

आध्यात्मिक यात्रा का सजीव चित्रण दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना।

दूसरे सत्र में चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल ने प्रो. पम्पा गौतम, डॉ. आशीष कुमार सिंह, मनीषा जैन, डॉ. मधु बाजपेई और प्रो. आनंद लखटकिया की कृतियों को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया, जबकि अन्य कलाकारों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

मुख्य अतिथि डॉ. विश्वकर्मा ने उपनिषदों को भारतीय जीवन दर्शन की आधारशिला बताते हुए ऐसे आयोजनों को कला और समाज के बीच महत्वपूर्ण सेतु कहा। प्रदर्शनी 12 व 13 अप्रैल तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

वकील को जान से मारने की धमकी रिपोर्ट दर्ज

कैंट, अमृत विचार : पति ने स्वयं के खिलाफ भरण पोषण का मुकदमा दायर होने पर पत्नी के वकील को फोन पर गलियां, बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने तथा जान से मारने की धमकी दी है। वकील ने कैंट थाने में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कांधरपुर स्थित रामेश्वर धाम कॉलोनी निवासी नरेश पाल ने बताया, कि वह पेशे से वकील हैं। उन्होंने थाना सुभाषनगर क्षेत्र की रहने वाली अपनी मुवक्किल शशि के पति चंद्र प्रकाश निवासी ग्राम व था माधौटांडा कलीनगर जिला पीलीभीत के खिलाफ भरण पोषण का मुकदमा दायर किया था।इससे महिला का पति रंजिश मानने लगा। 8 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे महिला के पति ने वकील को गाली गलौज तथा झूठे मुकदमे में फंसाने के साथ-साथ परिवार समेत उसे गोली मारने की धमकी दी। वकील की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एक तरफ चौड़ी राह, दूसरी तरफ रास्ता बंद, कब बनेगी सर्विस लेन

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: फरीदपुर-बुखारा मार्ग पर बन रहे ओवरब्रिज को लेकर जहां एक ओर लोगों को रेलवे फाटक की झंझट से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर नई परेशानियों का डर भी गहराने लगा है। मोहल्ला बक्सरिया टीचर्स कॉलोनी के निवासियों ने इस संबंध में तहसीलदार को शिकायत पत्र देकर अपनी चिंता जताई है।निवासियों का कहना है कि ओवरब्रिज का निर्माण तो स्वागत योग्य है, लेकिन यदि सर्विस लेन का समुचित प्रावधान नहीं किया गया तो उनका दैनिक आवागमन बाधित हो जाएगा। आरोप है कि निर्माण कार्य में असमानता बरती जा रही है।

पुल के दक्षिण दिशा में जहां चौड़ी सर्विस लेन बनाई जा रही है, वहीं उत्तर दिशा में इसका कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में कॉलोनी के लोगों को अपने घरों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का

नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग करते हुए लोग। ● अमृत विचार

● बक्सरिया कॉलोनी के लोगों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की

सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय पूर्व अध्यापक ने कहा कि पुल बनने से खुशी है, लेकिन अगर घर के सामने का रास्ता ही बंद हो जाएगा तो इसका लाभ क्या होगा। वहीं, दक्षिण दिशा में नाले के पुनर्निर्माण को लेकर भी लोगों की चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि यदि नाला बन गया तो भविष्य में वहां सर्विस लेन के लिए जगह ही नहीं बचेगी। यह समस्या सिर्फ कॉलोनी तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के गांवों के लोग भी इसी मार्ग से शहर आते-जाते हैं। ऐसे में उत्तर दिशा में सर्विस लेन न बनने पर बुजुर्गों, बच्चों और दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ेगी। निवासियों ने मांग की है कि नाले का निर्माण तत्काल रोका जाए और फाटक से स्टेशन रोड तक पुल के दोनों ओर समान रूप से सर्विस लेन बनाई जाए।

दबंगों ने किया हमला, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव अगरास में लेन-देन के विवाद के चलते घर में घुसकर मारपीट कर दी जिसमें मां, बेटे घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके घायल मां, बेटे को मेडिकल के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक गांव अगरास निवासी हरवीर ने तहरीर देकर बताया वह शुक्रवार शाम को अपनी गोपालपुर स्थित दुकान से घर लौटे थे।तभी गांव लोहार नगला निवासी परमीलाल दो-तीन अज्ञात साथियों के साथ घर में घुसकर हमला किया।

आश्रम में सिलेंडर सप्लाई का वीडियो वायरल, कालाबाजारी का लगा आरोप

संवाददाता, मीरगंज,

अमृत विचार : थाना शाही क्षेत्र के गांव लालपुर की एक गैस एजेंसी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एजेंसी की गाड़ी से सिलेंडर उतारकर एक आश्रम में पहुंचाए जाते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह आश्रम एजेंसी से करीब 15 किलोमीटर दूर जंगल क्षेत्र में स्थित है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई है और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर आम उपभोक्ताओं को "सिलेंडर खत्म" कहकर लौटा दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर बड़े स्तर पर गुपचुप तरीके से सिलेंडरों की सप्लाई कर कालाबाजारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे सुबह से लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन शाम तक भी उन्हें गैस नहीं मिल पाती। बैरमनगर निवासी अमित कुमार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनका कनेक्शन प्रेमलता के नाम से है। उन्होंने ऑनलाइन 930 रुपये भुगतान कर सिलेंडर बुक कराया था। आरोप है कि एजेंसी कर्मचारियों ने उन्हें 15 किलोमीटर दूर आश्रम में बुलाया, जहां उनसे 236 रुपये 'बीमा' के नाम पर मांगे गए। विरोध करने पर न तो सिलेंडर दिया गया और न ही पैसा वापस किया गया। नगरीया सोवरनी निवासी सत्यपाल यादव ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 29 अप्रैल को है, इसके बावजूद एजेंसी ने सिलेंडर देने से मना कर दिया। एसडीएम से अनुमति लेने के बाद भी उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला।

। एसडीएम आलोक कुमार ने कहा कि शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल में तैनात सैन्य कर्मी के मकान से लाखों के जेवरात चोरी

कैंट, अमृत विचार : हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तैनात सैन्य कर्मी के लालफाटक त्रिमूर्ति धर्म कांटे के पास स्थित मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात तथा अन्य सामान चोरी कर लिया गया। सैन्य कर्मी के पिता ने लालफाटक चौकी में 27 मार्च तथा 1 अप्रैल को कैंट थाने में कार्रवाई हेतु तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पीड़ित ने 6 अप्रैल को मामले की शिकायत एसएसपी से की। एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस ने शुक्रवार को अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रोड पार करते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, भुता

अमृत विचार : सड़क पार करते समय व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक दुर्गपाल

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात आठ बजे दुर्ग पाल (55) निवासी ग्राम अमृती साइकिल से बेटी के ससुराल भुता के गांव नवदिया जा रहे थे। उसी समय रोड क्रॉस करते समय पीछे से आ रहे तेज गति से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए । ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस व परिजनों के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी उपचार के दौरान दुर्ग पाल की मौत हो गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 16/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : इज्जतनगर डिवीजन के इज्जतनगर–भोजीपुरा अनुभाग में समपार संख्या 240 पर लिमिटिड हाईट सबवे से संबंधित शेष कार्य, जिसमें स्टील स्ट्रक्चर शेड का कार्य, छत की चादर बिछाने का कार्य आदि का प्रावधान, **अनुमानित लागत** : रु. 1,92,62,092.20, **बयाना राशि** : रु. 3,85,300/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 03 माह।

1. ई-निविदा दिनांक 04.05.2026 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.)
मुजाधि/डब्ल्यू-19 इज्जतनगर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

कार्यालय ग्रा.प. गढीखानपुर विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा 10-04-2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत गढीखान पुर विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 15.04.2026 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	राजेश यादव के प्लॉट से मैंन रोड तक इंटरलॉकिंग व नाली मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय नगर पंचायत कटरा, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 10/न.पं.क./2026-27 दिनांक : 10.4.26

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कटरा शाहजहाँपुर सीमान्तर्गत नगर पंचायत कटरा जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की शिकायत/सुझाव/फीडबैक हेतु निम्न हेल्पलाईन/टोल फ्री नम्बर जनहित में जारी किये गये है, सम्पर्क करें –

1. 14420/8931981810 (Safaimitra Suraksha Challenge- For Safe cleaning of Septic Tank/Sewers)
2. 1533 (शिकयत एवं सुझाव)

अधिशासी अधिकारी **प्रशासक**
नगर पंचायत कटरा, शाहजहाँपुर **नगर पंचायत कटरा, शाहजहाँपुर**

कार्यलय ग्रा.प. सैफुल्लागंज विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा 10-04-2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत सैफुल्लागंज विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 15.04.2026को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	सोवरन के घर से गुलफाम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	धर्मपाल जाटव के घर से मेन रोड तक इंटरलॉकिंग नाली मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार
3.	गुलफाम के घर से धर्मपाल जाटव के घर तक इंटरलॉकिंग नाली मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना संख्या : 65/2026

रेल यात्री बंधुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या 14316/14315 बरेली जं.-नई दिल्ली-बरेली जं. एक्सप्रेस गाड़ियों का मार्ग विस्तार कासगंज तक किया जायेगा। इस गाड़ी का उद्घाटन बदायूँ से दिनांक 13.04.2026 को उद्घाटन विशेष गाड़ी संख्या 05303 निम्नवत चलाकर किया जायेगा-

गाड़ी सं. 05303 बदायूँ-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 05303 - बदायूँ से 13.04.2026 (सोमवार) को = 01 ट्रिप

स्टेशन	गाड़ी सं. 05303 बदायूँ-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष गाड़ी	
	आगमन	प्रस्थान
बदायूँ	--	12.00
बरेली जं.	13.05	13.15
भिटौरा	13.35	13.37
नगरिया सादात	13.50	13.51
रामपुर जं.	14.16	14.18
मुरादाबाद	14.45	14.50
अमरोहा	15.17	15.19
गजरौला जं.	15.38	15.40
गढ़मुक्तेश्वर	17.00	17.02
हापुड़ जं.	17.33	17.35
पिलखुआ	17.45	17.47
गाजियाबाद जं.	18.40	18.42
साहिबाबाद	18.53	18.54
आनन्द विहार	19.05	19.06
तिलक ब्रिज	19.14	19.15
शिवाजी ब्रिज	19.22	19.23
नई दिल्ली	20.00	--

रेक संरचना - एसएलआरडी - 02, साधारण द्वितीय श्रेणी - 04, द्वितीय श्रेणी चेयर कार - 07, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी चेयर कार - 01 = 14 कोच

मुजाधि/टी-04 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

10 लाख नहीं देने पर बरात लाने से किया मना

क्योलड़िया, अमृत विचार : शादी के दस दिन पहले ससुराल वालों ने 10 लाख नगद और कार की मांग कर दी। जिसे पूरा करने में असमर्थता जताने पर लड़के वालों ने बरात लाने से मना कर दिया। भोजपुरा गांव में वीरपुर मकरूका के मोरपाल की बेटी का रिश्ता क्योलड़िया के चंद्रपुर ख्यालीराम निवासी जयंती प्रसाद के पुत्र प्रेम सिंह से तय हुआ था। मंगनी और गोदभराईकी रस्म हो चुकी थी। 21 अप्रैल को बारात आनी थी लेकिन लड़के वालों की असहज मांग पूरी नहीं करने से बारात लाने से मना कर दिया गया है। मामला थाने भी पहुंचा। पुलिस ने भी दोनो पक्षों को बुलाकर वार्ता कराईलेकिन मामला सुलटानहीं है।

भोजपुरा गांव वीरपुर मकरूका के मोरपाल ने अपनी बेटी का रिश्ता थाना क्योलडिया के चंद्रपुर ख्यालीराम के प्रेम सिंह पुत्र जयंती प्रसाद के साथ तय किया था।

मदरसा खत्म, बेटियों के लिए इंग्लिश स्कूल शुरू

बहेड़ी, अमृत विचार : मुस्लिम बच्चियों को मॉडर्न एजूकेशन देने के लिए शानदार पहल की गई है। मदरसा हुसैनिया-मदारिया को खत्म कर शिकोही नगर में एचएम एकेडमी की स्थापना की गई है। शुरुआत में यहां एनसी से थर्ड क्लास तक की बच्चियों को तालीम दी जाएगी। दीनी तालीम को भी एक सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाया जाएगा। गरीब बच्चियां, जिनके अभिभावक फीस जमा करने में असमर्थ हैं, उनके लिए एकेडमी में ज़कात फण्ड बनाया जाएगा।

कारी उबैद।

एकेडमी की शनिवार को शुरुआत हो गई। स्कूल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले कारी उबैद उर रहमान पहले मदरसे में तालीम देते थे। मदरसे को खत्म कर जगह ली, और लोगों को इस मिशन में मिलाकर एकेडमी खोली।

–: नीलामी सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय कारागार, बरेली के निष्प्रयोज्य राजकीय वाहन संख्या-यूपी-25/एजी-0448 (एम्बूलेंस, मारुति ओमनी वैन) जो मुख्यालय कारागार, प्रशासन एंव सुधार सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया गया है, कि नीलामी द्वारा बिक्री केन्द्रीय कारागार, बरेली पर दिनांक 17.04.2026 को प्रातः 12:00 बजे की जानी है। नीलामी में सम्मिलित होने वाले इच्छुक व्यक्ति दिनांक-17.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक कारागार पर उपस्थित होकर कार्यालय में प्रतिभूति धनराशि रु0 20,000-00 (रु0 बीस हजार मात्र) नकद जमा करके नीलामी बोली में भाग ले सकते हैं। बोली की सम्पूर्ण धनराशि पर जी0एस0टी0 अलग से देय होगी। नीलामी बोली समाप्त होने तथा बोली जिसके पक्ष में समिति के निर्णय के अनुसार छोड़ी जाएगी, उसे कुल मूल्य का 50 प्रतिशत धनराशि (पचास प्रतिशत) तुरन्त कार्यालय में नकद जमा करना होगा। शेष धनराशि व जी0एस0टी0 की धनराशि अगले 05 दिनों के अन्दर जमा कर वाहन उठाना होगा। नीलामी समाप्त होने/अस्वीकृत होने पर अग्रिम प्रतिभूति के रुप में जमा धनराशि तुरन्त वापस कर दी जाएगी। बोली पक्ष छूटने के पश्चात् बोलीदाता द्वारा वाहन न लेने पर जमा धनराशि जब्त कर ली जाएगी। नीलामी से सम्बन्धित समस्त निर्णय समिति के आधीन होंगे।

UP - 249612 दिनांक: 10/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ अधीक्षक,
केन्द्रीय कारागार, बरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 3526/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 06.04.2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 13.04.2026 से दिनांक 18.04.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 18.04.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद बरेली में कैण्ट क्षेत्र के अन्तर्गत सेन्ट मारिया स्कूल के सामने एवं अन्य स्थानों पर पेवर टाइल्स का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	50.00	4.50	03 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 249588 दिनांक: 10/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

तुलसी मीठे बचन ते, सुख उपजत चहुं ओर।
बसीकरन इक मंत्र है, परिहरू बचन कठोर।।

संत तुलसीदास कहते हैं, मीठे वचन से हम सब ओर सुख फैला सकते हैं। किसी को भी वश में करने के लिए मिठास भरे शब्द एक मंत्र की तरह होते हैं, इसलिए इंसान को चाहिए कि कठोर वचन छोड़कर मीठा बोलने का प्रयास करें और अनजानों को भी अपना बना ले।

'तुम बहुत बोल चुके... अब मैं बोलूंगी'

बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण आ गया है। केंद्रीय मंत्रीपरिषद ने इसे पारित कर दिया है। महिला आरक्षण सामाजिक समता का ऐतिहासिक दस्तावेज है। इससे अथर्ववेद के एक मंत्र की ध्वनि सुनाई पड़ रही है। इस मंत्र में एक स्त्री कहती है, 'तुम बहुत बोल चुके। अब मैं बोलूंगी।' भारत में प्राचीन काल से ही स्त्री सम्मान रहा है। महिलाओं की खराब स्थिति का प्रचार करने वाले मिथ्या आरोप लगाते रहे हैं।

भारतीय समाज में स्त्रियां पुरुष के बराबर सम्मानीय रही हैं। वैदिक काल में भी स्त्री सम्मान था। वैदिक काल की एक प्रतिष्ठित महिला मुदग्लानी रथ पर चढ़कर युद्ध में हिस्सा लेती थीं। युद्ध में उनके वस्त्रों का संचालन वायु देव ने किया था। ऋग्वेद के अनुसार युद्ध में विपशला का पैर कट गया। अश्वनी देवों ने उसे धातु का पैर लगा दिया था।

पति और पत्नी को मिलाकर दंपति बनता है। दंपति में नारी की प्रतिष्ठा है। ऋग्वेद में अनेक सूक्तों में स्त्री सम्मान के तत्व हैं। सृष्टि की उत्पत्ति जल से होने का तथ्य चार्ल्स डार्विन ने भी स्वीकार किया है। जल माता का विचार डारविन के बहुत पहले वैदिक काल में ही पुष्ट हो चुका था। ऋग्वेद में 'आपः मातरम'- जलमाताओं को नमस्कार किया गया है।

ऋग्वेद में अदिति नाम की एक महादेवी हैं। कहा गया है, 'इस अस्तित्व के सभी तत्व अदिति हैं। अब तक जो कुछ हो गया है और जो कुछ भविष्य में होगा वह सब अदिति है।'

ऋग्वेद का सूक्त पठनीय है। अदितिः द्यौः अदितिः अन्तरिक्षं अदितिः माता सः पिता सः पुत्रः अदितिः विश्वेदेवाः अदितिः पंचजनाः अदितिः जातम जनित्वम-द्युलोक अदिति है, अंतरिक्ष भी अदिति है, माता-पिता-पुत्र सब अदिति हैं, सारे देव अदिति हैं, जो पंचजन सप्तसिंधु में निवास करते हैं, वह सब अदिति हैं। जो कुछ उत्पन्न हुआ है और जो कुछ आगे उत्पन्न होगा, वह सब अदिति है। (ऋग्वेद 1.89.10) यूनानी देवतंत्र में अदिति के समान गूढ़ दार्शनिक अर्थ रखने वाली कोई देवी नहीं है।

विवाहित होना सम्मानीय था। स्मृतियों में दीर्घकाल तक अविवाहित बने रहने की आलोचना की गई है। विवाह नाम की संस्था का विकास धीरे-धीरे हुआ है। ऋग्वेद के रचनाकाल तक विवाह संस्था का समुचित विकास हो रहा था। स्त्री दासी नहीं है। ऋग्वेद के एक सुंदर मंत्र में नववधू को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया है कि 'यह नववधू दीर्घकाल तक जिए। दीर्घकाल तक काम करे। ससुर और सभी परिजनों पर शासन करे।' यह भारतीय संस्कृति का प्राचीन तत्व है।

> भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। पूर्वजों ने स्त्री को समाज का संरक्षक माना है। वैदिक काल में महिलाएं मंत्रदृष्टा ऋषि भी थीं। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। अनेक विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे। विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा था, 'यह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?', 'सृष्टि किस आधार पर खड़ी है।' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, 'जल पर।'

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। वैदिक काल में महिलाएं मंत्रदृष्टा ऋषि भी थीं। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। अनेक विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे।

विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा था, 'यह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?', 'सृष्टि किस आधार पर खड़ी है।' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, 'जल पर।' गार्गी ने उत्तर के बाद पूछा, 'जल किसमें आधारित है?' फिर पूछा गया, 'इस अस्तित्व को कौन देवता आधार देते हैं?' गार्गी ने पूछा, 'इस विराट अस्तित्व का आधार क्या है?' याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया ब्रह्म ही सबको धारण करता है। ब्रह्म ही सर्वोच्च हैं। गार्गी ने अगला प्रश्न पूछा, 'ब्रह्म किस पर आधारित हैं। याज्ञवल्क्य ने कहा, 'ब्रह्म सर्वोच्च हैं। ब्रह्म ही भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। ब्रह्म का कारण ब्रह्म हैं। ब्रह्म असीम हैं। अनंत हैं।

गार्गी की प्रतिभा अद्भुत थी। राम-सीता की जोड़ी में सीता और राम दोनों की विशिष्टता देखी जाती है। कोई बड़ा नहीं। कोई छोटा नहीं। सीता जैसा चरित्र दुनिया के किसी भी देश में नहीं मिलता। शिव-पार्वती में पार्वती प्रथमा हैं और वह सभी अवसरों पर शंकर जी से विभिन्न विषयों पर गहन प्रश्न पूछा करती हैं। कैकई और दशरथ के कथानक में कैकई विचारणीय हैं। भारतीय परंपरा व साहित्य में सर्वत्र स्त्री सम्मान की गूंज है। यत्र नारी अस्तु पूजते रमंते ततदेवता- जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रहते हैं।

नारी माता हैं।

अनेक प्रतीकों में स्त्री को मां कहा गया है। माता से बढ़कर दूसरा कोई प्रतीक नहीं है। यहां भारत को भी भारत माता कहा गया है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में पृथ्वी को मां बताया गया है। अधिकांश नदियों को भी हम माता ही कहते हैं। वैदिक काल में यज्ञ की अतिरिक्त प्रतिष्ठा रही है। यज्ञ विधान के अनुसार पूजा में पत्नी की उपस्थिति अनिवार्य है। अथर्ववेद के एक सुंदर मंत्र में ऋषि पत्नी से कहते हैं, 'तुम ऋक् हो। मैं साम (गान) हूं। मैं अंतरिक्ष हूं। तुम पृथ्वी हो।'

दुनिया की प्रत्येक सभ्यता में देवतंत्र है। देवता हैं, देवियां हैं। सामाजिक विकास के क्रम में मिस्र ने प्रकृति की शक्तियों को देवता जाना और माना था। जिस समाज में देवियां होंगी उस समाज में स्त्रियों का सम्मान होगा। देवतंत्र मनुष्य के सपनों का ही विस्तार है। देवियों का आदर स्त्रियों का आदर है, इसी तरह स्त्रियों का आदर देवियों का आदर है। भारत में वैदिक काल का देवतंत्र ध्यान देने योग्य है। भारत में अनेक देवियां हैं। ऋग्वेद में वाणी की अराधना की गई है। देवियों की उपासना करने वाले समाज में स्त्री सम्मान होगा ही। इसी तरह का एक शब्द है रोदसी। रोदसी में माता पृथ्वी और पिता आकाश को संयुक्त रूप में याद किया गया है। (ऋग्वेद 2.11.15) चाहे सोम रस की बात हो या अन्य सभी अनुशासनों में। माता-पिता की जोड़ी में मां प्रथमा हैं।

वैदिक काल में अनेक स्त्रियां वेद मंत्रों की रचयिता या दृष्टा ऋषि भी रही हैं। इनमें लोमसा, लोपामुद्रा, यमी, श्रद्धा, ब्रह्मवादिनी जुहू, सूर्या, इंद्राणी, कच्छीवान की पुत्री घोषा आदि स्त्रियों की प्रतिष्ठा किसी भी विद्वान से कम नहीं थी। पूर्वजों ने मातृ शक्ति को पुरुष जैसा सम्मान दिया है। ऋग्वेद के एक सूक्त में पौलोमी सची द्वारा व्यक्त उद्गार देखने योग्य हैं। वे कहती हैं, 'मैं ज्ञानवती हूं। मैं मूर्धन्य हूं। मैं तेजस्वी वक्ता हूं। मैं शत्रुओं का विनाश करती हूं। पति मेरे अनुकूल व्यवहार करते हैं।

ऐतरेय ब्राह्मण में गंधर्व ग्रहीता कुमारी का विवरण है। शतपथ ब्राह्मण के अनुसार मैत्रेयी ऋषि याज्ञवल्क्य की पत्नी थीं। उनकी रुचि ब्रह्म विद्या में थी। याज्ञवल्क्य ने सन्यासी होने का निर्णय लिया। दोनों पत्नियों को बुलाया और बताया कि हमारी संपदा दोनों पत्नियां मिलकर बांट लो। इस पर मैत्रेयी ने कहा, 'मुझे धन संपदा नहीं चाहिए। आपको जो ज्ञान प्राप्त हो वही मुझे दीजिए।' कृतार्षिनी ने मीमांसा दर्शन पर ग्रंथ लिखा था।

वैदिक काल में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था थी। इनमें तमाम महिलाएं आचार्य थीं। बच्चों को पढ़ाती थीं। पाणिनी की व्याकरण के अनुसार उपाध्याय की पत्नी को उपाध्यायानी कहा गया है और जो स्त्री स्वयं अध्ययन का कार्य करे उसके लिए उपाध्याय शब्द ठीक होगा। वैदिक काल में संपत्ति पर स्त्रियों का भी अधिकार था। महिलाएं घर की प्रधान थीं।

नेपाल में दिखने लगा है बालेन सरकार का असर

नेपाल में बालेन सरकार के करीब एक पखवारे ही हुए, इस बीच उनके कार्यशैली को देखें तो कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में निश्चित ही ढेर सारे ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जो परिवर्तन का संदेश देते हों। वे चाहे शिक्षा से जुड़े हुए फैसले हों, महिला अधिकार की हो या पलायन, रोजगार और विदेश नीति से जुड़े हुए फैसले हों। एक पखवाड़े के भीतर ही अपने मंत्रिमंडल के एक सहयोगी को रुखसत कर उन्होंने अन्य मंत्रियों को सख्त संदेश भी दे दिया है।

बालेन सरकार ने जवाबदेही और जिम्मेदारी की एक स्पष्ट मिसाल पेश करते हुए श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है, जबकि स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री निशा मेहता को कड़ी चेतावनी दी गई है। सत्ता रूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामि छाने की लिखित सिफारिश में श्रम मंत्री पर पद के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया गया था।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

खबर के अनुसार दीपक कुमार साह ने अपनी पत्नी को लंबे समय से निष्क्रिय पड़े स्वास्थ्य बीमा बोर्ड में सदस्य के रूप में सक्रिय कराकर अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया। मंत्री बनने के महज 15 दिन के भीतर ही साह को पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि सरकार और पार्टी नेतृत्व भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग पर किसी भी प्रकार की नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। अपने मंत्रालय के प्रति अपेक्षित गंभीरता न दिखाने पर स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता को भी औपचारिक रूप से चेतावनी दी गई है, जिसे सरकारी हलकों में एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि अनुशासन और पारदर्शिता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

> दूसरे देशों में राजदूतों की नियुक्तियां प्राय: सत्ता दल की मर्जी पर ही होते हैं। इनमें ज्यादातर नियुक्तियां राजनीतिक होती हैं और कुछ ब्यूरोक्रेट्स आधारित। राजदूतों की नियुक्ति में यही प्रक्रिया नेपाल की भी है, लेकिन क्या नए राजदूत भी जेन जी श्रेणी के होंगे?

बालेन शाह की विदेश नीति पर दुनिया के करीब 182 देशों की नजर है, जहां से नेपाल के राजनयिक संबंध हैं। इसी के साथ इस बात को लेकर भी उत्सुकता है कि बालेन शाह बतौर नेपाली पीएम अपनी पहली विदेश यात्रा में किस देश को तरजीह देते हैं। पूर्व की सरकारों के प्रधानमंत्री अमूमन चीन अथवा भारत को अपनी प्राथमिकता में रखते थे।

बालेन सरकार की अभी तक जो कार्यशैली दिख रही है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि वे अपनी विदेश नीति को लेकर काफी गंभीर है। संभवतः इसी उद्देश्य से हाल में उन्होंने सिंह दरबार में विदेशों में तैनात अपने राजदूतों की मीटिंग ली है। आम तौर पर ऐसा नहीं होता रहा है। बालेन सरकार ने अभी भारत सहित छः देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है। अभी जिन देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी हुआ है उसमें भारत, चीन, अमेरिका, जापान,यूके,और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। इन देशों के राजदूतों को एक महीने के भीतर नेपाल वापस आना होगा। इसके पहले ऐसी ही नियुक्ति वाले 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का आदेश कार्की सरकार ने जारी किया था। आने वाले कुछ दिनों में अन्य देशों के राजदूतों में बदलाव संभव है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नागरिक शिष्टाचार भी संविधान का अंग

किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके संविधान, कानूनों या लोकतांत्रिक संस्थाओं से नहीं होती, बल्कि उस देश के नागरिकों के व्यवहार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से भी होती है। भारत का संविधान हमें अनेक मौलिक अधिकार प्रदान करता है, लेकिन साथ ही वह नागरिकों पर कुछ मौलिक कर्तव्यों का भी दायित्व डालता है। इन्हीं कर्तव्यों में नागरिक शिष्टाचार (Civic Sense) एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में सामने आता है।

आज भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, लेकिन नागरिक शिष्टाचार की कमी अक्सर इस विकास को बाधित करती दिखाई देती है। सड़क पर कचरा फेंकना, यातायात नियमों का पालन न करना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, सरकारी संस्थाओं में अनुशासनहीनता— ये सभी व्यवहार केवल सामाजिक समस्या नहीं हैं, बल्कि संविधान की भावना के भी विरुद्ध हैं।

संविधान के अनुच्छेद 51(क) में नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है। इसमें सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, देश की एकता और अखंडता बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण करना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना जैसे कर्तव्य शामिल हैं। ये सभी कर्तव्य सीधे तौर पर नागरिक शिष्टाचार से जुड़े हुए हैं। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर कचरा फेंकता है, तो वह केवल गंदगी नहीं फैला रहा होता, बल्कि

आकाश सपेलकर
वकील, सुप्रीम कोर्ट

पर्यावरण संरक्षण के संवैधानिक कर्तव्य का उल्लंघन भी कर रहा होता है। इसी प्रकार, सार्वजनिक संपत्ति जैसे बस, ट्रेन, सरकारी भवनों को नुकसान पहुंचाना संविधान की भावना के विपरीत है।

विकसित देशों की प्रगति का एक बड़ा कारण वहां के नागरिकों का अनुशासित व्यवहार और मजबूत नागरिक शिष्टाचार है। वहां लोग नियमों का पालन कानून के डर से नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में करते हैं। भारत में भी यदि नागरिक शिष्टाचार को मजबूत किया जाए, तो अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है— जैसे ट्रैफिक जाम, गंदगी, प्रदूषण और सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग। नागरिक शिष्टाचार का विकास केवल कानून बनाकर नहीं किया जा सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक संस्कार आवश्यक हैं। स्कूलों और कॉलेजों में नागरिक शिष्टाचार को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। परिवार भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां बच्चों को बचपन से ही अनुशासन और जिम्मेदारी की शिक्षा दी जा सकती है।

सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाएं। 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसे प्रयासों ने यह दिखाया है कि यदि नागरिकों को प्रेरित किया जाए, तो वे सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। अंततः, नागरिक शिष्टाचार केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। यदि हर नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन करे, तो भारत आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत राष्ट्र बन सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

रेवड़ियों की राजनीति व बढ़ता आर्थिक संकट

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव आया है। नीतियों का फोकस तेजी से फ्रीबीज यानी मुफ्त योजनाओं की ओर हुआ है। कभी सामाजिक सुरक्षा के औजार के रूप में देखी जाने वाली ये योजनाएं अब चुनावी रणनीति का केंद्र बन चुकी हैं। नकद हस्तांतरण, मुफ्त राशन, महिलाओं के लिए मासिक सहायता, बिजली-पानी सब्सिडी-इन सबने मिलकर एक ऐसा मॉडल तैयार किया है, जिसमें चुनाव जीतने का गणित सीधे 'सीधे लाभ' से जुड़ गया है, लेकिन इस मॉडल की कीमत क्या है? क्या यह वास्तव में गरीबों के सशक्तिकरण का रास्ता है या फिर अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाला एक दीर्घकालिक जोखिम? यही इस पूरे विमर्श का मूल प्रश्न है।

फ्रीबीज की राजनीति का सबसे बड़ा उभार 2020 के बाद देखने को मिला, जब विभिन्न राज्यों में चुनावी घोषणाओं में नकद सहायता और मुफ्त सेवाओं का अनुपात तेजी से बढ़ा। पश्चिम बंगाल की 'लक्ष्मीर भंडार' योजना, मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना', तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में महिलाओं के खातों में सीधे पैसे भेजने की योजनाएं- इन सबने एक नया ट्रेंड सेट किया। अब स्थिति यह है कि चुनावी घोषणापत्र 'विकास के वादों' से ज्यादा 'सीधे पैसे और सुविधाओं' के इर्द-गिर्द घूमने लगे हैं। राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की प्रतिस्पर्धा बन गई है कि कौन ज्यादा देगा, कौन ज्यादा तेज़ी से देगा और किस वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाएगा। इस प्रतिस्पर्धा ने लोकतांत्रिक राजनीति को 'नीतिगत बहस' से हटाकर 'आर्थिक ऑफर' की दिशा में मोड़ दिया है। फ्रीबीज की राजनीति का सबसे अहम पहलू है- महिला मतदाताओं को केंद्र में रखना। लगभग हर राज्य में महिलाओं के लिए अलग योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिनमें हर महीने 1000 से 2500 रुपये तक की नकद सहायता दी जा रही है। इस रणनीति के पीछे स्पष्ट गणित है। कई राज्यों में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक हो चुकी है। तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में महिलाओं का वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे में यह वर्ग चुनावी नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है।

> भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में नीतियों का फोकस तेजी से फ्रीबीज यानी मुफ्त योजनाओं की ओर हुआ है, लेकिन इस मॉडल की कीमत क्या है? क्या यह वास्तव में गरीबों के सशक्तिकरण का रास्ता है या फिर अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाला एक दीर्घकालिक जोखिम?

इन योजनाओं का सामाजिक असर भी दिखा है। कई गरीब परिवारों में महिलाओं के हाथ में पहली बार नियमित नकदी आई है, जिससे उनका घरेलू निर्णयों में प्रभाव बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी उठता है कि क्या यह वास्तविक सशक्तिकरण है या सिर्फ आर्थिक निर्भरता का नया रूप? फ्रीबीज की सबसे बड़ी आलोचना इसके आर्थिक प्रभाव को लेकर है। आंकड़े बताते हैं कि कई राज्यों में इन योजनाओं का खर्च कुल राजस्व का 30 से 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि सरकारों के पास विकास कार्यों के लिए पैसा कम बच रहा है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

मध्य प्रदेश में लाडली बहना और अन्य सब्सिडी योजनाओं पर सालाना करीब 50 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। तेलंगाना में चुनावी वादों को पूरा करने के लिए हर साल लगभग एक लाख करोड़ रुपये की जरूरत है। पंजाब में स्थिति और गंभीर है, जहां आय और खर्च के बीच बड़ा अंतर है और बजट संतुलन बिगड़ चुका है। इसका असर यह हो रहा है कि सरकारें लगातार कर्ज ले रही हैं। कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात बढ़ रहा है, जिससे भविष्य में वित्तीय संकट का खतरा बढ़ जाता है। छोटे राज्यों में तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि वेतन और पेंशन देने में भी दिक्कत आने लगी है। जब बजट का बड़ा हिस्सा फ्रीबीज पर खर्च होता है, तो सबसे पहले असर विकास परियोजनाओं पर पड़ता है। सड़क, पुल, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य- ये सभी क्षेत्र धीरे-धीरे फंड की कमी से प्रभावित होते हैं। राजस्थान जैसे राज्यों में सड़क और पानी परियोजनाओं का बजट कम करना पड़ा। महाराष्ट्र में कुछ पारंपरिक योजनाएं बंद करनी पड़ीं। इसका मतलब यह है कि तत्काल राजनीतिक लाभ के लिए दी जा रही राहत, दीर्घकालिक विकास को कमजोर कर रही है। यह स्थिति एक 'ट्रेड-ऑफ' पैदा करती है- क्या सरकारें आज राहत दें या भविष्य के लिए निवेश करें? अगर यह संतुलन बिगड़ता है, तो आने वाले वर्षों में रोजगार, औद्योगिक विकास और आर्थिक वृद्धि पर गंभीर असर पड़ सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पाप के अंत के लिए विधि को करनी पड़ती है व्यवस्था

रातों-रात धनी बनने एवं रौबदार जीवन जीने के लिए हमेशा झूठ बोलना, दूसरों को धोखा देना, चुगली-निंदा में लगे रहना तथा किसी से कुछ लेकर उसे वापस न करना, यह सब निंदनीय कार्य है। ऐसे कार्यों में लगे रहने वाला यदि धन कमा भी लेता है तो भी लोग उसे बुरी नजर से ही देखते है। उसकी बहुत जल्द बदनामी भी होने लगती है, लेकिन अपने रुआब में वह किसी की बात की परवाह नहीं करता है। प्रायः ऐसे लोग एक जबरदस्त गिरोह बना लेते हैं। लोगबाग गिरोह से मुकाबला न करने की स्थिति में चुप रहना ही उचित समझते हैं, लेकिन किसी न किसी दिन कोई ऐसा प्रकट हो जाता है जो ऐसे गिरोह को नेस्तनाबूद कर देता है। आए दिन समाज में देखने को मिलता है कि जिसके नाम से लोग थर्राते थे, उसका अंत अत्यंत बुरे ढंग से होता है। ऐसी स्थिति में इन कथित रुआबदारों का कोई साथ नहीं देता।

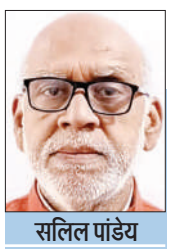

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

उदाहरण के रूप में लिया जाए तो द्वापर युग में कृष्ण का मामा कंस था। वह अन्यायी था। जब भविष्यवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी का आठवां पुत्र उसका विनाश करेगा, तब वह कांपने लगा। उसकी भरसक कोशिश यही थी कि देवकी के पुत्रों को वह मार डाले। उसने ऐसा जघन्य कार्य किया भी, लेकिन पाप का चूंकि अंत होना था, तो विधि ने ऐसी व्यवस्था की कि कृष्ण रातोंरात नन्द के घर चले गए और उनकी जगह योगमाया आ गई, जिसको जब कंस ने मारना चाहा तो योगमाया उसके हाथों से छूट कर आकाश मार्ग की ओर चली गई तथा कंस को चेतावनी देते हुए कहा, 'रे कंस, तुझे मारने वाला पैदा हो गया है।' योगमाया की इस ध्वनि को कंस ने 'काल-ध्वनि' के रूप में लिया और हर संभव कोशिश करने लगा कि कृष्ण को मार डाला जाए।

धार्मिक उद्धरणों की तरह समाज में पनपने वाले कंस सरीखे लोगों का भी यही हश्र होता है। कोई न कोई ऐसा प्रकट हो जाता है, जिसके हाथों ऐसे लोगों को सबक सिखाने का मौका मिल जाता है। अतः इंसान को चाहिए कि वह बुरी लतों से दूर रहे। वरना किसी न किसी दिन दंड मिलकर रहता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

डीपफेकः फिलहाल जागरुकता ही है बचाव का उपाय

डिजिटल युग में तो हम रमते जा रहे हैं, अब इस युग के आर्टिफिशियल इंटलिजेंस कल्चर से भी अछूते नहीं रहे। इसी कल्चर का एक हिस्सा अगर हमें प्रगति करने को स्मार्ट बना रहा है तो वहीं, दूसरा डीपफेक हमारी सिरदर्दी का बड़ा कारण बन चुका है। इस डीपफेक संस्कृति ने मानो कटाक्ष में अनैतिकता को देखकर कहे जाने वाले 'घोर कलयुग' की शब्दावली को वाकई परिभाषित कर दिया हो।

वास्तव में डीपफेक ने सत्य को ही संदेहास्पद बना दिया। अब आंखों देखी और कानो सुनी भी सत्य नहीं रहा। वीडियो, फोटो में हूबहू जिस शख्स को हम देखते हैं, विश्वास नहीं कर सकते कि वही हो। ऐसा ही आवाज के साथ है, किसी अपने की ही चिरपरिचित कॉल धोखा दे सकती है। पुरानी कहावत है, देखकर और कानो से सुनकर ही विश्वास करो। कैसे करें?

दरअसल, डीपफेक केवल मनोरंजन या चेहरे बदलने की तकनीक नहीं है। इसके खतरे विध्वंसकारी हैं। किसी लोकप्रिय नेता का भ्रामक डीपफेक बयान सामाजिक हिंसा की वजह बन सकता है। वहीं, निजी स्तर पर स्त्रियों के खिलाफ बढ़ते 'डिजिटल क्राइम' और 'वॉयस क्लोनिंग' के जरिए फाइनेंशियल-फ्रॉड ने समाज में एक अविश्वास का माहौल फैला रखा है। हकीकत यह है कि ऐसी तकनीक व्यक्ति की पहचान को ही हथियार बना रही है। हद तो यह है कि ईश्वरीय स्वरूप तक से छेड़छाड़ की जा रही है।

अजय दयाल
हल्द्वानी

याद कीजिए भारतीय परिवेश में हम 'सत्यम शिवम सुंदरम' की संस्कृति को जेहन में रखकर पले-बढ़े हैं। यह वाक्यांश भारतीय दर्शन में ईश्वर के शाश्वत स्वरूप को दर्शाता है, जहां सत्य यानी अविनाशी, शिव यानी कल्याणकारी और सुंदरम् यानी सौंदर्य को एक ही परम् तत्व ब्रह्म के तीन पहलू समझा गया है। सही मायनों में सत्यम यानी सत्य का अर्थ है जो कभी न बदले, जो त्रिकालाबाधित अर्थात अतीत, वर्तमान और भविष्य में एक समान रहे। शिवम् यानि शुभ या कल्याणकारी शिव का आशय उस तत्व से है, जो सर्वोच्च शुभ है और जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाया हुआ है। इसी तरह सुंदरम् यानी सुंदर या सौंदर्य का आशय शारीरिक सुंदरता से नहीं बल्कि परम् सत्य के साथ सामंजस्य में होने वाली सुंदरता से है। भारतीय दर्शन कहता है कि किसी भी कार्य, नीति या वस्तु की तभी स्वीकार्यता है, जब उसमें तीनों गुण- सत्य, कल्याण और सुंदरता विद्यमान हों। अब ऐसे में मौजूदा डीपफेक कल्चर, क्या हमारी पुरातन अथवा सनातनी संस्कृति के साथ घृणित मजाक नहीं?

लगता है 21वीं सदी में सत्य की परिभाषा ही बदल गई है। जिस एआई तकनीक ने हमें भविष्य के सपने दिखाए थे, उसी का एक भाग डीपफेक अब हमारे वर्तमान के लिए सिरदर्द बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए सच दिखने वाले फेक वीडियो और ऑडियो ने दिग्भ्रमित कर रखा है। यहां सवाल केवल तकनीक के दुरुपयोग का नहीं, बल्कि हमारी डिजिटल सुरक्षा और लोकतांत्रिक व निजी मूल्यों के अस्तित्व के साथ हनन का भी है।

राहत की बात यह है कि इस संकट से निपटने के लिए दुनिया अब सतर्क-सचेत हो रही है। भारत सरकार ने इस दिशा में सख्त कदम उठाए हैं। आईटी नियमों (2021) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय हो गई है। ऐसे में 24 घंटे के भीतर आपत्तिजनक सामग्री हटानी होगी। इतना ही नहीं, इंटेल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे डिजिटल दुनिया के दिग्गज अब ऐसे डिटेक्शन टूल्स (जैसे फेक कैचर) विकसित कर रहे हैं, जो हयूमन बॉडी के सूक्ष्म जैविक संकेतों (जैसे ब्लड फ्लो) के आधार पर असली और नकली का अंतर साफ कर सकते हैं। वहीं, 'डिजिटल वॉटरमार्किंग' जैसे प्रयोग भविष्य में कंटेंट की प्रामाणिकता को प्रमाणित करने के लिए एक डिजिटल पासपोर्ट का काम करेंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

लोकायुक्त छापे में मिली 14 करोड़ की संपत्ति

बेलगावी। कर्नाटक लोकायुक्त ने बेलगावी में जिला शहरी विकास विभाग के एक सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) के घर पर छापेमारी कर सोने, चांदी, बैंक जमा और संपत्तियों सहित 14 करोड़ रुपये से अधिक की आय से अधिक संपत्ति का पता लगाया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह छापेमारी जिला शहरी विकास प्रकोष्ठ (डीयूडीसी) के एईई अजयसिंह बापूसिंह राजापुर से जुड़ी संपत्तियों पर की गई। लोकायुक्त के अधिकारियों ने शुक्रवार को राजपुर के घर, कार्यालय और बैंक सहित सात स्थानों पर एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान लोकायुक्त अधिकारियों ने बेलगावी में तीन घरों, एक कार्यालय और एक बैंक लॉकर का निरीक्षण किया।

नौकरी के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और साइबर फ्रॉड में संलिप्त एक आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने लोगों से रकम लेकर धोखाधड़ी करने के साथ ही अपना बैंक खाता साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर रकम ऐंठने का मामला सामने आया है। ग्राम दवना निवासी विजय प्रताप ने 29 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भूपेन्द्र विश्वकर्मा ने एसईसीएल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 16. फरवरी 2024 से वर्ष 2025 के बीच उससे 20 हजार रुपये तथा रिश्तेदार रतन सिंह से 35 हजार रुपये लिये। नौकरी नहीं लगने पर पैसे वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करता रहा।

महासमुंद में 5 करोड़ कीमत की ड्रग्स नष्ट

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग प्रकरणों में जब्त 996 किलोग्राम गांजा नष्ट किया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह कार्रवाई बेलसोंडा स्थित बालाजी पावर प्लांट में जिला स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में संपन्न हुई। पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 के एक तथा वर्ष 2026 के दो प्रकरणों में जब्त कुल 996 किग्रा गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत पांच करोड़ दो लाख 50 हजार रुपये है।

पन्ना में महिला पर बाघ ने किया हमला

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में महुआ बीनकर घर लौट रही एक महिला पर शुक्रवार की शाम अचानक बाघ ने हमला बोल दिया। महिला के साथ मौजूद ग्रामीणों ने दिल दहला देने वाली इस घटनाक्रम के दौरान साहस दिखाया, फलस्वरूप महिला की जान बच गई। घायल महिला को जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया है। उत्तर वन मंडल पन्ना अंतर्गत विश्रामगंज रेंज के जंगल से ग्रामीण महुआ बीनकर वापस घर लौट रहे थे, उसी समय बाघ ने रामकली कोंदर के ऊपर हमला कर दिया।

प्रौद्योगिकी अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, संवैधानिक साधन है

न्यायिक प्रक्रिया के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन विषयक सम्मेलन में बोले सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत बोले, यह ऐसा उपकरण जो कानून के समक्ष समानता मजबूत करता है

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अब केवल एक प्रशासनिक सुविधा नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संवैधानिक साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा उपकरण है जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करता है, न्याय तक पहुंच का विस्तार करता है और न्यायपालिका को प्रक्रियात्मक रूढ़ियों से ऊपर उठने की अनुमति देता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायिक प्रक्रिया के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी न्याय प्रणाली के मूल में एक सरल लेकिन स्थायी वादा निहित है कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसके पास कितने भी साधन या परिस्थितियां हों, निष्पक्ष, समय पर और प्रभावी तरीके से न्याय प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और जितिन प्रसाद की उपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों, न्यायिक अधिकारियों, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और जिला न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय प्रणाली में सुधार का माप इस बात से किया जाता है कि नागरिक, वकील और अन्य हितधारक इससे कितना सार्थक रूप से लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक न्यायालय एक एकीकृत डिजिटल न्यायालय के रूप में कार्य करे, जो न केवल हाइब्रिड सुनवाई सुविधाओं से लैस हो, बल्कि पूरी तरह से कागजी कार्रवाई रहित न्यायालय के रूप में भी कार्य करने में सक्षम हो। प्रौद्योगिकी एक संवैधानिक साधन बन गई है। यह अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं है बल्कि यह एक ऐसा उपकरण है जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करता है, न्याय तक पहुंच का विस्तार करता है और न्यायपालिका को प्रक्रियात्मक रूढ़ियों से ऊपर उठने में सक्षम बनाता है।

सीजेआई ने कहा कि उनके पास स्वाभाविक रूप से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है, एक ऐसा भविष्य जहां न्याय केवल एक ऐसी जगह पर नहीं मिले जहां कोई जाता है, बल्कि एक ऐसी सेवा हो जो निर्बाध, पारदर्शी और प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि अब यह केवल दूर के भविष्य की आकांक्षा नहीं है बल्कि इस पर काम पहले से ही हो रहा है। ई-समिति सक्रिय रूप से डिजिटल नींव का निर्माण कर रही है जो प्रौद्योगिकी को किसी भी मामले के संपूर्ण स्तर में सहायक बनाएगी और न्याय वितरण प्रणाली के सभी हितधारकों को एकीकृत करेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने रेखांकित किया कि भारत जैसे सामाजिक और भौगोलिक रूप से विविध देश में वास्तविक सुलभता के बिना डिजिटलीकरण सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 2,331 ई-सेवा केंद्रों की स्थापना ने इस संबंध में अहम भूमिका निभाई है।

केवल पूंजी या नीति से 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता भारत

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देश केवल पूंजी या नीति के जरिये से 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता है, बल्कि इसमें कानूनी प्रणाली की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण कारक होगी। उन्होंने विकसित होती अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए कानूनी ढांचे में आमूलचूल बदलाव का आह्वान करते हुए यह बात कही। सीजेआई ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वाणिज्यिक कानून में पूर्वानुमान, विशेषज्ञता और सद्भावना की संस्कृति की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए ऐसी पूंजी की आवश्यकता होगी, जिसमें दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं शामिल हों और जिसके लिए निवेशक का विश्वास अनिवार्य है।

आशा भोसले की तबीयत बिगड़ी अस्पताल में भर्ती

मुंबई। दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले को शनिवार शाम को छाती में संक्रमण और कमजोरी के कारण यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी पोती जनाई भोसले ने यह जानकारी दी। बयानवे-वर्षीय गायिका को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहले यह जानकारी मिली थी कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और फेफड़ों से संबंधित समस्याएं भी थीं। इसके बाद जनाई ने इंस्टाग्राम पर भोसले के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी दादी आशा भोसले को अत्यधिक कमजोरी और छाती में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम आपसे निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं। उनका इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा। हम आपलोगों को निश्चित तौर पर सूचित करते रहेंगे। आशा भोसले का करियर आठ दशकों से अधिक का रहा है।

कई वाहनों में टक्कर से 13 लोगों की मौत, 30 घायल

कटिहार, एजेंसी

● बिहार के कटिहार जिले में शनिवार शाम हुआ हादसा

बिहार के कटिहार जिले में शनिवार शाम बस, ट्रक और पिकअप वैन की आपस में हुई टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिखर चौधरी ने बताया कि कटिहार के कोढ़ा प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 31 पर शाम साढ़े छह बजे यह दुर्घटना हुई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। शुरू में दुर्घटना में सात लोगों की मौत बताई गई थी, लेकिन घायल हुए छह लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि पिकअप वैन में यात्रा कर रहे लोग पड़ोसी पूर्णिया जिले से आ रहे थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। आशंका है कि बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

महाराष्ट्र में चार की मौत, सात घायल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक ट्रक और एक पिकअप वाहन के बीच हुई दुर्घटना में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें से तीन झुलस गए और सात लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सिन्नर तालुका में शाहा-पंचाले रोड पर शिंदेवाड़ी शिवर के पास हुई। लगभग एक दर्जन लोग पांगरी में रिश्तेदार के यहां एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पंचाले स्थित अपने घर लौट रहे थे।

मादक पदार्थ और अवैध हथियार रैकेट का भंडाफोड़

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने सीमा के उस पार से मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी के रैकेट का शनिवार को भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया तथा 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि बटाला पुलिस ने छह कारतूसों के साथ एक .30 कैलिबर की पिस्तौल और एक लाख रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा कि एक बड़ी सफलता, बटाला पुलिस ने सीमा के उस पार मादक पदार्थ और अवैध हथियारों के रैकेट का भंडाफोड़ किया, दो आरोपियों को पकड़ लिया और 6.5 किलोग्राम हेरोइन, छह कारतूसों के साथ एक .30 कैलिबर पिस्तौल तथा मादक पदार्थ से अर्जित किए गए एक लाख रुपये बरामद किए। यह बरामदगी जबरन वसूली, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियार नेटवर्क के बीच मजबूत सांठगांठ को उजागर करती है।

रियल एस्टेट कंपनी पर छापा, 6 करोड़ बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईडी की कार्रवाई में साढ़े सात करोड़ रुपये के आभूषण मिले

ईडी ने दिल्ली में स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ छापेमारी के दौरान 6.3 करोड़ रुपये नकद और 7.5 करोड़ रुपये के आभूषण जब्त किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह कंपनी घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रही है और वर्तमान में दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है।

यह कार्रवाई पीएमएलए के तहत शुक्रवार को की गई, जिसमें कंपनी अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के पूर्व निदेशकों, प्रवर्तकों और उनसे जुड़े संस्थानों के दिल्ली और गुरुग्राम स्थित 10 परिसरों पर छापे मारे गए। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी जून 2018 से कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी के पूर्व निदेशकों और प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज पांच प्राथमिकियों और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय की शिकायत पर दर्ज किया गया।

ईडी ने बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी का घर 5 घंटे तक खंगाला

कोलकाता। ईडी ने विद्यालयों में शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों पर भर्ती में हुए घोटाले के सिलसिले में शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के आवास पर पांच घंटे तक छापेमारी की कार्रवाई की। ईडी की टीम ने 23 और 29 अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले उनके आवास की तलाशी ली।

मणिपुर में हथियार से भरे बोरे बरामद, दो गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचंदपुर जिले में सुरक्षा बलों ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और खसखस से भरे बोरे बरामद किए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को शुक्रवार को चूड़ाचांदपुर थाना क्षेत्र के टी बंगला एमवीसीपी इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक कार्बाइन, नौ मिमी की एक पिस्तौल, 1,800 किलोग्राम खसखस से भरे 36 बोरे और दो वाहन जब्त किए गए।

● 36 बोरों में एक कार्बाइन और एक पिस्तौल के अलावा मिले 18 सौ किलोग्राम खसखस

वहीं, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने चंदेल जिले के चकपिकारोंग थाना क्षेत्र में ताइजांग गांव के वन क्षेत्र से हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा भी बरामद किया। बरामद किए गए सामान में एके-47 राइफल, मैगजीन सहित चार देसी बंदूकें, सात मोर्टार, आईईडी बनाने से संबंधित सामग्री और पांच वॉकी-टॉकी सेट शामिल हैं। मणिपुर में दो वर्ष पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से ही सुरक्षा बल राज्य में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। मई 2023 में मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच हुई जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

महाराष्ट्र में कार पार्किंग में उतरा मंत्री का हेलीकॉप्टर

पुणे, एजेंसी

● सुरक्षा में बड़ी चूक, बाल-बाल बचे मंत्री छगन भुजबल

● महात्मा फूले जयंती समारोह में पहुंचना था भुजबल को

महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल आज उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनके हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान बड़ी चूक सामने आई। जानकारी के अनुसार, पुरंदर के खानवड़ी क्षेत्र में पायलट की गलती के कारण हेलीकॉप्टर निर्धारित हेलीपैड के बजाय कार पार्किंग स्थल पर उतर गया।

भुजबल को महात्मा फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचना था। प्रशासन द्वारा अलग से अधिकृत हेलीपैड तैयार किया गया था, लेकिन पायलट ने पास के खुले स्थान (पार्किंग क्षेत्र) को ही लैंडिंग स्थल समझ लिया। अचानक हुई इस लैंडिंग से मौके पर मौजूद लोगों में कुछ समय के लिए अफरातफरी मच गई। हाल के वर्षों में वीआईपी से जुड़े विमान हादसों की पृष्ठभूमि में इस घटना ने सुरक्षा और समन्वय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई या मानवीय त्रुटि के चलते। महाराष्ट्र में इसके पहले विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजीत पवार की जान चली गई थी। ऐसे में इस मामले ने सवाल खड़ा किया है।

घर की बालकनी गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत, एक घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के वजीरपुर इलाके में शनिवार को एक पुराने मकान की बालकनी गिरने से पांच साल के एक बच्चे की मौत हो गई और एक बच्ची घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, भारत नगर पुलिस थाने में जेजे कॉलोनी में एक झुग्गी के गिरने की सूचना पीसीआर के माध्यम से मिली। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और इस घटना में घायल हुए दो बच्चों को दीप चंद बंधु अस्पताल ले गई, जहां दिव्यांशु (पांच वर्ष) को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि रिंकी (10 वर्ष) का इलाज चल रहा है।

● उत्तर-पश्चिम दिल्ली के वजीरपुर इलाके में पुराने मकान में हुई घटना, पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की टीम और एफएसएल के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 11 बजे तब हुई जब कुछ बच्चे इमारत के पास एक गली में खेल रहे थे और बालकनी अचानक नीचे गिर गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पुराने घर के पास वाली गली में बच्चे खेल रहे थे तभी अचानक तेज आवाज के साथ बालकनी गिर गई। दो बच्चे मलबे के नीचे दब गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई। चीखें सुनकर हममें से कुछ लोग मदद के लिए दौड़े और बच्चों को बाहर निकाला।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

भाजपा यूसीसी लागू करेगी, बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-समाप्त की जाएगी तुष्टीकरण की राजनीति

जंगीपुर (प. बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा में अभिवादन करते प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने शनिवार को एक जनसभा के दौरान तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त करने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा किया। साथ ही कहा कि भाजपा बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने आगामी विधानसभा चुनावों को पश्चिम बंगाल की पहचान और भविष्य की रक्षा की लड़ाई के रूप में पेश किया, जबकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और घुसपैठियों के समर्थन का आरोप लगाया।

मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पार्टी का घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद कहा कि देश की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा का संकल्प है कि पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की राजनीति को हमेशा के लिए समाप्त करने के वास्ते यूसीसी लागू किया जाये। मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने अपना पुराना नारा मां-माटी-मानुष त्याग दिया है और अब सत्ता बरकरार रखने के लिए घुसपैठियों और वोट बैंक की राजनीति पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल अब तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगा। हम बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

मोदी ने कहा कि यह चुनाव पश्चिम बंगाल की पहचान को बचाने के लिए है। मोदी ने कहा कि बंगाल का इतिहास गवाह है कि जब वह बदलाव का संकल्प लेता है, तो दुनिया की कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती। जिसने भी बंगाल को चुनौती दी, उसका अहंकार चकनाचूर हो गया, अंग्रेजों से लेकर कांग्रेस और वामपंथियों तक... अब तृणमूल कांग्रेस की बारी है। मोदी ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद तृणमूल कांग्रेस वाममोर्चा की कार्बन कॉपी बन गई है।

पश्चिम बंगाल से तृणमूल का सिंडिकेट राज खत्म करेंगे : अमित शाह

ओंडा/छतना (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो वह तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट राज को समाप्त कर देगी। शाह ने यह भी कहा कि राज्य में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। बांकुड़ा जिले के छतना में भाजपा की रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहानुभूति बटोरने के लिए खुद को पीड़ित के रूप में पेश कर रही हैं। शाह ने कहा कि ममता बनर्जी पीड़ित कार्ड खेलती हैं। कभी-कभी वह सहानुभूति पाने के लिए अपने पैर या सिर पर पट्टी बांध लेती हैं। ममता दीदी, इस चुनाव में आप चाहे अपने पैर, सिर या हाथ पर पट्टी बांध लें, बंगाल की जनता आपको वोट नहीं देगी। आरोप लगाया कि बंगाल में गुंडे और घुसपैठिए राज करते हैं। बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली में शाह ने आलू किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी उपज को देशभर में भेजा जाएगा, ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

फर्जी वोट डाला, गिरफ्तार

पुडुचेरी, एजेंसी। पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए 9 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान मन्नादिपेट निर्वाचन क्षेत्र में फर्जी वोट डालने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वह व्यक्ति जवाहरलाल नेहरू सामुदायिक केंद्र स्थित मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने आया था।

तमिलनाडु: चुनाव के लिए मैदान में उतरे 4,023 उम्मीदवार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में कुल 4,023 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। उम्मीदवारों की संख्या तय होने के साथ ही 234 सदस्यों वाली विधानसभा को चुनने के लिए होने वाले इन बेहद रोमांचक चुनावों की बिसात साफ तौर पर बिछ गई है, जिसमें कई पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला नजर आ रहा है। सीटों के बंटवारे, निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान, उम्मीदवारों के नाम तय करने, नामांकन दाखिल करने, उनकी जांच और नाम वापस लेने की चुनाव-पूर्व प्रक्रिया समाप्त हो गई, अब एक जोरदार चौतरफा मुकाबले के लिए मंच तैयार है। इसे बुद्धिमत्ता की लड़ाई और चुनावी मैदान में बिना किसी रोक-टोक के होने वाला मुकाबला' कहा जा रहा है। राज्य में 09अप्रैल को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख खत्म हो गयी है।

भाजपा ने भवानीपुर में मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने की कोशिश की: ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी

कोशियारी में चुनावी रैली को संबाधित करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके खिलाफ दो झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश कर निर्वाचन आयोग की मदद से दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर सीट से उनकी उम्मीदवारी रद्द कराने का प्रयास किया लेकिन तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने उसकी यह कोशिश विफल कर दी।

बनर्जी ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से 90 लाख मतदाताओं के नाम जबरन हटवाने का आरोप भी लगाया। बनर्जी के सामने अपनी भवानीपुर सीट बरकरार रखने के लिए विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की चुनौती है। बनर्जी ने अधिक ब्योरा दिए बिना कहा कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश कर भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने का प्रयास किया लेकिन हमने उसकी साजिश नाकाम कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ने और जीतने का साहस नहीं है, इसलिए वह फर्जी तरीकों से जबरन वोट कब्जाने की साजिश रच रही है।

महिला सशक्तीकरण और बाल कल्याण, मेरे दिल के करीब : स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा है कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई कई कल्याणकारी पहलों में से दो योजना (महिलाओं को मासिक राशि प्रदान करने से जुड़ी योजना और' मुख्यमंत्री नाश्ता योजना) उनके दिल के बेहद करीब हैं।

मुख्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में बताया कि जहां महिला सशक्तीकरण योजना, जिसे देश के अन्य राज्यों में भी अपनाया जा रहा है, इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई नाश्ता योजना के अनगिनत लाभ हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अपनी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे कई कल्याणकारी कार्यक्रमों में से उन योजनाओं का नाम बता सकते हैं जिनसे उन्हें अपार संतुष्टि मिली है। इसके जवाब में उन्होंने कहा-द्रविड़ मॉडल शासन में हमने जितनी भी योजनाएं लागू की हैं, वे सभी बहुत महत्वपूर्ण पहल हैं। हालांकि, मैं यह कहना चाहूंगा कि हमने कई योजनाएं लागू की हैं, लेकिन उनमें से दो योजनाएं मेरे दिल के बेहद करीब हैं। ये दो योजनाएं हैं कलैगनार मगलिर उरिमाई थोगाई योजनाऔर मुख्यमंत्री नाश्ता योजना। कहा-कलैगनार मगलिर उरिमाई थोगाई योजना' के तहत परिवार की महिला मुखिया को प्रति माह 1,000 रुपये दिए जाते हैं। आज यह भारत में सबसे सफल ढंग से लागू की गई योजना है। उन्होंने कहा-जिन्होंने तब इसकी आलोचना की थी, वही लोग आज अपनी-अपनी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों में इस योजना को लागू कर रहे हैं। अब हम इस राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये करने जा रहे हैं।

यह योजना इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना के रूप में दर्ज होगी। उन्होंने कहा-हमने स्कूलों में नाश्ता कार्यक्रम शुरू किया ताकि कोई भी बच्चा भूखा स्कूल न जाए। बाद में, हमने इसे सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों तक विस्तारित किया। हम अगली सरकार में इसे कक्षा आठ तक विस्तारित करेंगे।

बिजली कंपनियां ने किया एचईआरसी का रुख

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की बिजली वितरण कंपनियों ने ईंधन अधिभार की वसूली से जुड़े नियमों में राहत देने की मांग करते हुए हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) का रुख किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 12 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2595, राज श्री 1980, फ़ॉर्चून कि . 2715, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2395, जय जवान 2125, सचिन 2320, सूरज 2125, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2550

किराना–निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल–(प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4300

दाल दलहन–मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी– पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम– सोना पक्के आभूषण 152300,सोना गिन्नी 148300, चांदी(पक्की) 2425 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

मारुति 2031 तक चार नए ईवी पेश करेगी

हैदराबाद। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड वर्ष 2031 तक चार नए इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए आयोजित एक कार्यक्रम में एक ही दिन में ई-विटारा की 108 इकाइयां ग्राहकों को सौंपी। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि यह ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है, क्योंकि कंपनी स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

5पैसा कैपिटल के इश्यू को 1.24 गुना अभिदान

नई दिल्ली। डिजिटल निवेश मंच 5पैसा कैपिटल ने 468 .8 करोड़ रुपये का अपना राइट इश्यू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसे 1.24 गुना अभिदान मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, यह इश्यू 27 मार्च को खुला था और शुक्रवार को बंद हुआ। इसमें 1.56 करोड़ शेयरों के मुकाबले करीब 1.93 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। राइट इश्यू का मूल्य 300 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। पात्र शेयरधारकों को हर दो शेयर पर एक राइट शेयर खरीदने का अधिकार दिया गया था।

अब डीजल पर 55.5, एटीएफ पर 42 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शनिवार को डीजल के निर्यात शुल्क या अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए यह दर अब 42 रुपये प्रति लीटर होगी। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का

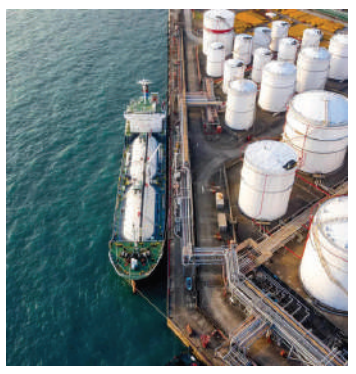

उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

निर्यातकों पर पिछली बार 26 मार्च को डीजल पर 21.50 रुपये और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क लगाया था

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने के बाद तेहरान की ओर से व्यापक जवाबी कार्रवाई की गई थी।

हालांकि, आठ अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हुए, जिससे पूरे पश्चिम एशिया और वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैदा हुआ व्यवधान फिलहाल थमा है। पेट्रोल पर निर्यात शुल्क इस समय शून्य बना हुआ है।

हरियाणा के सीएम ने प्रमुख क्षेत्रों के लिए निवेशकों को किया आमंत्रित

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को उद्योगपतियों और निवेशकों से राज्य में खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। सैनी ने ''टाईकॉन चंडीगढ़ शिखर सम्मेलन 2026'' में 12 देशों और 27 राज्यों से आए उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सरल प्रक्रियाओं, डिजिटल प्रशासन और पारदर्शी व्यवस्था के जरिए उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है, जिससे कारोबार करना आसान हुआ है।

कहा कि हरियाणा में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और करीब 28,000 इकाइयां पहले से संचालित हैं, जबकि इस क्षेत्र में अभी भी काफी संभावनाएं मौजूद हैं। लॉजिस्टिक क्षेत्र का उल्लेख करते हुए सैनी ने कहा कि हरियाणा देश में तीसरे और उत्तर भारत में पहले स्थान पर है। राज्य का लगभग 57 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आता है, जिससे यह एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में निवेश को भी बढ़ावा देने की अपील की और कहा कि इसके लिए प्रगतिशील नीतियां, प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति श्रृंखला बनाये रखने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ वर्चुअल माध्यम से बात की। इस दौरान उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति श्रृंखला बनाये रखने की जरूरत पर बल दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्षों ने संघर्ष के कारण क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव को स्वीकार किया और व्यापार में सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर प्रयास करते हुए जल्द सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

● केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री से की बात

श्री गोयल ने सऊदी अरब और खाड़ी क्षेत्र में निर्यात को समर्थन देने के लिए भारत द्वारा उठाये गये कदमों का उल्लेख किया।

दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी और भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में शीघ्र प्रगति की आशा व्यक्त की। श्री गोयल ने उम्मीद जतायी कि हाल ही में घोषित युद्धविराम से क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने हालिया संघर्ष के दौरान सऊदी अरब में हुए हमलों की निंदा की और भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए वहां की सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। इस बैठक में भारत-सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इससे पहले श्री गोयल ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत तथा बहरीन के अपने समकक्षों के साथ भी वर्चुअल माध्यम से अलग-अलग बात की थी। इन सभी बैठकों में उन्होंने पश्चिम एशिया में जल्द स्थायी शांति बहाली की कामना की, आपूर्ति श्रृंखला संबंधी बाधाओं को दूर करने में सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बढ़ता जा रहा है अमीर और गरीब देशों के बीच का अंतर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● वाशिंगटन में आईएमएफ और विश्व बैंक की बैठकों से ठीक पहले जारी की गई रिपोर्ट

● ईरान युद्ध से विश्व अर्थव्यवस्था के भविष्य पर छाए अनिश्चितता के गहरे बादल

अमीर-गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई को कम करने के लिए वैश्विक वित्तीय संस्थानों में बड़े सुधार समेत जिन ऐतिहासिक फैसलों पर पिछले साल सहमति बनी थी, उनके पूरा नहीं होने से जहां समृद्ध राष्ट्र और मजबूत होते जा रहे हैं। वहीं गरीब देश विकास की दौड़ में पीछे छूटते जा रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में दी गई है।

स्पेन के सेविले में पिछले साल जून में अपनाए गए खाके का आकलन करती यह रिपोर्ट अगले हफ्ते वाशिंगटन में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की अहम बैठकों से ठीक पहले जारी की गई है। पिछले साल जून में अपनाई गई इस रूपरेखा का उद्देश्य अमीर-गरीब देशों के बीच की खाई को पाटना और 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के विकास लक्ष्यों को हासिल करना है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि वैश्विक विकास को गति देने की पूरी तैयारी थी, लेकिन ईरान युद्ध के कारण अब विश्व अर्थव्यवस्था के भविष्य पर अनिश्चितता के गहरे बादल छा गए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक और सामाजिक मामलों के अवर महासचिव ली जुनहुआ ने चेताया कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों की चुनौतियों को और गंभीर बना रहे हैं, जिससे उनके लिए वित्तीय संसाधन जुटाना पहले से कहीं अधिक कठिन होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए यह समय बेहद जोखिमभरा बनता जा रहा है, क्योंकि भू-राजनीतिक हित अब तेजी से आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों की दिशा तय करने लगे हैं।

रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि बढ़ती व्यापारिक बाधाएं और एक के बाद एक आ रही जलवायु संबंधी आपदाएं भी इस बढ़ती खाई को और चौड़ा कर रही हैं। पिछले वर्ष सेविले में आयोजित सम्मेलन में अमेरिका को छोड़कर कई देशों के नेताओं ने सर्वसम्मति से सेविले प्रतिबद्धता को अपनाया था, जिसका उद्देश्य विकास के लिए हर साल मौजूद चार हजार अरब डॉलर की वित्तीय कमी को पाटना था।

परीक्षण के लिए एक साल में तैयार होगा वंदे भारत स्लीपर का प्रारूप

नयी दिल्ली, एजेंसी

● आरवीएनएल के 21वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीईओ सतीश कुमार ने दी जानकारी

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के नेतृत्व वाले संयुक्त उपक्रम द्वारा बनाई जा रही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का प्रारूप एक वर्ष के भीतर परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा।

आरवीएनएल के 21वें स्थापना दिवस समारोह में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर कंपनी की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इसका प्रारूप एक वर्ष के भीतर परीक्षण के लिए पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कंपनी को 120 ट्रेन की आपूर्ति करनी होगी। हालांकि सतीश कुमार ने कोई निश्चित समय नहीं बताया, लेकिन आरवीएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सलीम अहमद ने हाल ही में कहा था कि यह प्रारूप जून 2026 में पेश किया जा सकता है।

अधिकारियों के अनुसार, काम तेज गति से जारी है, लेकिन जून 2026 तक परीक्षण संभव नहीं लग रहा है और इसमें अगले वर्ष तक देरी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 जनवरी को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की जोड़ी को कामाख्या और हावड़ा के बीच हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अन्य वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के संचालन को लेकर कई तरह की अटकलें हैं, लेकिन इस संबंध में रेल मंत्रालय ने अभी तक कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है।

जानकारी

कितने बैंक अकाउंट

बैंक अकाउंट महज एक जरूरत नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। इसमें आपकी सैलरी आती है, EMI कटती है, सब्सिडी आती है। ये बैंक के माध्यम से ही होता है। ऐसे में लोग एक से अधिक बैंक खाते खुलवा लेते हैं। लेकिन बड़ा प्रश्न ये है कि आखिर एक व्यक्ति कितन खाते खुलवा सकता है? क्या ज्यादा अकाउंट रखना सही है? तो अगर आप भी इसी दुविधा में फंसे हैं तो ये पूरा आलेख आपके लिए काम की बात है, इसे जरूर पढ़िए–

आपके काम की बात-

- बैंक अकाउंट जितने चाहें खोल सकते हैं लेकिन हर अकाउंट की जिम्मेदारी भी होती है। ऐसे में समझदारी सीमित अकाउंट रखने में ही है। इससे आपकी फाइनेंशियल लाइफ आसान भी रहेगी और सुरक्षित भी।

क्या सच लिमिट नहीं है?

- रिजर्व बैंक ने यह तय नहीं किया है कि एक व्यक्ति कितने बैंक खाते खोल सकता है।
- आप अपनी जरूरत के हिसाब से कई अकाउंट खोल सकते हैं, लेकिन ज्यादा अकाउंट का अर्थ हमेशा ज्यादा नियम और जिम्मेदारी होती है।

बैंक अकाउंट कितने प्रकार के?

जरूरत के हिसाब से अलग-अलग खाते होते हैं–

- **सेविंग अकाउंट :** आम लोगों के लिए, ब्याज मिलता है।
- **सैलरी अकाउंट :** नौकरीपेशा लोगों के लिए, खास फायदा–ये जीरो बैलेंस होते हैं।
- **करंट अकाउंट :** बिजनेस के लिए श्रेष्ठ, यानी ज्यादा ट्रांजेक्शन
- **जॉइंट अकाउंट :** परिवार या पार्टनर के साथ। इनमें हर अकाउंट का अलग काम और लाभ है।

अकाउंट जरूरी क्यों?

- सैलरी सीधे खाते में आती है। सरकारी योजनाओं का पैसा मिलता है। ऑनलाइन पेमेंट और UPI इसी से चलते हैं। अब तो बच्चों के लिए भी बैंक अकाउंट खोले जा रहे हैं ताकि शुरुआत से ही बचत की आदत बने साथ ही सरकार स्कॉलरशिप भी इसी में भेजती है।

ज्यादा अकाउंट रखने में समस्या?

ज्यादा अकाउंट देखने में अच्छा है लेकिन कई समस्याएं भी होती हैं–

- हर खाते में मिनिमम बैलेंस। (कुछ बैंकों में अभी भी जरूरी है)
- डेबिट कार्ड और मेंटेनेंस चार्ज अलग से लगत हैं।
- इससे धीरे-धीरे आपकी बचत कम होने लगती है।

आईटीआर भरते समय रिस्क संभव

- भारत आपको हर अकाउंट की जानकारी देनी पड़ती है।
- अब कोई सूचना छूट गई तो समस्या होगी।
- इससे ITR फाइलिंग कठिन हो जाता है

एनएसई ने शुरू की नैनो सेकेंड में ऑर्डर की पुष्टि

नयी दिल्ली, एजेंसी

● मुद्रा, कॉमोडिटी, कैश और इक्विटी डेरिवेटिव खंडों में 'तत्काल पुष्टि' फीचर लागू

मात्रा के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े वायदा कारोबार एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शनिवार से मुद्रा डेरिवेटिव, कॉमोडिटी डेरिवेटिव, कैश (कैपिटल मार्केट) और इक्विटी डेरिवेटिव खंडों में अपना 'तत्काल पुष्टि' फीचर लागू कर दिया है।

इसके जरिए अब ऑर्डर की पुष्टि नैनोसेकंड (सेकंड के एक अरबवें हिस्से) में मिल रहा है, जो पहले के लगभग सेकंड के 10 हजारवें हिस्से से काफी तेज है। यह उपलब्धि एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम में एक बड़ा और अहम सुधार दर्शाती है, जो देश को वैश्विक एक्सचेंज प्रौद्योगिकी में और मजबूत बनाती है। साथ ही, यह एक्सचेंज की पारदर्शी, तेज और विश्वस्तरीय पूंजी बाजार तंत्र बनाने की प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देती है।

एनएसई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नये और बेहतर प्रोसेस के तहत अब एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम को भेजे गये हर ऑर्डर की नैनोसेकंड में तुरंत पुष्टि हो रही है। ऑर्डर मिलने की तत्काल पुष्टि इसके बाद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार स्वीकृकि या अस्वीकृति का संदेश आता है। इससे बाजार में सौदा करने वाले लोग अपने ऑर्डर की जानकारी तुरंत ट्रैक कर सकते हैं और पहले से ज्यादा भरोसे तथा पारदर्शिता के साथ काम कर सकते हैं। फिलहाल दुनिया का कोई भी दूसरा एक्सचेंज ऐसा नहीं है, जो नैनोसेकंड में प्रतिक्रिया देने का दावा करता हो। नये एन्क्रिप्शन सिस्टम के तहत लागू किये गये तत्काल पुष्टि फीचर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया।

सबसे पहले 12 जुलाई 2025 से करंसी डेरिवेटिव में इससे लागू किया गया। पिछले साल 13 दिसंबर से कॉमोडिटी डेरिवेटिव में और 11 अप्रैल 2026 से पूंजी बाजार/ इक्विटीज में इसे लागू किया गया। इक्विटी डेरिवेटिव में भी इसे आज से ही लागू किया गया है।

एनएसई का कहना है कि इससे पारदर्शिता और काम में भरोसा बढ़ेगा। यह तेजी दर्शाती है कि एनएसई ऐसी प्रौद्योगिकी पर काम कर रहा है, जो दुनिया के बड़े एक्सचेंज के बराबर ही नहीं, उनसे आगे भी है।

सेल्फी विद ड्रोन

ICAR-CIFRI, बैरकपुर द्वारा विकसित एक प्रोटोटाइप ड्रोन के साथ सेल्फी लेते हुए प्रदर्शनी में आये किसान। यह ड्रोन 3-4 किलोमीटर के दायरे में 60 किलोग्राम तक मछली ले जाने में सक्षम है और इसे शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में आयोजित तीन दिवसीय 'उन्नत कृषि मेला' में प्रदर्शित किया गया था। ● फोटो : एजेंसी

नीति | **2027 से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को ही मिलेगी नए पंजीकरण की अनुमति**

दिल्ली में 'डिलीवरी' बेड़े में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर लगेगी रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में ऐप आधारित सामान तथा भोजन आपूर्ति एवं यात्रा की सुविधा मुहैया कराने वाली कंपनियों (एग्रीगेटर) के इस वर्ष से अपने बेड़े में पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन शामिल करने पर रोक लगेगी जबकि 2027 से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को ही नए पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी। यह मंशा दिल्ली सरकार द्वारा जारी ईवी नीति के मसौदे में व्यक्त की गई है।

दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026-2030 के मसौदे में प्रस्ताव किया गया कि इस वर्ष एक जनवरी से एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित दोपहिया वाहनों और हल्के मालवाहक वाहनों के मौजूदा बेड़े में पूरी तरह से पेट्रोल या डीजल पर चलने

वाले किसी भी पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहन को शामिल नहीं किया जाएगा। हालांकि, एग्रीगेटर को बेड़े में बीएस-6 उत्सर्जन मानक वाले दोपहिया वाहनों को शामिल करने की अनुमति 31 दिसंबर, 2026 तक होगी, जिसके बाद उन्हें अपने बेड़े को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलना अनिवार्य होगा।

इस नीति में ऑटो-रिक्शा सहित यात्री इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि का भी प्रस्ताव किया गया है।

ई वाहनों पर मिलेगी सब्सिडी

- **पहले वर्ष में 50,000 रुपये**
- **दूसरे वर्ष में 40,000 रुपये**
- **तीसरे वर्ष में 30,000 रुपये**

इसमें कहा गया कि नई नीति की अधिसूचना की तारीख से पहले वर्ष में 50,000 रुपये, दूसरे वर्ष में 40,000 रुपये और तीसरे वर्ष में 30,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा दिया जा सके।

यह प्रोत्साहन राशि पुराने सीएनजी ऑटो-रिक्शा को बदलने के साथ-साथ दिल्ली में पंजीकृत नए ऑटो-रिक्शा पर भी लागू होगी। प्रस्तावित नीति के अनुसार अधिकृत कबाड़ सुविधा केंद्र से वाहन को कबाड़ कराने का प्रमाण पत्र जारी होने के छह महीने के भीतर निजी उपयोग के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर प्रोत्साहन राशि मिलेगी। ये प्रावधान उन वाहन श्रेणियों पर केंद्रित हैं जिनका उपयोग अधिक होता है, जैसे दोपहिया, तिपहिया और मालवाहक वाहन, जो रोजाना व्यापक संचालन के कारण प्रदूषण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

मसौदा नीति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर एवं डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना (2023)' के अन्य प्रावधान यथावत लागू रहेंगे। एग्रीगेटर बेड़े और ऑटो-रिक्शा पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस नीति का उद्देश्य अधिक उपयोग वाले वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और राजधानी में प्रदूषण के स्तर को कम करना है।

न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी से कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं कर्मचारी: चौटाला

चंडीगढ़, एजेंसी

● पूर्व डिप्टी सीएम ने सरकार से की कल्याण योजनाओं के लिए वार्षिक आय सीमा1.80 लाख से बढ़ाकर 2.40 लाख रुपये करने की मांग

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में न्यूनतम वेतन में हालिया वृद्धि के कारण लाखों कर्मचारी विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं के दायरे से बाहर हो सकते हैं।

चौटाला ने कहा कि कई योजनाओं में पात्रता के लिए परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होना जरूरी है। लेकिन अब न्यूनतम वेतन सभी श्रेणियों में 15,000 रुपये प्रति माह से अधिक हो गया है, जिससे पंजीकृत कर्मचारियों की वार्षिक आय इस सीमा से ऊपर चली गई है और वे लाभ पाने के पात्र नहीं रहेंगे।

उन्होंने कहा कि बीपीएल राशन कार्ड, चिरायु हरियाणा के तहत मुफ्त इलाज, दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता, महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा के लिए चिराग योजना और विवाह सहायता योजनाएं जैसी कई योजनाओं में पात्रता परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में दर्ज आय पर आधारित है। उन्होंने पूर्व के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि परिवार पहचान पत्र के आधार पर पेंशन बंद होने जैसी स्थिति पहले भी सामने आ चुकी है और अब कर्मचारियों के साथ भी ऐसा हो सकता है।

चौटाला ने राज्य सरकार से मांग की कि इन योजनाओं के लिए वार्षिक आय सीमा बढ़ाकर 2.40 लाख रुपये की जाए और विभिन्न पोर्टल पर पात्रता मानकों को अपडेट किया जाए, ताकि कर्मचारी वर्ग को परेशानी न हो।

उन्होंने निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों के कर्मचारियों की मांगों को भी पूरा करने का आग्रह किया।

महात्मा फूले को नमन

संसद परिसर में महात्मा ज्योतिबा फुले के 20वें जन्मदिन समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आदि ने उन्हें नमन किया।

सुलह की प्रक्रिया आधुनिक न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग

- मध्यस्थता सम्मेलन में बोलीं न्यायमूर्ति नागरत्ना

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को कहा कि मध्यस्थता और सुलह आधुनिक और उत्तरदायी न्याय प्रणाली के अभिन्न अंग हैं और इन्हें केवल पारंपरिक मुकदमा प्रक्रिया के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने दिल्ली में भारतीय मध्यस्थता परिषद द्वारा 'वैश्वीकरण के युग में मध्यस्थता' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजी से जटिल और वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विवाद केवल कानूनी प्रश्न ही नहीं होते, बल्कि सामाजिक, व्यावसायिक और आपसी संबंधों से जुड़े प्रश्न भी होते हैं, जिनके समाधान के लिए अदालती फैसले की बजाय स्वैच्छिक समाधान की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, मध्यस्थता और सुलह केवल मुकदमेबाजी के विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक आधुनिक और उत्तरदायी न्याय प्रणाली के अभिन्न अंग हैं। शीर्ष अदालत की न्यायाधीश ने कहा कि विवाद समाधान के पारंपरिक तरीके से मध्यस्थता और सुलह जैसे विवाद समाधान तंत्रों की ओर एक स्पष्ट बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि तटस्थ मंच, प्रक्रियात्मक लचीलापन, गोपनीयता और पक्षकारों की स्वायत्तता जैसे फायदों के कारण सीमा पार वाणिज्यिक विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता सबसे पसंदीदा विधि के रूप में उभरी है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इसके फायदे, जैसे कि तटस्थ मंच, प्रक्रियात्मक लचीलापन, गोपनीयता, पक्षकारों की स्वायत्तता और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के तहत निर्णयों की प्रवर्तनीयता ने इसे वैश्विक वाणिज्य में पक्षकारों के लिए अपरिहार्य बना दिया है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क संधि द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की प्रभावशीलता को मजबूती मिली है, जिसने मध्यस्थता निर्णयों को 170 से अधिक न्यायक्षेत्रों में मान्यता देने और लागू करने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपने संबोधन में द्विपक्षीय निवेश संधियों के तहत निवेश मध्यस्थता का भी उल्लेख किया।

मामलों के लंबित रहने के लिए केवल न्यायाधीशों को दोष न दें

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने शनिवार को कहा कि भारत में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या के लिए केवल न्यायाधीशों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। न्याय में देरी अक्सर वकीलों की बहस और कानूनी प्रक्रिया के तरीके से प्रभावित होती है। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा कि न्यायाधीश और मामले के निपटारे की दर के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। यह वकीलों पर निर्भर करता है कि वे कितनी देर तक बहस करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में देरी के लिए वकीलों और कानूनी पेशे से जुड़े लोगों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबी-लंबी बहसें करना और बार-बार तारीख लेना जैसी आदतें मामलों के निपटारे में देरी का कारण बनती हैं, इसलिए इन पर विचार कर सुधार करना जरूरी है। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह वैश्वीकरण के युग में मध्यस्थता विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को अपने ग्राहकों के बैंक दस्तावेजों में जालसाजी करने के आरोप में सात सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। आरोपी ऐसा इसलिए कर रहा था ताकि वह उन्हें जो बीमा पॉलिसियां बेच रहा था, वे प्रभावी हो सकें। विजेंद्रन तानापाल (38) ने यहां एक बैंक में संपत्ति नियोजन प्रबंधक के रूप में काम करते हुए दो जापानी ग्राहकों से जुड़े जालसाजी के दो आरोपों में संलिप्तता की बात स्वीकार की। तानापाल को बृहस्पतिवार को सजा सुनाते समय उसके अन्य जापानी ग्राहकों से जुड़े ऐसे कई अन्य आरोपों पर भी विचार किया गया।

पांच दिनी यात्रा पर चीन जाएंगे स्पेन के पीएम

बीजिंग। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के निमंत्रण पर शनिवार से पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आयेंगे। अपनी यात्रा के दौरान सांचेज़ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, प्रधानमंत्री ली और राष्ट्रीय जन कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी से मुलाकात करेंगे। सांचेज की बीजिंग की यह चौथी आधिकारिक यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि चीन प्रधानमंत्री सांचेज़ की यात्रा के माध्यम से स्पेन के साथ रणनीतिक विश्वास को गहरा करने, सहयोग तेज करने, द्विपक्षीय संबंधों को उन्नत करने को तैयार है।

लेबनान में तीन दिन में 357 लोगों की मौत

बेरूत। लेबनान में पिछले तीन दिनों के दौरान इज़राइली हमलों में 357 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,223 अन्य घायल हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों से व्यापक जनहानि हुई है और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान के खिलाफ दो सप्ताह का विराम घोषित किया था। ईरान द्वारा प्रस्तुत 10 सूत्रीय प्रस्ताव, जिसे ट्रंप ने वार्ता के लिए कारगर आधार बताया है।

इराक में निजार अमीदी चुने गए राष्ट्रपति

बगदाद। इराक की संसद ने शनिवार को देश की दो प्रमुख कुर्द पार्टियों में से एक के राजनीतिक अधिकारी निजार अमीदी को राष्ट्रपति के रूप में चुना। यह चुनाव पांच महीने पहले हुए संसदीय चुनाव के बाद हुआ है, जिसमें किसी भी पार्टी को निर्णायक बहुमत नहीं मिला था। उनका चुनाव ऐसे समय में हुआ है जब इराक अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए युद्ध के दुष्परिणामों से जूझ रहा है। इराक में ईरान समर्थित लड़ाकों ने अमेरिकी ठिकानों और राजनयिक सुविधाओं, महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचनाओं पर हमले किए। वहीं, अमेरिका-इजराइल ने ईरान समर्थित लड़ाकों पर हवाई हमले किए।

भारत-अमेरिका परमाणु ऊर्जा और एलपीजी निर्यात में सहयोग बढ़ाएंगे

विदेश सचिव विक्रम मिसरी की अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट से की बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ अपनी बैठक में परमाणु ऊर्जा और कोयला गैसीकरण (ठोस कोयले को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए गैस में बदलना) व एलपीजी निर्यात जैसे नए क्षेत्रों में ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मिसरी और राइट के बीच हुई चर्चा का मुख्य विषय ऊर्जा सुरक्षा को आगे बढ़ाना, द्विपक्षीय ऊर्जा व्यापार को गहरा करना और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करने के नए रास्ते तलाशनाथा।

बैठक में मौजूद भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका, असैन्य परमाणु सहयोग के साथ-साथ कोयला गैसीकरण और अमेरिकी एलपीजी निर्यात जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार को ऊर्जा मंत्री राइट और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ अमेरिका-भारत ऊर्जा सहयोग के भविष्य पर चर्चा करना अच्छा रहा। भारत द्वारा शांति विधेयक पारित किए जाने के बाद हम असैन्य परमाणु क्षेत्र के साथ-साथ कोयला गैसीकरण और अमेरिकी एलपीजी निर्यात जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लिए तैयार हैं।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से की मुलाकात

मिसरी मंगलवार देर रात तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने रक्षा, वाणिज्य और विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। मिसरी ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी मुलाकात की। इस दौरान भारतीय वायुसेना के प्रमुख ए पी सिंह भी अमेरिका यात्रा पर थे और वह बुधवार को कोलोराडो स्प्रिंग्स स्थित पीटरसन स्पेस फोर्स बेस गए। भारतीय वायुसेना ने एक्सपर कहा कि उन्होंने ग्रेगरी एम गिलोट (अमेरिकी उत्तरी कमान के कमांडर) के साथ अभियान संबंधी जटिल पहलुओं पर सार्थक विचार-विमर्श किया, जो बढ़ती साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। गोर ने अमेरिकी उप रक्षा मंत्री स्टीव फाइनबर्ग और सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल के साथ भी चर्चा की।

पश्चिम एशिया संकट के बीच फ्रांस, जर्मनी की यात्रा पर जाएंगे मिसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ऊर्जा, व्यापार और रक्षा से जुड़ी उच्च स्तरीय वार्ताओं के लिए रविवार से पेरिस और बर्लिन की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा पश्चिम एशिया में जारी संकट की पृष्ठभूमि में हो रही है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो वर्तमान में बदलते और जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच और अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। फ्रांस और जर्मनी की यह यात्रा उनकी अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अलावा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। पश्चिम एशिया संकट और उसका ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव पेरिस और बर्लिन में होने वाली वार्ताओं में प्रमुख मुद्दा रहेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पेरिस में विदेश सचिव फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएंस के साथ भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। उसने बताया कि दोनों नेता रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल क्षेत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

इसके साथ ही 1962 का परमाणु ऊर्जा अधिनियम और 2010 का परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम निरस्त कर दिए गए। शुक्रवार देर रात गोर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित रिसॉर्ट में मिसरी की मेजबानी की।

सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी एक्ट' (शांति अधिनियम) को भारत के असैन्य परमाणु क्षेत्र में सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है। यह कानून गत दिसंबर से लागू हुआ, जिसने इस क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है।

आतंकी संगठन से संबंध के संदेह में युवक गिरफ्तार

भुवनेश्वर। दिल्ली पुलिस ने एक आतंकवादी संगठन से संबंध होने के संदेह में भुवनेश्वर निवासी 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। शनिवार को आधिकारिक बयान में कहा गया कि आरोपी की पहचान गंगा नगर के यूनिट-6 क्षेत्र निवासी शेख इमरान के रूप में हुई है। इसमें बताया गया कि ओडिशा और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने युवक को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों संबंधी आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा एक सप्ताह पहले कुछ युवकों को पकड़े जाने और उनके सोशल मीडिया पोस्ट का विश्लेषण किए जाने के बाद इमरान पुलिस की जांच के दायरे में आया।

युवकों से पूछताछ और उनके सोशल मीडिया पोस्ट के विश्लेषण के आधार पर ओडिशा संपर्क का पता चला, जिसके बाद शेख इमरान को पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि बेरोजगार युवक इमरान कट्टरपंथी समूह का सक्रिय सदस्य है। इमरान सोशल मीडिया पर एक ग्रुप के संपर्क में आया था जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध हानिकारक कट्टर धार्मिक सामग्री साझा की जा रही थी। उसे भुवनेश्वर के उपमंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे राष्ट्रीय राजधानी ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया।

भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक की चंद्र मिशन में बड़ी भूमिका

- नासा में सर्वोच्च रैंक वाले सिविल सेवक हैं अमित क्षत्रिय

वाशिंगटन, एजेंसी

ह्यूस्टन में बचपन में रॉकेट प्रक्षेपण देखकर प्रेरित होने वाले और बाद में राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) में अभियानों की कमान संभालने वाले भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक अमित क्षत्रिय ने उस अंतरिक्ष एजेंसी में अहम भूमिका निभाई है, जो अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के मिशन पर काम कर रही है।

विस्कॉन्सिन में जन्मे क्षत्रिय नासा के सह प्रशासन के रूप में एजेंसी में सर्वोच्च रैंक वाले सिविल सेवक हैं और प्रशासक जैरेड इसाकमैन के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। क्षत्रिय एजेंसी के 10 केंद्र निदेशकों के साथ-साथ वाशिंगटन स्थित नासा मुख्यालय में मिशन निदेशालयों के सह प्रशासकों का नेतृत्व करते हैं। वह एजेंसी के मुख्य संचालन अधिकारी की भूमिका भी निभाते हैं। क्षत्रिय के माता-पिता भारतीय मूल के हैं। क्षत्रिय ने कैलिफोर्निया के पासाडेना स्थित 'कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' से गणित में बीएससी और ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय से गणित में स्नातोकत्तर की डिग्री हासिल की है। उनका जन्म विस्कॉन्सिन के ब्रुकफील्ड में हुआ था, लेकिन वह टेक्सास के ह्यूस्टन के उपनगर केटी को अपना गृह नगर मानते हैं। अंतरिक्ष के प्रति क्षत्रिय की रुचि तब जगी, जब उन्होंने ह्यूस्टन में अंतरिक्ष प्रक्षेपण देखे। ह्यूस्टन में जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में नासा का मिशन नियंत्रण केंद्र स्थित है।

पढ़ाई पूरी करने के बाद तेल एवं गैस उद्योग और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ समय काम करने के बाद वह 2003 में 'यूनाइटेड स्पेस अलायंस' से जुड़े। क्षत्रिय सॉफ्टवेयर इंजीनियर, रोबोटिक्स इंजीनियर और अंतरिक्ष यान ऑपरेटर के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के रोबोटिक संयोजन पर ध्यान केंद्रित किया। वह 2014 से 2017 तक अंतरिक्ष स्टेशन के उड़ान निदेशक रहे और 2017 से 2021 तक वह आईएसएस यान कार्यालय के उप प्रबंधक और फिर कार्यवाहक प्रबंधक बने।

वायुसेना प्रमुख ने कीअमेरिकी समकक्ष से रक्षा संबंधों पर बात

वाशिंगटन, एजेंसी

- दोनों देशों की साझा रक्षा प्राथमिकताओं पर की चर्चा

भारतीय वायु सेना के अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने की साझा प्राथमिकताओं पर अमेरिकी समकक्ष चीफ ऑफ स्टाफ जनरल केन विल्सबैक के साथ यहां चर्चा की। सिंह का आठ अप्रैल को यहां जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूरे सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया।

भारतीय वायुसेनाध्यक्ष ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान पेंटागन में वायु सेना मामलों के मंत्री ट्रॉय मींक और विल्सबैक से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि वाशिंगटन में अपनी व्यस्तताओं के अलावा, सिंह ने कोलोराडो में पीटरसन स्पेस फोर्स बेस का दौरा किया, जहां उन्हें उत्तरी अमेरिका के लिए हवाई आक्रमण चेतावनी प्रणाली, हवाई क्षेत्र नियंत्रण और समुद्री चेतावनी के द्विपक्षीय उत्तरी अमेरिकी हवाई रक्षा कमान मिशन पर केंद्रित जानकारी दी गई।

अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, भारतीय वायु सेना प्रमुख ने नेवादा स्थित नेलिस वायु सेना अड्डे का भी दौरा किया। सिंह को अमेरिकी वायु सेना युद्ध केंद्र में संबंधित जानकारी दी गई और एफ-15ईएक्स ईगल-2 की उड़ान से परिचित कराया गया। सिंह ने कहा कि ऐसे अवसर हमारी संयुक्त अंतरसंचालनीयता को विकसित करने और वायु सेनाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वांछित गैंगस्टर को थाईलैंड से वापस ले आई सीबीआई

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित कुख्यात गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। चौहान के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था। सीबीआई के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि एजेंसी ने इंटरपोल के माध्यम से पता लगाया कि चौहान बैंकॉक में है और शुक्रवार को उसे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लाया गया, जहां पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। सीबीआई ने कहा कि विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से सीबीआई ने 10 अप्रैल को वांछित भगोड़े साहिल चौहान को थाईलैंड से वापस लाने में कामयाबी हासिल की है। चौहान हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और अवैध आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल से जुड़े कई आपराधिक मामलों में आरोपी था।

लद्दाख को मिली आधार के रिकॉर्ड में अलग पहचान

लेह, एजेंसी

- रिकॉर्ड से जम्मू-कश्मीर को हटाकर किया गया लद्दाख

जम्मू कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य से 2019 में पृथक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर सृजन के लगभग सात साल बाद लद्दाख ने आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। आधार में जम्मू कश्मीर को हटाकर लद्दाख कर दिया गया है।

लोक भवन के प्रवक्ता ने बताया कि जनता की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद पूरा किया गया। लद्दाख को 2019 में केंद्र शासित प्रदेश के रूप में गठित किए जाने के बावजूद यहां के लोगों के आधार कार्ड के 'राज्य' वाले हिस्से में पहले के जम्मू कश्मीर राज्य का नाम ही दर्ज रहा - जिससे व्यापक परेशानी हुई और विभिन्न पक्षों से शिकायतें मिलीं। प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने इस मामले के लंबे समय से लंबित रहने का संज्ञान लिया और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रशासन ने इस मामले को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के समक्ष उठाया।

उन्होंने बताया कि लंबे समय से प्रतीक्षित सुधार को अब सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि आधार कार्ड में लद्दाख की विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान का सही प्रतिनिधित्व हो। उपराज्यपाल ने कहा कि इस बदलाव से प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करके और सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करके लद्दाख के निवासियों को काफी लाभ होगा।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपको कार्यक्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा। योजनाएं धीरे-धीरे सफल होती दिखेंगी। आवश्यक व्यय पर नियंत्रण रखें।

वृष आज का दिन आपके लिए अनुकूल प्रभाव रखता है। धन प्राप्ति के योग हैं। सामाजिक कार्यों में भागीदारी से सम्मान मिलेगा।

मिथुन आज आपका संवाद कौशल प्रभावशाली रहेगा। संचार और बातचीत से लाभ होगा। कोई पुराना निवेश लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

कर्क आज मन में भावनात्मक स्थिरता बनाए रखें। खर्चों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। किसी निर्णय के प्रति दुविधा हो सकती है।

सिंह आज आपकी मेहनत का परिणाम मिलेगा। वरिष्ठों से सहायता मिलने की संभावना है। किसी नए प्रोजेक्ट में भाग लेने के योग हैं।

कन्या आज अनुशासन और योजनाबद्ध कार्यों का लाभ मिलेगा। वित्तीय मामलों में आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला आज आपको संचार कौशल से लाभ होगा। साझेदारी या समूह कार्यों में आपके विचारों को सराहा जाएगा। संबंधों में संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक आज आपकी इच्छाशक्ति और लक्ष्य-प्राप्ति की क्षमता मजबूत रहेगी। पुरानी नकारात्मक स्थितियों से छुटकारा मिलेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए प्रगतिशील रहेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान और सहयोग मिलेगा। मन में उत्साह बना रहेगा।

मकर आज आप अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीरता व अनुशासन दिखाएंगे। कार्य सिद्धि के संकेत हैं। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ आज आपके विचार अभिनव और रचनात्मक रहेंगे। प्रतियोगिता या परीक्षा से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। धनलाभ के संकेत हैं।

मीन आज आपको शुभ समाचार मिलेगा। व्यापार में नई शुरुआत करने के अच्छी संभावना बन रही है। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

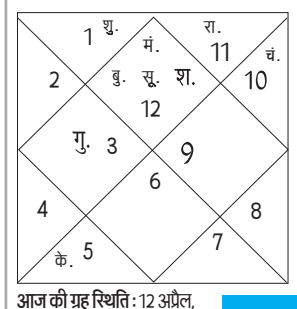

आज की ग्रह स्थिति : 12 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 13 अप्रैल 01.16 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-श्रवण 15.14 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

सुडोकू - 116 का हल

3	1	4	7	6	9	5	2	8
5	2	9	8	4	1	3	7	6
7	8	6	5	2	3	9	1	4
4	5	1	3	7	2	6	8	9
9	3	8	1	5	6	2	4	7
2	6	7	4	9	8	1	3	5
6	7	2	9	3	4	8	5	1
1	4	3	6	8	5	7	9	2
8	9	5	2	1	7	4	6	3

सुडोकू -117

	8		2	6		4		
9						5		
			4				1	7
	3				8			4
		6				7		
1			7				9	
	4				3			8
		2			4			6
		5		7			4	

निदान पार्किंसंस रोगियों के इलाज में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह

डीबीएस रेफरल में देरी से सीमित हो जाते हैं उपचार के नतीजे

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों ने कहा है कि स्पष्ट नैदानिक दिशा-निर्देशों के बावजूद, भार त में पार्किंसंस रोग के कई रोगियों को डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) के लिए बहुत देर से रेफर किया जाता है, जिससे इस प्रक्रिया के संभावित लाभ सीमित हो जाते हैं।

डीबीएस पार्किंसंस की बीमारी के इलाज के लिए एक सुस्थापित शल्य चिकित्सा पद्धति है। इसकी सिफारिश सावधानीपूर्वक चयनित उन रोगियों के लिए की जाती है जो लेवोडोपा, जो इस बीमारी के प्रबंधन के लिए सबसे प्रभावी दवा है, के प्रति खराब प्रतिक्रिया देते हैं। अनुकूलित चिकित्सा उपचार के बावजूद उतार-चढ़ाव और डिस्किनेसिया जैसी अक्षम करने वाली मोटर जटिलताएं विकसित होती हैं और साथ ही अप्रत्याशित ऑन-ऑफ अवधि संबंधी विकार पैदा होते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ऑन अवधि वह समय है जब दवा से पार्किंसंस के लक्षण अच्छी तरह से नियंत्रित होते हैं, जबकि ऑफ अवधि वह समय है जब दवा का असर खत्म हो जाता है और लक्षण (जैसे अकड़न, कंपन और सुस्ती) फिर से प्रकट हो जाते हैं। दिल्ली स्थित एम्स में न्यूरोसर्जरी और गामा नाइफ विभाग के अध्यक्ष डॉ. पी. शरत चंद्र ने विश्व पार्किंसंस दिवस पर बताया कि डीबीएस से दवा की खुराक कम हो जाती है और डिस्किनेसिया (दवा के कारण शरीर में होने वाली असामान्य हरकतें), मतिभ्रम, मतली और निम्न रक्तचाप जैसी जटिलताओं से बचाव होता है। इससे कई दवाओं की खुराक कम करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा लेकिन वास्तविकता यह है कि रेफरल करने की परिपाटी असंगत बनी हुई है।

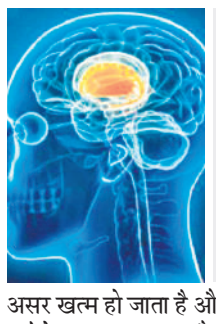

मरीजों को बीमारी के लक्षण विकसित होने के पूर्व करें रेफर

डॉ. शरत चंद्र ने कहा कि भारत में कई मरीजों को बीमारी के लक्षण विकसित होने के बाद रेफर किया जाता है, खासतौर पर जब चलने में अकड़न और शारीरिक अस्थिरता जैसे अक्षीय लक्षण पहले ही प्रकट हो चुके होते हैं, जो कि डीबीएस के प्रति खराब प्रतिक्रिया देने वाले लक्षण माने जाते हैं। इस देरी का एक प्रमुख कारण डीबीएस को अंतिम उपाय चिकित्सा के रूप में व्यापक रूप से देखा जाना है, न कि एक ऐसे हस्तक्षेप के रूप में जिसे मोटर संबंधी जटिलताएं शुरू होने के दौरान लेकिन अपरिवर्तनीय दिव्यांगता होने से पहले शुरू करना सबसे अच्छा होता है।

बांग्लादेश में खसरे से अब तक 145 बच्चों की गई जान

सिलहट। बांग्लादेश में खसरे के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के भीतर ढाका और सिलहट में दो और बच्चों की मौत हो गई है, जिससे हताहतों की संख्या में और वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, 15 मार्च से अब तक खसरे जैसे लक्षणों के कारण कुल 145 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से 24 मौतों की पुष्टि आधिकारिक तौर पर खसरे से होने के रूप में हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भारी उछाल देखा गया है।

> तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी महज एक नंबर है और वह किसी भी क्रम पर उतरने के लिये तैयार हैं। मैं पिछले साल पांचवें छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा था। आखिर में तो लक्ष्य मैच जीतना होता है। प्रबंधन ने मुझ पर भरोसा करके ऊपर भेजा है।
>
> -ध्रुव जुरेल

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, रविवार, 12 अप्रैल 2026

IPL 2026

आज के मुकाबले

लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम गुजरात टाइटंस

समय - दोपहर 3:30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

संजू सैमसन के शतकीय प्रहार से चेन्नई का घर पर हुआ श्रीगणेश

आईपीएल-2026 : दिल्ली कैपिटल्स को 23 रनों से हराया, जैमी ने झटके 4 विकेट

संजू सैमसन।

चेन्नई, एजेंसी

संजू सैमसन की नाबाद शतकीय पारी के बाद जैमी ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर मौजूदा सत्र में पहली जीत का स्वाद चखा।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में अपनी निराशाजनक शुरुआत को पीछे छोड़ते हुए सैमसन ने 56 गेंदों की नाबाद पारी में 15 चौकों और चार छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है। सुपरकिंग्स ने दो विकेट पर 212 रन बनाने के बाद कैपिटल्स को आखिरी गेंद पर 189 रन पर ऑल आउट कर दिया और अपने घरेलू मैदान पर लगातार छह हार के बाद जीत दर्ज की।

चार मैचों में पहली जीत से सुपरकिंग्स की टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार मैचों में दूसरी हार के बाद चौथे स्थान पर है। कैपिटल्स के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन की पारी खेली। पथुम निसंका ने 41 रन का योगदान दिया, लेकिन यह टीम के लिए काफी साबित नहीं हुआ। ओवरटन ने बल्लेबाजों के लिए आसान परिस्थितियों में चार ओवर में महज 18 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें अंशुल कंबोज का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने चार ओवर में 35 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच में दोनों टीमों के क्षेत्ररक्षण ने बड़ा अंतर पैदा किया। कैपिटल्स ने जहां कैच पकड़ने और रन आउट करने के कुछ आसान मौके गंवाए, वहीं सुपरकिंग्स के क्षेत्ररक्षकों ने शानदार कैच लपके। लक्ष्य का पीछा करते हुए निसंका और लोकेश राहुल (18) ने दिल्ली कैपिटल्स को तेज शुरुआत दिलाई। निसंका ने दूसरे ओवर में खलील अहमद के खिलाफ एक छक्का और दो चौके लगाए, तो वहीं राहुल ने अकील हुसैन की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़कर आक्रामक तेवर दिखाए। राहुल ने अगले ओवर में कंबोज का स्वागत चौके से किया, जबकि निसंका ने ओवर का अंत लगातार गेंदों पर चौके और छक्के से किया, जिससे टीम ने चार ओवर के अंदर ही 50 रन पूरे कर लिए। खलील ने राहुल को चलता कर मौजूदा सत्र का अपना पहला विकेट झटका, तो वहीं कंबोज ने छठे ओवर में निसंका को चलता कर टीम को नुकसान से बचा लिया।

चेन्नई सुपरकिंग्स

212/2 (20 ओवर)

संजू सैमसन नाबाद	115
रुतुराज का निसंका बो अक्षर	15
आयुष महात्रे रिटायर्ड आउट	59
शिवम दुबे नाबाद	20

अतिरिक्त : 03, **गेंदबाजी :** नबी 2-0-17-0, मुकेश 4-0-37-0, अक्षर 4-0-39-1, नटराजन 4-0-54-0, एनगिड़ी 4-0-41-0, कुलदीप 2-0-24-0

115 रनों की शतकीय पारी संजू सैमसन ने 56 गेंदों पर खेली, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल हैं। ये आईपीएल-2026 का पहला शतक है

18 रन ही जेमी ओवर्टन ने चार ओवर में दिए और चार विकेट भी हासिल किए

दिल्ली कैपिटल्स

189/10 (20 ओवर)

पथुम निसंका का ब्रेविस बो कंबोज	41
लोकेश राहुल का ओवरटन बो खलील	18
समीर रिजवी का बेविस बो ओवरटन	06
अक्षर पटेल का सरफराज बो गुरजपनीत	01
डेविड मिलर बो ओवरटन	17
ट्रिस्टन स्टब्स का नूर बो ओवरटन	60
आशुतोष शर्मा का कंबोज बो नूर	19
औकिब नबी का हुसैन बो ओवरटन	04
कुलदीप यादव का ब्रेविस बो कंबोज	04
लुंगी एनगिडी का गुरजपनीत बो कंबोज	03
टी नटराजन नाबाद	01

अतिरिक्त : 15, **गेंदबाजी :** अकील हुसैन 2-0-20-0, खलील 3-0-40-1, कंबोज 4-0-35-3, गुरजपनीत 4-0-39-1, ओवरटन 4-0-18-4, नूर 3-0-36-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	4	4	0	0	8	2.055
2.	पंजाब किंग्स	4	3	0	1	7	0.720
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	3	2	1	0	4	1.231
4.	दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	0.322
5.	लखनऊ सुपर जाइटंस	3	2	1	0	4	-0.359
6.	सनराइज़र्स हैदराबाद	4	1	3	0	2	-0.024
7.	गुजरात टाइटंस	3	1	2	0	2	-0.270
8.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
9.	चेन्नई सुपर किंग्स	4	1	3	0	2	-1.532
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	4	0	3	1	1	-1.315

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी
राजस्थान - 200 रन
हेनरिक क्लासेन
हैदराबाद- 184 रन
यशस्वी जायसवाल
राजस्थान-183 रन

पर्पल कैप

रवि विश्नोई
राजस्थान- 9 विकेट
अंशुल कंबोज
चेन्नई - 8 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात - 6 विकेट

वैभव सूर्यवंशी पंद्रह बरस की उम्र में काफी परिपक्व हैं : भुवनेश्वर

गुवाहाटी, एजेंसी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी की उम्र भले ही 15 साल हो लेकिन वह काफी परिपक्वता और स्पष्टता के साथ बल्लेबाजी करते हैं। सूर्यवंशी ने आरसीबी के खिलाफ 26 गेंद में 78 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट से जीत दिलाई। भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा जिस तरह से वह शॉट्स खेलता है, वह बाकायदा क्रिकेट शॉट होते हैं। 15 वर्ष की उम्र में वह काफी परिपक्व है। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, हमें उसे इसका श्रेय देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आरसीबी कभी भी पूरी तरह से दबाव में नहीं थी। उन्होंने कहा यह टी20 मैच है। वह युवा है और अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह परिपक्वता से बल्लेबाजी कर रहा है लेकिन हमें कभी भी यह नहीं लगा कि हम पर पूरी तरह से दबाव बन गया है।

विराट कोहली का संदेश- प्रिय वैभव बेहतरीन प्रदर्शन

गुवाहाटी। एक युवा क्रिकेटर के लि, सुपरस्टार विराट कोहली से मिली प्रशंसा किसी वरदान से कम नहीं है और आईपीएल में एक और शानदार प्रदर्शन करने वाले वैभव सूर्यवंशी को यह मौका मिला। पंद्रह वर्ष के सूर्यवंशी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 26 गेंद में 78 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट से जीत दिलाई। मैच के बाद कोहली ने वैभव की कैप पर हस्ताक्षर करके खास संदेश लिखा प्रिय वैभव, शानदार प्रदर्शन। इस पारी से सूर्यवंशी आरेंज कैप भी पहन चुके हैं।

हाईलाइट

निशानेबाज सैन्यम का विश्व कप में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज सैन्यम ने आईएसएसएफ विश्व कप के एक चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्पेन के ग्रेनाडा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया। जूनियर विश्व और एशियन चैंपियन रह चुकी सैन्यम ने फाइनल में 178.9 का स्कोर किया। एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक भी फाइनल में पहुंचीं और सातवें स्थान पर रहीं। 24 शॉट के फाइनल में 14वें शॉट के बाद 137.9 के स्कोर के साथ वह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। चीन की शेन यियाओ ने 244.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। सैन्यम ने क्वालीफिकेशन दौर में 582 का स्कोर किया और 83 निशानेबाजों के बीच तीसरा स्थान हासिल किया।

एशियाई युवा टेबल टेनिस में भारतीयों ने जीते 13 स्वर्ण पदक

शिमला। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्ग में 13 स्वर्ण पदक जीतकर अपना क्षेत्रीय दबदबा साबित कर दिया। यह टूर्नामेंट एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर भी है। भारत के प्रियनुज भट्टाचार्य ने अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में हमवतन पुनीत बिस्वास को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। युगल में एमआर बालमुरुगन और मेहान सेंथिल ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के अबुल हसीब और नफीज इकबाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में आदित्य दास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में हमवतन खिलाड़ी अक्षय किरिकारा को हराया।

अभिमन्यु ने एशियन रेसलिंग में जीता स्वर्ण

बिश्केक। सीआईएसएफ सेंट्रल रेसलिंग टीम के हिसार, हरियाणा के 24 साल के रेसलर, हेड कांस्टेबल अभिमन्यु ने किर्गिस्तान के बिश्केक में एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में 70 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर फोर्स और देश का नाम रोशन किया है। मैट पर ज़बरदस्त स्किल, पक्का इरादा और धैर्य दिखाते हुए, अभिमन्यु ने अपने विरोधियों को हराकर यह शानदार जीत हासिल की। वह अभी वर्ल्ड नंबर 3 पर हैं।

अय्यर के धमाल से जीता पंजाब

मुल्लांपुर, एजेंसी

पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 33 गेंद में 69 रन की नाबाद पारी से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (57 रन) और प्रभसिमरन सिंह (51 रन) की पारियों के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' अय्यर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को दबाव में नहीं आने दिया। उनकी पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके जड़े थे। इससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद के बाएं हाथ के कलाई स्पिनर शिवांग कुमार ने पंजाब किंग्स के शुरूआती तीनों विकेट अपनी झोली में डाले लेकिन पंजाब किंग्स को जीत दर्ज करने से नहीं रोक सके। यह हैदराबाद की लगातार दूसरी हार है। प्रियांश (पांच चौके, पांच छक्क) और प्रभसिमरन (चार चौके, चार छक्के) ने मिलकर पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में प्रियांश की पारी खत्म हुई। प्रियांश ने शिवांग की पहली ही गेंद पर डीप मिड विकेट के ऊपर से स्वीप शॉट लगाते हुए छक्का जड़ा, लेकिन जब उन्होंने लगातार दूसरी गेंद पर भी ऐसा ही करने की कोशिश की, तो गेंद सीधे क्षेत्ररक्षक के हाथों में समां गई। इस तरह दोनों के बीच 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 99 रन की भागीदारी का अंत भी हुआ।

शॉट लगाते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर। एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद

219/6 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का अर्शदीप बो शशांक	74
ट्रेविस हेड का बार्टलेट बो शशांक	38
ईशान किशन का यानसेन बो अर्शदीप	27
हेनरिक क्लासेन का कोनोली बो बार्टलेट	39
अनिकेत वर्मा रन आउट	18
सलिल अरोड़ा का बार्टलेट बो अर्शदीप	09
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	00
हर्ष दुबे नाबाद	01

अतिरिक्त : 13, **गेंदबाजी :** अर्शदीप 4-0-50-2, बार्टलेट 4-0-42-1, यानसेन 4-0-40-0, विशाक 2-0-33-0, शशांक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0

पंजाब किंग्स

223/4 (18.5 ओवर)

प्रियांश आर्य का रेड्डी बो शिवांग	57
प्रभसिमरन सिंह का क्लासेन बो शिवांग	51
कूपर कोनोली का वर्मा बो शिवांग	11
श्रेयस अय्यर नाबाद	69
नेहाल वढेरा बो हर्ष दुबे	14
शशांक सिंह नाबाद	16

अतिरिक्त : 05, **गेंदबाजी :** हर्ष दुबे 4-0-38-1, उनादकट 3-0-40-0, मलिंगा 3-0-46-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतिश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0

लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए घरेलू रिकॉर्ड चिंता का विषय

- गुजरात के खिलाफ लय पाने की करेगा कोशिश
- मुकुल चौधरी की बल्लेबाजी पर रहेगी नजर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स को मुकुल चौधरी के रूप में एक नया स्टार मिल गया है, लेकिन आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले उसके लिए घरेलू मैदान पर खराब रिकॉर्ड बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

एलएसजी और गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा होगा। गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की थी जिससे उसने अपना खाता भी खोला। एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत दर्ज की। हालांकि एलएसजी एकाना में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उसे अगर इसे अपना मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

अपने गढ़ में आरसीबी के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या (बाएं) और कोच महेला जयवर्धने।

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ़ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरूआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। पांच बार की चैम्पियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0 .715) के साथ आठवें स्थान पर है।

अंकिता की हार से भारत की विश्व ग्रुप प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म

बिली जीन किंग कप

नई दिल्ली, एजेंसी

अंकिता रैना की शनिवार को यहां दक्षिण कोरिया की डेयोन बैक के हाथों सीधे सेटों में हार के साथ ही भारत की बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के विश्व ग्रुप के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें खत्म हो गई।

भारतीय टीम दिन की शुरुआत में तालिका में चौथे स्थान पर थी और उसे शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए कोरिया पर 3-0 से जीत की जरूरत थी। कप्तान विशाल उप्पल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले की शुरुआत के लिए सबसे अनुभवी खिलाड़ी अंकिता को चुना, लेकिन डेयोन बैक ने यह मुकाबला जीत कर भारत की उम्मीद पर पानी फेर दिया। विश्व में 581वीं रैंकिंग की खिलाड़ी 33 वर्षीय अंकिता ने 343वीं रैंकिंग वाली कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट आसानी से गंवा दिया लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने कड़ी चुनौती पेश की। आखिर में हालांकि उन्हें एक घंटे 55 मिनट तक चले मैच में 1-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। अंकिता ने इस टूर्नामेंट में इससे पहले कोई एकल मैच नहीं खेला था। वह केवल युगल में ही प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। भारत अब शेष दो मैच जीतने का प्रयास करेगा।

दक्षिण कोरिया की डेयोन बैक को बधाई देतीं भारत की अंकिता रैना। एजेंसी

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

विश्व नंबर एक व गत चैंपियन कुनलावत वितिदसर्न को तीन गेमों में दी शिकस्त

एक और उलटफेर के सहारे आयुष शेट्टी फाइनल में

निंगबो (चीन), एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन इतिहास की नई सनसनी आयुष शेट्टी ने यहां बैंक ऑफ निंगबो बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में शनिवार को इतिहास दोहराया, जब वह मौजूदा चैम्पियन व विश्व नंबर एक थाई स्टार कुनलावुत वितिदसार्न को भी स्तब्ध करते हुए पुरुष एकल फाइनल में जा पहुंचे।

दिनेश खन्ना के बाद फाइनल तक पहुंचने वाले पहले भारतीय : बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में 25वें नंबर के शटलर आयुष यहां पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे और 1965 के बाद पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 1965 में दिनेश खन्ना यहां खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बने थे। खन्ना ने बाद में 1969 में कांस्य पदक जीता। उनके अलावा सुरेश गोयल (1965), प्रकाश पादुकोण (1976), पुलेला गोपीचंद (2000), अनूप श्रीधर (2007) व एचएस प्रणय (2018) भी इस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पहला गेम गंवाने के बाद शेट्टी की असाधारण वापसी : मेंगलुरु में जन्मे 20 वर्षीय शेट्टी ने निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर के कोर्ट नंबर एक पर पहला गेम गंवाने के बाद असाधारण वापसी की और एक घंटा 15 मिनट की कश्मकश के बाद पेरिस ओलम्पिक 2024 के रजत पदक विजेता वितिदसार्न को 10-21, 21-19, 21-17 से हरा दिया। आयुष ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय शटलरों के पोडियम पर पहुंचने का इंतजार भी खत्म कर दिया। इससे पहले अंतिम मेडल 2023 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल टीम ने जीता था।

आयुष की अब दूसरी सीड शी यू की से होगी खिताबी टक्कर : मौजूदा अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैम्पियन आयुष की अब रविवार को दूसरी सीड चीनी दिग्गज शी यू की से खिताबी टक्कर होगी, जिन्होंने चतुर्थ वरीय चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को 21-9, 21-3 से शिकस्त दी।

भारत के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार ने की तारीफ

भारत के पूर्व मुख्य कोच और सेंटर फार बैडमिंटन एक्सीलेंस के डायरेक्टर विमल कुमार ने भारतीय शटलर के पदर्शन का जिक्र करते हुए बताया आयुष ने हालात को अच्छे से संभाला। ऐसा लगा कि अपने अटैकिंग स्टाइल से वह कुनलावुत पर हावी हो गए और इसका उन्होंने समझदारी से फयदा उठाया।

सिंधु व लक्ष्य सहित अन्य भारतीयों ने किया निराश : हालांकि टूर्नामेंट में उतरने अन्य भारतीय शटलरों ने निराश किया। दो बार की ओलम्पिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु दूसरे राउंड में हार गईं जबकि मौजूदा समय देश के शीर्षस्थ पुरुष शटलर लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में बाहर हो गए।